THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 21 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.4 2080 सोमवार, 10 अप्रैल 2023 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

## फैक्ट चेक यूनिट बनाएगी सरकार : कानून मंत्री

**कहा- फर्जी, झूठी और भ्रामक खबरों पर लगाम कसना जरूरी**

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि फर्जी, झूठी और भ्रामक खबरों को निर्धारित करने के लिए नियमों में संशोधन किया जाएगा। नियमों को लागू करने से पहले इस पर चर्चा की जाएगी। हम चुनाव प्रक्रिया में भी संशोधन करने का विचार कर रहे हैं इसलिए फेक न्यूज से जुड़ी खबरों पर लगाम कसने पर विचार करना जरूरी है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने गुरुवार को नोटिफिकेशन जारी किया था। इसमें बताया गया कि इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और डिजिटल मीडिया 2023 के नियमों में बदलाव होंगे। इसके तहत एक फैक्ट चेक यूनिट बनाई जाएगी, जो केंद्र सरकार से जुड़ी फर्जी, झूठी और भ्रामक खबरों की जांच करेगी। इससे ऑनलाइन फर्जी खबरें फैलाने वालों की दुकानें बंद होंगी। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव को लेकर सवाल पूछे जाने पर कानून मंत्री ने कहा कि मैं चुनाव के समय की घोषणा नहीं कर सकता। मैं कानून और चुनाव आयोग का प्रशासनिक मंत्री हूं इसलिए इसका जवाब यहां देना सही नहीं है। समय आने पर घोषणा कर दी जाएगी। पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती के पासपोर्ट को लेकर लगे आरोपों पर रिजिजू ने कहा कि पासपोर्ट गृह मंत्रालय जारी करता है।

# देश में बाघों की आबादी बढ़ना प्रसन्नता की बात : पीएम

## ऑस्कर विनिंग ऐलिफेंट व्हिस्परर्स यहीं बनी, बांदीपुर टाइगर रिजर्व में खुली जीप में घूमे

### मैसूर में मैन मेड जंगल 'सफारी नंदनवन' का शुभारंभ

**बेंगलुरू, 9 अप्रैल (एजेंसियां)।** देश में 2018 से 2022 के दौरान 200 बाघ बढ़ गए हैं। प्रोजेक्ट टाइगर के 50 साल पूरे होने पर कर्नाटक के मैसूर पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी ने बताया कि देश में बाघों की आबादी 3 हजार 167 हो गई है। 2018 में यह संख्या 2 हजार 967 थी। इससे पहले मोदी रविवार सुबह साढ़े 8 बजे बांदीपुर टाइगर रिजर्व पहुंचे। टी-शर्ट, ट्राउजर, जैकेट, हैट, ब्लैक चश्मे और कैमरे के साथ नए लुक में नजर आए।

पीएम ने बांदीपुर टाइगर रिजर्व में खुली जीप में करीब 20 किमी लंबी जंगल सफारी की। इसके बाद उन्होंने कर्नाटक सीमा से लगे मुदुमलई नेशनल पार्क में थेप्पाकडु एलिफेंट पार्क पहुंचकर हाथियों को गन्ने खिलाए। ये वही नेशनल पार्क है, जहां ऑस्कर विनिंग शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' शूट हुई थी। पीएम फिल्म में नजर आए हाथी रघु और उसे पालने वाले बोम्मन और बेली से भी मिले।

**मोदी ने बिग कैट्स अलायंस की लॉन्चिंग की**

प्रोजेक्ट टाइगर के 50 साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने टाइगर से जुड़े नए आंकड़े जारी किए। इसके अलावा एक सिक्का भी जारी किया। प्रधानमंत्री ने इंटरनेशनल बिग कैट्स अलायंस (आईबीसीए) की भी शुरूआत की। ये संगठन दुनियाभर में बिल्लियों की सात बड़ी प्रजातियों बाघ, शेर, हिम तेंदुआ, तेंदुआ, प्यूमा, जगुआर और चीता को संरक्षित करने पर फोकस करेगा।

1 नवंबर 2016 को पीएम

**नेशनल पार्क है, जहां ऑस्कर विनिंग शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' शूट हुई थी। पीएम फिल्म में नजर आए हाथी रघु और उसे पालने वाले बोम्मन और बेली से भी मिले।**

मोदी छत्तीसगढ़ फाउंडेशन डे पर नया रायपुर गए थे। यहां उन्होंने एशिया की सबसे बड़ी मैन मेड जंगल सफारी नंदनवन का लोकार्पण किया था। जब वे सफारी पर निकले तो खुद कैमरा संभाला और एक टाइगर की फोटो भी क्लिक की। इसी दौरान सीएम रमन सिंह ने मोदी की फोटो खींची थी, जो वायरल हुई थी।

**कांग्रेस ने कहा, पीएम प्रोजेक्ट टाइगर का क्रेडिट लेंगे, इंदिरा गांधी की तस्वीर शेयर की**

प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर लिखा, पीएम बांदीपुर में 50 साल पहले लॉन्च हुए प्रोजेक्ट टाइगर का पूरा क्रेडिट लेंगे। वे खूब तमाशा करेंगे, जबकि पर्यावरण, जंगल, वन्य जीव एवं वन क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासियों की रक्षा के लिए बनाए गए सभी कानून ध्वस्त किए जा रहे हैं। वे भले ही सुर्खियां बटोर लें, लेकिन हकीकत बिल्कुल उलट है।

वहीं, कर्नाटक कांग्रेस ने इंदिरा गांधी की तस्वीर शेयर कर लिखा, कांग्रेस ने 70 साल में क्या किया है। यह कांग्रेस सरकार थी जिसने 1973 में बांदीपुर बाघ संरक्षण परियोजना लागू की थी, जहां आज आप सफारी का आनंद ले रहे हैं। ये उसी का परिणाम है कि आज बाघों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। इसके अलावा कांग्रेस ने तंज कसते हुए लिखा, पीएम मोदी से खास अपील है कि बांदीपुर को अडाणी को मत बेचना।

**2019 में पीएम ने की थी जानवरों का शिकार रोकने की पहल**

2019 में पीएम मोदी ने ग्लोबल लीडर्स के साथ मिलकर एशिया में जानवरों के अवैध शिकार और अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने की पहल की थी। प्रधानमंत्री के उसी संदेश को आगे बढ़ाने के लिए आईबीसीए की शुरूआत की जा रही है।

## पहली बार कश्मीर में जी-20 बैठक 22 और 23 मई को

**चीन-पाकिस्तान ने इस पर ऐतराज जाहिर किया था**

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर में जी-20 की बैठक कराने का फैसला किया है। जी-20 प्लान के मुताबिक, श्रीनगर में 22 और 23 मई को टूरिज्म पर वर्किंग ग्रुप की बैठक होगी। पहली बार जम्मू-कश्मीर में जी-20 की बैठक होगी। आर्टिकल 370 हटने के बाद यहां पहली इंटरनेशनल समिट भी होगी।

जी-20 की यूथ-20 और सिविल-20 बैठकों के लिए चुने गए देश के 15 संस्थानों में से एक कश्मीर यूनिवर्सिटी (केयू) भी है। केयू में सी-20 की वर्किंग ग्रुप की बैठक पहले ही हो चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस बैठक का मुद्दा जेंडर इक्वैलिटी और डिसऐबिलिटी था। सी-20 जी-20 का ऑफिशियल एंगेजमेंट ग्रुप है, जो सिविल सोसाइटी, एनजीओ और सरकारी प्रतिनिधियों को चुने हुए विषय पर चर्चा के लिए प्लेफॉर्म देता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, खेल एवं युवा मामलों के मंत्रालय ने कश्मीर यूनिवर्सिटी के साथ एक एमओयू साइन किया है, जिसके तहत विश्वविद्यालय में यूथ-20 समिट के पहले होने वाले इवेंट्स भी होंगे। इसमें जी-20 देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। यूथ-20 समिट जून 2023 में वाराणसी में होनी है।

चीन और पाकिस्तान लगाता जी-20 बैठक जम्मू-कश्मीर में कराए जाने का विरोध कर रहे हैं। पाकिस्तान जी-20 में शामिल अपने समर्थक देशों को साधकर इस बैठक का विरोध कर रहा था। चीन ने मार्च में ही कहा था कि जी-20 की बैठक जम्मू-कश्मीर में नहीं होनी चाहिए। अब श्रीनगर में ये बैठक कराने जाने के बाद माना जा रहा है कि चीन इससे दूरी बना सकता है।

जी-20 की अध्यक्षता कर रहा भारत पहले ही कह चुका है कि देश के 28 राज्यों में जी-20 से जुड़ी बैठकों का आयोजन किया जाएगा। इसी के तहत अरुणाचल और कश्मीर में भी यह बैठकें रखी गईं। अरुणाचल की राजधानी ईटानगर में मार्च के आखिरी हफ्ते में हुई जी-20 की बैठक से भी चीन दूर रहा था। दरअसल, अरुणाचल को चीन भारत का हिस्सा नहीं मानता है और इसके विरोध में वह मीटिंग में शामिल नहीं हुआ।

**क्या है जी-20 ग्रुप**

यूरोपियन यूनियन मिलकर जी-20 का निर्माण करते है। इसमें 20 देशों के अध्यक्षों की वार्षिक बैठक होती है जिसको जी-20 शिखर सम्मेलन के नाम से जाना जाता है।

इस सम्मेलन में सभी देशों के मुख्य विषय यानी आतंकवाद, आर्थिक परेशानी, ग्लोबल वॉर्मिंग, स्वास्थ्य और अन्य जरूरी मुद्दों पर चर्चा की जाती है। पूरे दुनिया में जितना भी आर्थिक उत्पादन होता है उसमें 80 प्रतिशत योगदान इन्हीं जी-20 देशों का होता है।

## 2024 लोकसभा चुनाव के लिए विपक्ष को सिब्बल की नसीहत

**कहा- भाजपा से मुकाबला करने वाले गठबंधन के केंद्र में कांग्रेस का होना जरूरी**

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को 2024 में बीजेपी से मुकाबला करने वाले गठबंधन के केंद्र में रहना चाहिए। विपक्षी दलों को एक मजबूत गठबंधन बनाने के लिए संवेदनशील होने की जरूरत है। साथ ही एक-दूसरे की विचारधाराओं की आलोचना करने में भी सावधानी बरतनी चाहिए। सिब्बल ने रविवार को न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में ये बातें कहीं।

**विपक्ष से अपनी बात रखने के लिए प्लेटफॉर्म तलाशने को कहा**

कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार का विरोध करने वाली सभी पार्टियों से अपनी बात लोगों तक पहुंचाने के लिए एक प्लेटफॉर्म तलाशने की अनुरोध किया। सिब्बल ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म 'इंसाफ के सिपाही' वेबसाइट भी हो सकती है, जिसे सिब्बल ने केंद्र सरकार के अन्याय से लड़ने के लिए यह प्लेटफॉर्म शुरू किया गया है।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि 2024 के लिए विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व के सवाल का इस स्तर पर जवाब देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने 2004 का उदाहरण भी दिया, जब अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार विपक्ष का पीएम फेस तय न होने के बावजूद लोकसभा चुनाव के बाद सत्ता से बाहर हो गई थी।

**शरद पवार के बयान पर क्या बोले सिब्बल**

इस दौरान कपिल सिब्बल ने गौतम अडानी को लेकर एनसीपी चीफ शरद पवार के दिए बयान पर भी बात की। सिब्बल ने कहा कि अगर आप मुद्दों को कम करते हैं, तो राजनीतिक पार्टियों के बीच आपके मतभेद होंगे।

अगर राहुल गांधी का भारत में क्रोनी कैपिटलिज्म के बारे में कोई नजरिया है तो मुझे लगता है कि शरद पवार भी क्रोनी कैपिटलिज्म से जुड़े मंच के खिलाफ नहीं होंगे। हमें एक ऐसे प्लेटफॉर्म की जरूरत है, जो विपक्ष को एकजुट करने में सहयोग करे।

**शरद पवार को अपना नजरिया शेयर करने का अधिकार है**

सिब्बल ने कहा कि अलग-अलग पार्टियों को अलग-अलग विचार रखने की अनुमति देनी चाहिए।

उसी तरह राहुल गांधी को किसी एक व्यक्ति के बारे में अपने विचार रखने की अनुमति मिलनी चाहिए। शरद पवार को भी अपना नजरिया शेयर करने का अधिकार है। इसे डिसयूनिटी के उदाहरण के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

## महाराष्ट्र सीएम का उद्धव पर निशाना

**कहा- मेरी अयोध्या यात्रा से कई को दर्द, सत्ता के लिए कुछ लोगों ने पिता का वचन ध्यान नहीं रखा**

अयोध्या, 9 अप्रैल (एजेंसिया)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को अयोध्या का दौरा किया। रामलला के दर्शन करने के बाद राम मंदिर के निर्माण कार्यों को देखा। उसके बाद संतों से मुलाकात की। शाम को सरयू आरती में शामिल हुए। करीब 15 मिनट तक आरती करने के बाद सरयू का दुग्धाभिषेक किया। इस दौरान उनके साथ महाराष्ट्र मंत्रिमंडल के नेता और यूपी सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह मौजूद रहे।

**नाम लिए बिना उद्धव ठाकरे पर साधा निशाना**

शिंदे ने अयोध्या में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बिना नाम लिए उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, राम ने पिता को वचन देकर 14 साल का वनवास निभाया। पर कुछ लोगों ने सत्ता की लालच में पिता के वचन का ध्यान नहीं रखा। बाला साहब ने जिन्हें भगाया था, कुछ लोग ने बाद में उन्हीं के साथ मिलकर सरकार बना ली।

>14

## क्यों 9 राज्यों ने सीबीआई की रोक दी 'एंट्री'?

**संसदीय पैनल ने नए कानून का दिया सुझाव**

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। तेलंगाना और मेघालय समेत नौ राज्यों ने चुनिंदा अपराधों की जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को दी गई आम सहमति वापस ले ली है।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा को बताया कि दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान अधिनियम (डीएसपीई एक्ट) की धारा 6 के तहत किसी राज्य की सीमा के भीतर जांच के लिए सीबीआई को संबंधित राज्य सरकार से अनुमति लेनी होगी। सिंह ने बताया कि राज्यों ने कुछ खास तरह के अपराधों और कुछ विशेष श्रेणी के लोगों के खिलाफ जांच के लिए सीबीआई को एक आम सहमति दे रखी थी ताकि वह सीधे केस दर्ज कर जांच कर सके। हालांकि छत्तीसगढ़, झारखंड, केरल, मेघालय, मिजोरम, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल ने सीबीआई को दी गई आम सहमति वापस ले ली है।

गैर-भाजपा शासित राज्यों ने सीबीआई पर विपक्षी नेताओं को चुन-चुनकर निशाना बनाने का आरोप लगाया है। आम सहमति वापस लेने से सीबीआई को उन मामलों की जांच में भी दिक्कत आ सकती है जिनका राष्ट्रीय महत्व है या अंतर-राज्यीय विस्तार है। यह देखना होगा कि सीबीआई इन चुनौतियों का किस प्रकार सामना करती है और प्रभावी ढंग से अपने कर्तव्य का निर्वहन करती है। नौ राज्यों के आम सहमति वापस लेने के बाद डीएसपीई एक्ट,1946 और सीबीआई के अधिकार क्षेत्र तथा अधिकारों की वृहद समीक्षा की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

**संसदीय समिति ने उठाया मुद्दा**

इस साल मार्च में एक संसदीय समिति ने कई राज्यों द्वारा सीबीआई को दी गई आम सहमति वापस लेने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि संघीय जांच एजेंसी को नियंत्रित करने वाले मौजूदा कानूनों की कई सीमाएं हैं। समिति ने सीबीआई के अधिकार और काम के लिए नए सिरे से कानून बनाने का सुझाव दिया है। उसने कहा, समिति महसूस करती है कि दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान अधिनियम की कई सीमाएं हैं और इसलिए, सिफारिश करती है कि एक नया कानून बनाने और सीबीआई की स्थिति, कार्यों और शक्तियों को परिभाषित करने की आवश्यकता है और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायों को निर्धारित करने की भी आवश्यकता है।

सुप्रीम कोर्ट के वकील रुद्र विक्रम सिंह ने कहा कि आम सहमति वापस लेने का मतलब है कि सीबीआई को हर मामले की जांच से पहले नए सिरे से आवेदन करना होगा और सहमति दिए जाने से पहले वह कार्य नहीं कर सकती है।

## आईएनएस विक्रांत को फिर मिली पारंपरिक घंटी

**1961 से 36 वर्षों तक भारतीय नौसेना का हिस्सा रही, फिर रख दी गई थी**

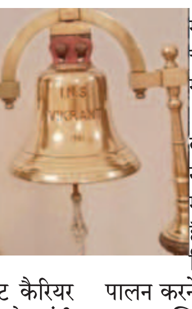

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन नेवी के पहले युद्धपोत आईएनएस विक्रांत पर लगी घंटी उसे वापस मिल गई है। यह घंटी 1961 से 36 वर्षों तक भारतीय नौसेना का हिस्सा थी। अब उसे मेड-इन इंडिया एयरक्राफ्ट कैरियर को वापस कर दिया गया है। घंटी 1961 में पहले आईएनएस विक्रांत पर लगी थी, जब भारत ने ब्रिटिश मूल के विमान वाहक एचएमएस हरक्यूलिस खरीदा और इसे भारतीय नाम दिया।

नेवी अफसरों के अनुसार घंटी पहले आईएनएस विक्रांत पर थी, जो 1997 तक काम करती रही। बाद में घंटी को वहां से हटा दिया गया और नेवी के वाइस चीफ के घर पर इसे रखा गया था।

नेवी अफसरों ने बताया कि परंपरागत रूप से घंटियों ने युद्धपोत पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे नाविकों और विभिन्न कर्तव्यों का पालन करने वाले अधिकारियों और आपात स्थिति के दौरान भी समय का संकेत देने में मदद करती हैं। पिछले महीने 22 मार्च को नेवी के रिटायर वाइस एडमिरल एसएन घोरमाडे ने घंटी को आईएनएस विक्रांत को लौटा दिया। उन्होंने घंटी लौटाने का फैसला इसलिए किया क्योंकि नेवी को अपना पहला 'मेड-इन-इंडिया' स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर मिल गया है।

## कोहिनूर के साथ कई बेशकीमती चीजें ले गए थे अंग्रेज

**पन्ना जड़ा कमरबंद, 222 मोतियों का हार शामिल, प्रिंस चार्ल्स की ताजपोशी से पहले खुलासा**

लंदन, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रिंस चार्ल्स की ताजपोशी से पहले गार्डियन ने 'कॉस्ट ऑफ क्राउन' सीरीज के तहत खुलासा किया गया है कि कोहिनूर के अलावा भी कई बेशकीमती चीजें भारत से लूटी गई थीं। इनमें मूर्तियों, पेंटिंग्स के साथ 19 पन्नों से जड़ा एक सोने का कमरबंद भी था। तत्कालीन पंजाब रियासत के महाराजा रणजीत सिंह के अस्तबल में घोड़ों को सजाने के लिए इसका इस्तेमाल होता था।

1987 में रॉयल ज्वेलरी की स्टडी में लेस्ली फील्ड ने मोतियों की दो कतारों वाले हार का जिक्र किया था। इसमें 222 मोती व हीरों से घिरे माणिक भी थे। दावा है कि ये भी रणजीत सिंह का ही था। वहीं, रणजीत सिंह के सबसे छोटे बेटे दुलीप पर दबाव डालकर पंजाब को हथियाने की बात तो जगजाहिर है ही।

सीरीज में एक पड़ताल का जिक्र है, जिसमें महारानी मैरी (एलिजाबेथ द्वितीय की दादी) के हवाले से उनके शाही गहनों के सोर्स का जिक्र किया गया है। दस्तावेजों के मुताबिक चार बड़े

माणिकों से जड़ा एक हार भी खजाने में है। इसमें 325.5 कैरेट का सबसे बड़ा स्पाइनल माणिक (लचीला और कम वजन वाला) लगा है। इसे 'तैमूर रूबी' भी कहा जाता है।

1969 में बनी बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री रॉयल फैमिली में महारानी एलिजाबेथ इसे संभालती दिखीं। यह बहुत से मुगल शासकों के पास रहा, जब तक कि इसे रानी विक्टोरिया को नहीं भेज दिया गया।

1912 की रिपोर्ट बताती है कि कैसे चार्ल्स के शाही संग्रह में शामिल अनमोल रत्न जीत के प्रतीक के तौर पर भारत से लाए गए और बाद में महारानी विक्टोरिया को दिए गए। जीत के हिस्से के तौर पर कंपनी ने अनगिनत रत्न, कमरबंद और बेशकीमती कोहिनूर लूटा था। ये चीजें अब शाही घराने की संपत्ति है। वहीं, कोहिनूर क्वीन मदर के ताज में लगा है और अपने शाही इतिहास के साथ ब्रिटेन के अत्याचारपूर्ण संबंधों का प्रतीक बन गया है। करीब 5 साल पहले बकिंघम पैलेस को गर्मियों में खोले जाने पर आयोजित प्रदर्शनी में ये सभी चीजें रखी गई थीं। रॉयल कलेक्शन में मौजूद प्रिंस चार्ल्स के पसंदीदा रत्न भी रखे गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटिश शासन के दौरान जिम्मेदार सरकारी विभाग इंडिया ऑफिस के अभिलेखागार की 46 पेज की फाइल के आधार पर ये खुलासा किया गया है।

ब्रिटिश शाही परिवार दुनिया के प्रतिष्ठित परिवारों में से एक है। 74 साल के चार्ल्स को निजी फंड डची ऑफ कॉर्नवाल से सेवाओं के लिए 6,221 करोड़ रुपये मिले हैं। उनके कुल एंगेजमेंट 10,934 रहे। किंग बनने के बाद उन्हें खर्चे के लिए 200 करोड़ रुपये सालाना मिलेंगे।

## मैट्रिमोनियल साइट से ठगी, पुलिस के हत्थे चढे 3 नाइजीरियन

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। आजकल के आधुनिक दौर में मैट्रिमोनियल साइट पर लाइफ पार्टनर चूज करने का ट्रेंड काफी आम हो गया है. लेकिन अब यह साइट ठगी का नया ठिकाना बन रहा हैं। कुछ लोग मैट्रिमोनियल साईट पर फर्जी प्रोफाईल बनाकर लोगों को शादी का झूठा झांसा देकर अलग-अलग बहाने बनाकर पैसे की ठगी कर रहे हैं। ऐसे ही लोगों से ठगी करने वाले एक गिरोह के 3 सदस्यों को साइबर अपराध थाना सेंट्रल ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है।

डीसीपी सेंट्रल पूजा वशिष्ठ ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी में सिनेवेज एंथोनी ओबियोरा, ओबिन्ना यूजीन ओरलुमा व एक भारतीय आरोपी राहुल नारंग शामिल है। आरोपी सिनेवेज एंथोनी ओबियोरा व ओबिन्ना यूजीन ओरलुमा नाइजीरियन है। सभी आरोपी फिलहाल दिल्ली में रह रहे थे। इसी तरह आरोपियो ने मैट्रिमोनियल साईट पर शादी का झांसा देकर फरीदाबाद की निवासी एक महिला से 10 लाख 52 हजार रुपये की ठगी की थी।

पीड़ित महिला की मुलाकात आरोपी आभट वर्मा से भारत मैट्रिमोनी साइट नामक साइट पर हुई थी, जहां पर आरोपी ने अपने आपको लंदन का रहने वाला बताया और उससे दोस्ती कर ली। इसके बाद उसे अपने प्यार के जाल में फंसा लिया।

आरोपी ने मिलने के लिए मुंबई आने के बात कही। कुछ समय बाद आरोपी लड़के ने पीड़िता महिला को फोन करके बताया कि 10 जनवरी 2023 को मुंबई इंडिया आपसे मिलने आ रहा हूं। उसके बाद अगले दिन पीड़ित महिला के पास कई अलग-अलग नम्बरों से कस्टम, इन्कम टैक्स, ईडी और मनी ट्रान्सफर अधिकारी बनकर फोन आने लगे और फ्रॉडकर्ता ने कहा कि मुझे कस्टम अधिकारियों ने मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़ लिया है। क्योंकि मेरे पास कुछ ज्वेलरी औक लंदन करेंसी है।

## पूर्व अकाली विधायक इंद्रबीर अटवाल भाजपा में शामिल

लुधियाना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व स्पीकर चरणजीत सिंह अटवाल के बेटे इंद्रबीर अटवाल ने अकाली दल से इस्तीफा दे दिया है। वे भाजपा में शामिल हो गए हैं। संभावना है कि उन्हें जालंधर की लोकसभा सीट से उपचुनाव का टिकट मिल सकता है। फिलहाल अटवाल के जाने से शिरोमणि अकाली दल को झटका लगा है। उल्लेखनीय है कि पूर्व स्पीकर चरणजीत सिंह अटवाल फिल्लौर विधानसभा से चुनाव लड़ चुके हैं और जीते भी हैं। ये सीट दलित बाहुल्य मानी जाती है। इसलिए जालंधर से भारतीय जनता पार्टी किसी बड़े दलित चेहरे को यहां से उतारने में लगी हुई है।

# अडानी संग शरद पवार की फोटो शेयर कर

## अलका ने बताया था डरे और लालची, अब क्यों देनी पड़ी सफाई

मुंबई, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। अडानी मामले पर सियासी विवाद इस हद तक बढ़ता जा रहा है कि विपक्षी नेताओं के बीच ही मतभेद शुरू हो गए हैं। ऐसा ही कुछ सामने आया शरद पवार के बयान और उसपर कांग्रेस नेता अलका लांबा की प्रतिक्रिया से। अडानी मामले पर शरद पवार ने जेपीसी को लेकर विपक्ष से अलग अपनी राय रखी थी। जिसपर अलका लंबा ने ट्वीट कर उन्हें डरे और लालची लोग बताया था। इस बयान पर जब बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने अलका लांबा को घेरा कि क्या यह कांग्रेस पार्टी का आधिकारिक बयान है? तो अलका लांबा को सफाई देनी पड़ी।

**जेपीसी पर शरद पवार ने क्या कहा था?**

दरअसल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी

(एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा था कि वह अडाणी समूह के खिलाफ आरोपों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच के पूरी तरह से खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट की एक समिति अधिक उपयुक्त और प्रभावी होगी। पवार ने पत्रकारों से कहा कि अगर जेपीसी में 21 सदस्य हैं, तो संसद में संख्या बल के कारण 15 सत्ता पक्ष से और 6 विपक्षी दलों से होंगे, जो समिति पर संदेह पैदा करेगा। पवार ने कहा था कि जेपीसी के बजाय, मेरा विचार है कि सुप्रीम कोर्ट कमेटी ज्यादा उपयुक्त और प्रभावी होगी।

**अलका लांबा ने किया था पवार पर हमला**

शरद पवार के इस बयान के बाद कांग्रेस नेता अलका लांबा ने एक ट्वीट किया। अलका लांबा ने अपने ट्वीट में शरद पवार और उद्योगपति गौतम अडानी की एक तस्वीर शेयर करके लिखा, डरे हुए - लालची लोग ही आज अपने निजी हितों के चलते तानाशाह सत्ता के गुण गा रहे हैं। देश के लोगों की लड़ाई के अकेला राहुल गांधी लड़ रहा है। पूंजीपति चोरों से भी और चोरों को बचाने वाले चौकीदारों से भी।

**बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने किया हमला**

अलका लांबा के शरद पवार पर किए ट्वीट पर बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने हमला करते हुए उनके बयान को रिट्वीट किया और सवाल किया कि क्या यह कांग्रेस का आधिकारिक बयान है? शहजाद ने लिखा, मैं हैरान हूं। क्या यह कांग्रेस का आधिकारिक बयान है। अलका लांबा ने शरद पवार जी पर एक अविश्वसनीय हमला किया है। उन्हें लालची और कायर बताया है। एक महाराष्ट्रीयन के रूप में मैं काफी हैरान हूं।

**शरद पवार पर अलका ने दी सफाई**

जब बीजेपी ने अलका को उनके बयान पर घेरा तो उन्हें सफाई देनी पड़ी। शरद पवार को लेकर अपने ट्वीट पर अलका लांबा ने कहा कि जो भी उन्होंने कहा वह कांग्रेस का आधिकारिक बयान नहीं है। आधिकारिक बयान उनकी पार्टी के सोशल मीडिया अकाउंट से आता है। अलका ने लिखा, मैं एक कांग्रेस कार्यकर्ता हूं, मेरे ट्वीट और मेरे निजी हैंडल पर स्वतंत्र विचार हैं। उनकी जिम्मेदारी और जवाबदेही मेरी है। पार्टी नें लोकतंत्र है और हर किसी को अपने विचार रखने का अधिकार है।

# सीएम शिवराज सिंह चौहान

## मध्यप्रदेश में आपत्तिजनक वेब-सीरीज पर लगा सकते है बैन

भोपाल, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार आने वाले दिनों में आपत्तिजनक वेब-सीरीज पर प्रतिबंध लगा सकती है। इस दिशा में आवश्यक कदम भी बढ़ाए जा सकते हैं। यह संकेत मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिए हैं। राजधानी में चल रहे धार्मिक आयोजन में कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर द्वारा आपत्तिजनक वेब-सीरीज को लेकर कही गई बात पर मुख्यमंत्री चौहान ने कहा, युवा पीढ़ी संस्कृति से विमुख हो रही है। इसके लिए राज्य सरकार आवश्यक कदम उठाएगी। साथ ही नशे पर नियंत्रण के पूरे प्रयास किए जाएंगे।

अभी हाल ही में मध्यप्रदेश में शराब अहाते बंद किए गए हैं, जो इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि महाराज भागवत कथा कह रहे हैं। मैं आजकल लाडली बहना कथा कह रहा हूं। मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेश की जनता की ओर से महाराज जी का स्वागत किया। इसके पूर्व महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि मध्यप्रदेश धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व की भूमि है।

# राहुल गांधी ट्वीट पंक्ति पता दो बिस्किट भेज देंगे

## कोर्ट की 'धमकी' देने वाले हिमंत बिस्व सरमा को कांग्रेस का जवाब

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। असम सीएम हिमंत बिस्व सरमा की राहुल गांधी को 'कोर्ट में देखने' की धमकी पर कांग्रेस ने जवाब दिया है। पार्टी नेता सुप्रिया श्रीनेत ने सरमा को एक ट्वीट में 'अपनी खोखली धमकियां' अपने तक ही रखने की सलाह दी। राहुल गांधी ने कांग्रेस के उन नेताओं के नाम अडानी के साथ जोड़कर ट्वीट किया था, जिन्होंने बगावत कर बीजेपी जॉइन कर ली। कांग्रेस नेता के इस ट्वीट पर बवाल मची है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने राहुल गांधी के पांच नामों वाले ट्वीट पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि यह हमारी शालीनता थी की हमने आपसे बोफोर्स और नेशनल हेराल्ड पर नहीं पूछा कि आपने घोटालों से अपराध की आय कहां छुपाया है। इसी के साथ उन्होंने कहा कि 'कोई नहीं हम आपसे कोर्ट में मिलेंगे।'

**हिमंत सरमा के ट्वीट का दिया जवाब**

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने ट्वीट में कहा कि हिमंत 'लुइज

बर्गर' सरमा अपनी खोखली धमकियां अपने पास रखिए... और अपना पता भेज दीजिए हम आपका पसंदीदा बिस्किट कुरियर कर देते हैं। उन्होंने इस तरह का जवाब हिमंत सरमा के ही एक बयान पर दिया, जिसमें उन्होंने बीजेपी जॉइन करने से पहले राहुल गांधी के साथ आखिरी मुलाकात को याद किया था। हिमंत सरमा 2015 में राहुल गांधी से आखिरी बार मिलने पहुंचे थे, जहां पार्टी के और भी कई नेता मौजूद थे। सरमा ने दावा किया था कि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने उसी थाली में बिस्किट खाया, जहां से राहुल गांधी का कुत्ता पिडी भी बिस्किट खा रहा था। राहुल गांधी नेताओं की बात सुने बिना अपने कुत्ते के साथ खेल रहे थे।

**गुलाम, सिंधिया, किरण, हिमंत, अनिल**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को एक विस्फोटक ट्वीट किया था। उन्होंने एक ग्राफिक्स साझा की जिसमें पांच अक्षरों वाले 'अडानी' के नाम के साथ गुलाम, सिंधिया, किरण, हिमंत और अनिल लिखा। मसलन, गुलाम नबी आजाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरण रेड्डी, हिमंत बिस्व सरमा और अनिल एंटनी कांग्रेस छोड़ चुके हैं। इनमें सिंधिया केंद्र में एविएशन मिनिस्टर हैं और हिमंत सरमा असम के सीएम और बीजेपी के उत्तर पूर्व में ब्रांड नेता बने हुए हैं।

## लोकायुक्त को जिसकी थी तलाश, वह चौराहे पर जलता हुआ दौड़ता आया, इलाज के दौरान मौत

उज्जैन, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। उज्जैन में रात को चामुंडा माता चौराहे पर एक युवक जलता हुआ आया। वह शोर मचा रहा था कि 'मुझे बचा लो अस्पताल ले चलो। मुझे पुलिस ने जला दिया है।' युवक को जलता देख तुरंत कुछ लोगों ने आनन-फानन पानी डालकर आग बुझाई। फिर अस्पताल पहुंचाया। इस घटना का वीडियो वायरल होते ही सनसनी मच गई। 90 प्रतिशत जली हालत में उसे इंदौर रैफर किया गया था। रविवार सुबह उसकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूरा मामला थाना कोतवाली क्षेत्र का है। नगर निगम के जोन क्रमांक दो के पीछे सड़क किनारे बने सार्वजनिक शौचालय से आसिफ पिता यासीम खान शनिवार रात को शौचालय से जलता हुआ निकला था। उसने बीच सड़क पर आकर मदद की गुहार लगाई। एडिशनल एसपी अभिषेक आनंद ने बताया कि युवक के साथ आगजनी की घटना गंभीर है।

## अमेठी पाने व रायबरेली बचाने को बढ़ी राहुल-प्रियंका की बेचैनी

# 2024 को लेकर माहौल बनाने में जुटी कांग्रेस

अमेठी, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेठी लंबे समय तक कांग्रेस का गढ़ रहा है। 2024 का चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहा है। अमेठी पाने व रायबरेली बचाने को लेकर कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी प्रियंका वाड्रा के साथ ही राहुल गांधी व कांग्रेस की बेचैनी बढ़ने लगी है। दोनों ही सीटों पर कांग्रेस ने चुपचाप अपना होमवर्क भी शुरू कर दिया है। अब से लेकर आम चुनाव तक की पूरी रणनीति के साथ जिम्मेदारी भी तय कर दी गई है। इसी के साथ गांव-गांव माहौल बनाने का काम भी शुरू हो गया है।

**जमीनी हकीकत जानने में जुटी कांग्रेस की टीमें**

अमेठी-रायबरेली में कांग्रेस की टीमें जमीनी हकीकत जानने के काम में लगी हुई हैं। कांग्रेस हाई कमान भी बदले हुए हालात से पूरी तरह से वाकिब है। अमेठी में 2019 में राहुल गांधी की हार व उसके बाद 2022 विधान सभा चुनाव में अमेठी के साथ ही रायबरेली की सभी 10 सीटों के हाथ से निकल जाने के बाद अब परिवार यहां फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। आम चुनाव 2024 में उतरने से पहले वह इन दोनों सीटों का समीकरण अपने अनुकूल दुरुस्त करने की कोशिश में है।

**मेरा घर-राहुल का घर का चलाया कैंपेन**

कांग्रेस अमेठी-रायबरेली में लोगों के बीच यह जताने की कोशिश कर रही है कि गांधी परिवार के साथ सरकार लगातार ज्यादती कर रही है। राहुल गांधी की संसद सदस्यता छिनने के बाद उनके सरकारी आवास को खाली करने की नोटिस पर यहां मेरा घर-राहुल का घर कैंपेन पूरे जोर-शोर से चलाया गया।

**राजेश तिवारी व अजय राय को मिली जिम्मेदारी**

राहुल-प्रियंका चाहकर भी अमेठी-रायबरेली में पूरा समय नहीं दे सकते हैं। ऐसे में कांग्रेस ने यहां पहले से उनका काम देखने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सलाहकार राजेश तिवारी व प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय को लगाया है। दोनों ही यहां सक्रिय हो गए हैं।

**प्रियंका अमेठी, राहुल रायबरेली से संभाल सकते हैं मैदान**

कांग्रेस को पूरा भरोसा है कि राहुल गांधी को कोर्ट से राहत मिल जाएगी। गांधी परिवार से जुड़े लोगों की माने तो वह सोनिया गांधी के चुनाव मैदान में नहीं उतने की स्थिति में रायबरेली से मैदान में होंगे। प्रियंका को अमेठी से उतारने की बात चल रही है। अमेठी-रायबरेली सीट परिवार हर हाल में अपने पास रखना चाहता है।

**कभी भी आ सकते हैं राहुल-प्रियंका**

कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप सिंघल कहते हैं कि अमेठी-रायबरेली सीट परिवार अपने पास ही रखेगा। राहुल भइया व प्रियंका दीदी को पहले ही यहां आना था, लेकिन हर दिन बदलते घटनाक्रम के चलते वह नहीं आ पाए। कभी भी वह यहां आ सकते हैं। अमेठी हमेशा कांग्रेस की रही है और आगे भी रहेगी।

## 34 हत्या करने वाले सीरियल किलर को दो साल की जेल

भोपाल, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। 34 हत्याओं के आरोपी कुख्यात सीरियल किलर आदेश खामरा समेत चार आरोपियों को कोर्ट ने ट्रक चोरी के एक मामले में सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आदेश व जयकरण को तीन-तीन साल सश्रम कारावास और आरोपी सुनील खटीक व बलजिंदर उर्फ साहब सिंह को दो-दो वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। सभी आरोपियों पर कोर्ट ने पांच-पांच हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। आरोपियों को अपर सत्र न्याायाधीश (विशेष न्यायालय) जयंत शर्मा ने सजा सुनाई। शिकायतकर्ता प्रतोष गुप्ता ने 6 जनवरी 2018 को बिलखिरिया थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनका ट्रक बैंगलोर से पत्थर लेकर भोपाल आया था। ड्राइवर कल्याण सिंह ने ट्रक खाली करके 3 जनवरी 2018 को मोहन मधुवन ढाबा बायपास पर खड़ा किया। ड्राइवर क्लीनर सतीश कुमार पठारिया को छोड़ कर उनको हिसाब देने उनके ऑफिस आया था। ट्रक पर क्लीनर सतीश कुमार पठारिया को छोड़ दिया था। दो दिन बाद ड्राइवर कल्याण सिंह गाड़ी के पास पहुंचा तो गाड़ी और क्लीनर दोनों नहीं थे। इस मामले में पुलिस ने जांच के बाद आरोपी बलजिन्दर उर्फ साहब सिंह तथा सुनील खटीक के कब्जे से क्लीनर सतीश पठारिया का लर्निंग लाइसेंस और आधार कार्ड जब्त किया था।

## परिवहन मंत्री दयाशंकर के बाद अब राजा भैया दे सकते हैं पत्नी भानवी को तलाक

लखनऊ, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और उनकी पत्नी पूर्व राज्यमंत्री स्वाति सिंह के तलाक के बाद अब जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के अध्यक्ष एवं कुंडा के विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया और उनकी पत्नी भानवी कुमारी के बीच तलाक की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। बताया जा रहा है कि राजा भैया ने पत्नी से तलाक लेने को लेकर दिल्ली के साकेत पारिवारिक न्यायालय में अर्जी भी दे दी है। वहीं यह भी बताया जा रहा है कि यह अर्जी करीब दो साल पहले ही दी गई थी। सूत्रों का कहना है कि दोनों के बीच पिछले कई दिनों से अनबन चल रही है। बता दें कि हाल में ही भानवी कुमारी द्वारा राजा भैया के करीबी अक्षय प्रताप सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी की एफआईआर कराने पर पति और पत्नी के बीच अनबन होने का मामला पहली बार सामने आया था। अब राजा भैया द्वारा कोर्ट में तलाक लेने की अर्जी देने की चर्चा जोरों पर है। यह भी कहा जा रहा है कि राजा भैया द्वारा कोर्ट में दाखिल तलाक की अर्जी में पत्नी भानवी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। राजा द्वारा अर्जी में पत्नी के खिलाफ परिजनों को अपमानित करने और बच्चों की परवरिश में उदासीनता बरतने जैसे कई आरोप लगाए जाने की बात कही जा रही है। हालांकि इस संबंध में कोई मुंह खोलने को तैयार नहीं है। बता दें कि राजा भैया का विवाह करीब 27 साल पहले हुआ था। उनके चार बच्चे हैं। जिनमें दो बड़ी बेटियां और दो जुड़वां लड़के हैं।

## 26 अप्रैल को हो सकता है एमसीडी मेयर पद का चुनाव

# शैली ओबेरॉय ने भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली नगर निगम की निवर्तमान मेयर शैली ओबेरॉय ने एमसीडी मेयर चुनाव कराने के लिए 26 अप्रैल का प्रस्ताव रखा है। शैली ओबेरॉय प्रस्ताव के मुताबिक एमसीडी का चुनाव 26 अप्रैल को हो सकता है। हालांकि, इस प्रस्ताव पर अभी एलजी विनय सक्सेना से मंजूरी? ज़ूरी मिलनी बाकी है। बता दें कि 31 मार्च 2023 को वर्तमान मेयर का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। आप विधायक और दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि अप्रैल में मेयर का चुनाव कराना जरूरी होता है। यही वजह है कि नये मेयर का चुनाव कराने के लिए 26 अप्रैल 2023 की तिथि तय हुई है। अब इसका प्रस्ताव एलजी विनय सक्सेना के पास भेजा जाएगा। मुझे उम्मीद है कि इस बार चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त होगा। दिल्ली राजनिवास का कार्यालय नियम और कानूनों का पालन सुनिश्चित करेंगे। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पिछली बार सदन में नियमों से परे जाकर मेयर चुनाव कराने की कोशिश हुई। एल्डरमैन काउंसलर्स से संविधान के खिलाफ वोट डलवाने की कोशिश हुई। विवाद की वजह से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा था। शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप के बाद चौथी बार में मेयर का चुनाव संपन्न हो पाया था।

**स्टैंडिंग कमेटी सदस्यों का कब होगा चुनाव**

बता दें कि एमसीडी मेयर चुनाव पिछली बार काफी विवादित रहा। विवादों के बावजूद मेयर डिप्टी मेयर का चुनाव तो हो गया। दूसरी बार भी आगामी दिनों में हो जाएगा, लेकिन एमसीडी स्टैंडिंग कमेटी का चुनाव अभी तक नहीं हो पाया है। 24 अप्रैल को दिल्ली हाईकोर्ट में इस मसले पर सुनवाई होगी। उसी के बाद तय होगा कि स्टैंडिंग कमेटी के सदस्यों का चुनाव नये सिरे से होगा या फिर पुराने मतदान के आधार पर ही सदस्यों का चुनाव संपन्न होगा। फिलहाल, इस मसले पर सभी को दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले का इंतजार है।

# फ्रॉड का आरोपी बना अध्यात्म गुरु

## जमानत पर बाहर आया आरोपी दे रहा प्रवचन तीन हजार करोड़ का किया था घपला

हिसार, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। फ्यूचर मेकर कंपनी का सीएमडी राधेश्याम जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद अध्यात्म गुरु बन गया है। सोशल मीडिया पर लोगो को उसके ज्ञान बांटने के कई वीडियो सामने आए हैं। राधेश्याम और उसकी कंपनी से जुड़े कई लोगों पर 3 हजार करोड़ रुपये के फ्रॉड के अलग-अलग राज्यों में केस दर्ज हैं। राधेश्याम चार साल के बाद जनवरी में हाई कोर्ट से जमानत मिलने पर जेल से बाहर आया था। उसके बाद वह गुप्त स्थान पर चला गया। इसके बाद इसने सोशल मीडिया पर परमधाम का अकाउंट बनाया है जिससे लोग जुड़ रहे हैं। जानकारी के अनुसार 2018 में फ्यूचर मेकर कंपनी में निवेश के नाम पर करीब 3 हजार का फ्रॉड करने का मामला सामने आया था। हरियाणा, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र, तेलंगाना, हिमाचल, दिल्ली, राजस्थान में करीब 50 एफआईआर दर्ज हैं। मामले में 21 आरोपी पकड़े जा चुके हैं। 10 कोर्ट से भगौड़े घोषित हैं। फ्यूचर मेकर के सॉफ्टवेयर मैनेजर की ईडी ने 81।70 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की थी। जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें आरोपी राधेश्याम कह रहा है-मोह माया, क्या है? दुखी मन से मरोगे तो दुखी घर में जन्म लोगे। परमात्मा ने जो दिया है, उसी को दे दो।

# साइबर फ्रॉड में पत्नी ने गंवाए 1.5 लाख

## पति ने फोन पर कहा- तलाक, तलाक, तलाक

भुवनेश्वर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के केन्द्रापड़ा से तीन तलाक का मामला सामने आया है। यहां एक 45 साल के शख्स ने अपनी पत्नी को इसलिए ट्रिपल तलाक दे दिया क्योंकि वह साइबर फ्रॉड में 1.50 लाख रुपये हार गई थी। हालांकि, पुलिस ने उसकी पत्नी की शिकायत पर शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बता दें कि भारत में 2017 से तीन तलाक पर बैन लगा हुआ है। जानकारी के मुताबिक, केन्द्रापड़ा की रहने वाली 32 साल की मुस्लिम महिला ने शुक्रवार को अपने पति के खिलाफ इस मामले में शिकायत दर्ज कराई। अपनी शिकायत में महिला ने बताया कि उसके पति ने 1 अप्रैल को उसे फोन पर तीन तलाक दिया था। महिला ने बताया कि उसका पति गुजरात में रहता है। जब उसे यह बात पता लगी कि मैं साइबर फ्रॉड के चक्कर में 1.5 लाख रुपये गंवा चुकी हूं तो उसने वहीं से फोन पर मुझे तीन तलाक दे दिया।

**तीन बच्चों की मां को पति ने दिया तीन तलाक**

महिला तीन बच्चों की मां है। 15 साल पहले उसकी

शादी हुई थी। मामले की जानकारी देते हुए केंद्रपाड़ा सदर पुलिस स्टेशन के इंसपेक्टर सरोज कुमार साहू ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को तीन साल तक की जेल की सजा हो सकती है। साहू ने कहा कि महिला ने कहा कि उसे दहेज से संबंधित प्रताड़ना का भी सामना करना पड़ा, इसलिए उसके पति के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं और दहेज रोकथाम अधिनियम के तहत भी मामले भी दर्ज किए गए हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 2017 में तीन तलाक पर बैन लगा दिया था।

# कोरोना का घटा आंकड़ा, 24 घंटे में आए 5357 नए केस

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में कोरोना वायरस के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले दो दिनों कोरोना के छह हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए थे। वहीं रविवार को 5 हजार 357 नए केस दर्ज किए गए। इसी के साथ अब कोरोना के कुल एक्टिव मामलों की संख्या 32 हजार 814 हो गई है। इसके साथ ही पॉजिटिविटी रेट 3.39 प्रतिशत हो गया है। केंद्र सरकार इन आंकड़ों पर लगातार नजर बनाए हुए है और राज्यों को सावधानी बरतने के निर्देश जारी किए हैं। कोरोना के सब-वेरिएंट्स भी खतरनाक साबित हो रहे हैं। इस स्थिति में देश के अलग-अलग राज्य कोरोना वायरस के प्रभावों को देखते हुए कदम उठा रहे हैं। इस कड़ी में कई राज्यों में एक बार फिर से मास्क लगाना

अनिवार्य कर दिया गया है। वहीं कई राज्य ऐसे हैं जहां लोगों से सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। पिछले हफ्ते स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने भी सभी राज्यों को कोरोना को लेकर सतर्क रहने की अपील की थी।

**लोगों को बूस्टर शॉट लेने के सुझाव**

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्वास्थ्य विभाग की ओर से अस्पतालों में पॉलीक्लिनिक परीक्षण बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। लोगों को कोविड से सावधानी बरतने और टीकों के बूस्टर शॉट लेने के सुझाव दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी हवाई अड्डों पर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की स्क्रीनिंग किए जाने के कड़े निर्देश दिए हैं। निर्देशानुसार कोविड पॉजिटिव पाए जाने वाले सभी नमूनों को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजा जाना होगा।

**हरियाणा-पुडुचेरी में सार्वजनिक स्थानों पर मास्क अनिवार्य**

कोरोना की बढ़ती संक्रमण दर को देखते हुए हरियाणा सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों से कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं केरल में गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए भी मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। पुडुचेरी में भी सार्वजनिक स्थानों पर मास्क अनिवार्य कर दिया गया है। अस्पताल, होटल, रेस्तरां, शराब की दुकानों में काम करने वाले कर्मचारियों के साथ-साथ सभी व्यवसायिक स्थानों पर मास्क पहनने के आदेश हैं।

**जीनोम परीक्षण में तेजी लाने के आदेश**

बीते दिनों स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने एक बैठक के दौरान जीनोम परीक्षण में तेजी लाने के आदेश और अस्पतालों में मॉक ड्रिल आयोजित करने का भी निर्देश दिया था। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एक्सबीबी1.16 के सब-वेरिएंट की वजह से कोराना के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि यह बहुत खतरनाक नहीं है। वहीं मीडिया रिपोर्टस की मानें तो 10 और 11 अप्रैल को सार्वजनिक और निजी अस्पतालों की आपातकालीन तैयारियों का आकलन करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री का दावा है कि सरकार वायरस से निपटने के लिए हर तरह से तैयार है। उनका कहना है कि अस्पतालों में भी तमाम सुवाधाएं पर्याप्त रूप से मौजूद हैं जिनकी हर सप्ताह समीक्षा की जा रही है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 10 अप्रैल, 2023 3

# मेरा हैदराबाद

सुविचार

अगर कुछ गलत हो रहा है तो, उससे भागने की बजाए उसे, ठीक करे तभी आगे बढ़ पाएंगे!

## देश को बचाने के लिए भाजपा विरोधी राजनीतिक मोर्चा समय की जरूरत : डॉ. नारायण

**नारायण ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा कि क्या उनमें इतनी हिम्मत और साहस है कि वे गुजरात के शिपयार्ड पर छापा मारने का आदेश दें, जहां लाखों करोड़ रुपये की मादक पदार्थों की तस्करी हो रही थी।**

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राष्ट्रीय सचिव डॉ. के. नारायण ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा कि क्या उनमें इतनी हिम्मत और साहस है कि वे गुजरात के शिपयार्ड पर छापा मारने का आदेश दें, जहां लाखों करोड़ रुपये की मादक पदार्थों की तस्करी हो रही थी। आज यहां प्रदर्शनी मैदान में कम्युनिस्ट पार्टियों की संयुक्त बैठक में बोलते हुए डॉ. नारायण ने आरोप लगाया कि गुजरात के शिपयार्ड से मादक पदार्थों की तस्करी हो रही थी। उन्होंने यह भी कहा कि अगर गुजरात शिपयार्ड पर अभी छापेमारी की जाए तो हजारों करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की जा सकती है। भाकपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सावरकर और गोडसे से आए हैं और देश को एक बार फिर से तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। डॉ. नारायण ने यह भी आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी ने चुनाव आयोग, न्यायपालिका और सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय जैसी जांच एजेंसियों को अपनी मुट्ठी में रखा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी शासन के दौरान कई लाख करोड़ के काले धन को सफेद कर दिया गया।

भाकपा नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भारतीय संविधान को गंभीर खतरे की आशंका जताते हुए कहा कि देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को बचाने के लिए भाजपा विरोधी मोर्चे के गठन की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कम्युनिस्ट पार्टियों के बीच वैचारिक मतभेदों और संघर्षों से अधिक, सामूहिक झगड़े बड़े पैमाने पर होते हैं। उन्होंने सभी वाम दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं से इस तरह के खतरनाक अभ्यास को छोड़ने और देश विरोधी ताकतों से एकजुट होकर लड़ने के लिए हाथ मिलाने का आह्वान किया।

## सीआरबी व सीईओ, रेलवे बोर्ड ने 'कवच' के लाइव प्रदर्शन में भाग लिया

### इरिसेट में 'कवच' उत्कृष्टता केंद्र की भी समीक्षा की

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अध्यक्ष और सीईओ, रेलवे बोर्ड ने अनिल कुमार लाहोटी ने 'कवच' के कामकाज का निरीक्षण किया। कवच अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा विकसित एक स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है। दक्षिण मध्य रेलवे स्थापना के समय से ही इसके विकास, इसके परीक्षणों को सुविधाजनक बनाने और इसके रेल नेटवर्क पर व्यापक रूप से कवच की तैनाती के साथ जुड़ा हुआ है। आज, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ ने लिंगमपल्ली और चिटगिड्डा स्टेशनों के बीच कवच के प्रत्यक्ष प्रदर्शन में भाग लिया। अनिल कुमार लाहोटी ने लोकोमोटिव में से एक में यात्रा की, जो कवच सिस्टम से लैस हैं और उन्होंने देखा कि कैसे लूप लाइन से गुजरते समय कवच प्रणाली स्वचालित रूप से ट्रेन की गति को नियंत्रित करती है, कैसे ट्रेन समपार फाटकों से गुजरते समय स्वचालित रूप से सीटी बजाती है और सिस्टम ट्रेन को

सिग्नल एट डेंजर (एसपीएडी) पास करने से कैसे रोकता है। महत्वपूर्ण रूप से, उन्होंने यह भी देखा कि कैसे रोलिंग स्टॉक पर कवच सिस्टम ट्रेन की टक्करों से बचने में मदद करता है-या तो पीछे की टक्कर या आमने-सामने की टक्कर-सिस्टम मानव हस्तक्षेप की आवश्यकता के बिना स्वचालित रूप से ब्रेक लगाता है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ ने इरिसेट (इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ सिग्नल इंजीनियरिंग एंड टेलीकम्युनिकेशन) में स्थापित कवच के लिए उत्कृष्टता केंद्र के कामकाज की भी समीक्षा की। उन्होंने कवच की सभी उप-प्रणालियों के कामकाज की समीक्षा की और बताया कि यह कैसे ट्रेन संचालन को सुरक्षित बनाने में मदद करती है। कवच के कामकाज के सभी पहलुओं को शामिल करते हुए अध्यक्ष के लिए एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। कवच भारत के प्रधान मंत्री की "आत्मानबीर भारत" की पहल को आगे बढ़ाने में भारतीय रेलवे द्वारा उठाए गए प्रमुख कदमों में से एक है। दक्षिण मध्य रेलवे 1,465 आरकेएम में कवच को पहले ही चालू करके अपने रेल नेटवर्क में इसकी तैनाती में अग्रणी रहा है। इसे नागरसोल-नांदेड़-धर्माबाद-निजामाबाद-सिकंदराबाद-कुर्नूल सिटी- दोन-गुंतकल खंड के साथ 959 आरकेएम, परभणी-परली वैजनाथ-लातूर रोड-बीदर-विकाराबाद खंड के साथ-साथ 331 मार्ग किमी और वाडी-विकाराबाद-सनतनगर खंड के साथ-साथ 175 किमी मार्ग पर तैनात किया गया है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ अनिल कुमार लाहोटी के साथ अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे और उनकी टीम (जोनल मुख्यालय और मंडल दोनों के अधिकारियों और कर्मचारियों की) इरिसेट में सीओई के निरीक्षण और समीक्षा दोनों के दौरान। सुधीर कुमार, महानिदेशक, इरिसेट ने अपनी टीम के साथ सीओई के बारे में अध्यक्ष और सीईओ को विस्तृत प्रस्तुति दी।

## किशन ने केंद्रीय पीडीएस मंत्री से राज्य से 15 लाख मीट्रिक टन हल्का चावल खरीदने का आग्रह किया

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज अपने कैबिनेट सहयोगी और केंद्रीय सार्वजनिक वितरण प्रणाली मंत्री पीयूष गोयल को एक पत्र लिखा और उनसे तेलंगाना राज्य से खरीफ के मौसम में 15 लाख मीट्रिक टन उसना चावल खरीदने का आग्रह किया। अपने पत्र में, किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्र में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी सरकार देश के किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और कहा कि यह उनके कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए बहुत मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हमेशा तेलंगाना राज्य के किसानों की मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015-16 में केंद्र सरकार

के धान खरीद कार्यक्रम से कुल 5.35 लाख किसान लाभान्वित हुए थे और वर्ष 2022 में योजना से लाभान्वित होने वाले किसानों की संख्या 20 लाख हो गई थी। उन्होंने पीयूष गोयल से खरीफ विपणन सीजन को ध्यान में रखते हुए चावल की खरीद के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।

## 8 छात्रों का शैक्षणिक सत्र खराब होने पर स्कूल प्रिंसिपल गिरफ्तार

संगारेड्डी, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक निजी स्कूल की मान्यता को नवीनीकृत करने में लापरवाही का अंत 10वीं कक्षा के आठ छात्रों के 10वीं कक्षा की परीक्षाओं में बैठने में असमर्थ होने और एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक वर्ष गंवाने के साथ हुआ है। माता-पिता के पुलिस के पास पहुंचने पर मामला दर्ज किया गया और स्कूल के प्रिंसिपल को गिरफ्तार कर लिया गया। जहीराबादशहर में स्थित ऑक्सफोर्ड हाई स्कूल दो साल पहले कक्षा 10 बोर्ड के साथ अपनी मान्यता को नवीनीकृत करने में विफल रहा था। हालाँकि, स्कूल के प्रबंधन ने छात्रों को कक्षा 10 में प्रवेश दिया। माता-पिता ने ट्यूशन शुल्क और परीक्षा शुल्क का भुगतान करने के बावजूद, स्कूल प्रबंधन उन्हें हॉल टिकट नहीं दे सका क्योंकि स्कूल के पास उनके नाम पर ट्यूशन शुल्क का भुगतान करने का कोई मौका नहीं था। छह में

से चार परीक्षाएं शनिवार तक पूरी हो जाने के बावजूद प्रबंधन हॉल टिकट जारी नहीं कर सका। एक शैक्षणिक वर्ष के नुकसान से टूट गए, छात्रों ने अपने माता-पिता के साथ शनिवार को जिला शिक्षा अधिकारी के साथ शिकायत दर्ज करने के अलावा जहीराबाद पुलिस से संपर्क किया।

प्रभारी डीईओ विजया ने छात्रों का विवरण एकत्र करने के बाद पाया कि स्कूल को 10वीं कक्षा की शिक्षा देने के लिए बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं थी. डीईओ ने पूरे मामले पर तेलंगाना स्टेट बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन को विस्तृत रिपोर्ट भेजी है। अधिकारियों ने कहा कि छात्रों को बाकी दो परीक्षाएं भी लिखने की अनुमति नहीं मिल सकती है। इस बीच जहीराबाद पुलिस ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला भी दर्ज किया है। माता-पिता में से एक ने कहा कि उनसे 25,000 रुपये शिक्षण शुल्क और 1,000 रुपये परीक्षा शुल्क के रूप में प्रबंधन को दिए गए। इसके बाद पुलिस ने स्कूल की प्रिंसिपल इंदिरा को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे रिमांड पर लिया गया है. आगे की पूछताछ पुलिस और शिक्षा विभाग दोनों द्वारा की जा रही है।

## बीसी नेताओं व सांसदों ने उपराष्ट्रपति से मुलाकात की

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी नेता और राज्यसभा सांसद आर कृष्णय्या सहित चार सांसदों ने आज देश के अन्य बीसी नेताओं के साथ उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की और उनके हस्तक्षेप की मांग की। शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक क्षेत्र में देश के पिछड़े वर्गों को समान हिस्सेदारी के लिए न्याय। कृष्णय्या के साथ आने वाले तीन अन्य सांसद बीदा मस्थान राव, पिल्ली सुभाष चंद्र बोस, गोरंतला माधव हैं। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने उप राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा।

एक बयान में, आर. कृष्णय्या ने कहा कि उन्होंने उपराष्ट्रपति को बताया कि बीसी समुदाय के लोगों को स्वतंत्र भारत के पिछले 75 वर्षों में उनकी आबादी के अनुपात में हिस्सा नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा कि बीसी को देश के रोजगार, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में न्यूनतम प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया। यह कहते हुए कि बीसी देश में धन पैदा कर रहे हैं, कृष्णय्या ने कहा कि उनके पास उनके द्वारा बनाई गई संपत्ति का आनंद लेने का अधिकार और अवसर नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि देश के वार्षिक बजट में बीसी का हिस्सा तक नहीं है। उन्होंने कहा कि हालांकि पिछड़े वर्ग हर चुनाव में वोट डाल रहे हैं, लेकिन उन्हें उनके हिस्से से वंचित किया जा रहा है। यह कहते हुए कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहां सभी समुदायों और सामाजिक समूहों को उनकी जनसंख्या के आधार पर हिस्सा दिया जाता है, उन्होंने कहा कि समान मात्रा में हिस्सेदारी के वितरण से देश में एकता और अखंडता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में बीसी की सही हिस्सेदारी का पता लगाने के लिए एक और अध्ययन करने की आवश्यकता है और कहा कि उन्हें अपना हिस्सा प्रदान करने का समय आ गया है। केंद्र सरकार के हालिया आंकड़ों का जिक्र करते हुए कि बीसी नेताओं का प्रतिनिधित्व 14 प्रतिशत से अधिक नहीं था, कृष्णय्या ने कहा कि आंकड़े देश के बीसी नेताओं के साथ हुए अन्याय को उजागर करने के लिए एक सबूत थे। कृष्णैया ने कहा कि उपराष्ट्रपति ने बीसी को समान हिस्सा देने की प्रक्रिया शुरू होने की बात कहते हुए उन्हें पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का वादा किया।

## यादाद्री मंदिर पर ड्रोन उड़ाने के आरोप में हैदराबाद से दो गिरफ्तार

यादाद्री-भोंगिर, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्री श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के फुटेज लेने के लिए ड्रोन कैमरों का उपयोग करने के आरोप में यादगरीगुट्टा पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में हैदराबाद के सरूरनगर के रहने वाले नक्काला साई कुमार और यरलागड्डा मनीष कुमार शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, मंदिर के अधिकारियों ने शुक्रवार शाम सात बजे मंदिर के ऊपर ड्रोन उड़ता देखा और कर्मचारियों को इसकी जानकारी दी। विशेष सुरक्षा बल के जवानों ने मंदिर के कर्मचारियों की मदद से ड्रोन का इस्तेमाल करने वाले लोगों की तलाश की और उन्हें बस अड्डे के पास से पहाड़ी मंदिर पर पकड़ा। मंदिर के अधिकारियों द्वारा सतर्क किए जाने पर यादगिरिगुट्टा पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। मंदिर के उप कार्यकारी अधिकारी की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया और पहाड़ी मंदिर और मंदिर को फिल्माने के पीछे दोनों के मकसद की पुष्टि कर रही है। 31 मार्च को, पुलिस ने ड्रोन कैमरे से मंदिर का वीडियो बनाने के आरोप में हैदराबाद से दो किशोरों को गिरफ्तार किया है। 10 दिनों के भीतर मंदिर के ऊपर से ड्रोन उड़ाए जाने की दूसरी घटना ने सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा दिया है। आगम शास्त्र के अनुसार यदाद्री मंदिर के ऊपर से ड्रोन उड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

## पेटबशीराबाद में सड़क दुर्घटना में दो की गई जान

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पेटबशीराबाद में शनिवार रात एक डीसीएम और कार की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, कोमपल्ली से आ रही एक कार मेडचलकी ओर जा रही थी और सड़क पर खड़ी डीसीएम में जा घुसी। कार सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा तड़के तीन बजे के करीब हुआ। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कार से बाहर निकालकर गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। केस दर्ज है।

## हादसे में युवक की मौत

यदाद्री-भोंगिर, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के राजापेट मंडल के अंबेडकर नगर के एक युवक के वामशी की रविवार सुबह मेडचल जिले के चिरयाल में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त घायल हो गया। पीड़ित के परिवार के सदस्यों के अनुसार, वामशी और उसका दोस्त बी सुमन एक मोटरसाइकिल पर यात्रा कर रहे थे, जो नियंत्रण से बाहर हो गई और चिरयाल में एक पुलिया से जा टकराई। वामशी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल सुमन को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

## तेलंगाना की धरती से बीजेपी को भगाएंगे, सीपीएम के वीरभद्रम का संकल्प

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम के राज्य सचिव तम्मिनेनी वीरभद्रम ने आज कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं की मौजूदगी के बिना दुनिया का कोई भविष्य नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया अब कम्युनिस्ट नेताओं के लाल झंडे की ओर देख रही है।

आज यहां प्रदर्शनी मैदान में सीपीएम और सीपीआई पार्टियों की एक संयुक्त बैठक का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, वीरभद्रम ने कहा कि दो प्रमुख वाम दलों ने दुनिया को एक आशा देने के लिए एक साथ काम करने का फैसला किया है। अक्सर वाम दलों के अस्तित्व और भविष्य पर सवाल उठाने वाले आलोचकों पर निशाना साधते हुए सीपीएम नेता ने आलोचकों से पूछा कि क्या कम्युनिस्टों के बिना उनका भविष्य है? उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के लिए संघर्ष के दौरान कम्युनिस्टों ने भारत को स्वतंत्रता का प्रस्ताव दिया था न कि कांग्रेस पार्टी ने।

राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को उनके बार-बार दोहराए जाने वाले नारे 'वन नेशन वन टैक्स' पर निशाना साधते हुए, उन्होंने मोदी से पूछा कि वह पूरे देश के लिए एक समुदाय की बात क्यों नहीं कर रहे हैं? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा और उसका दक्षिणपंथी संगठन आरएसएस देश में चर्चित चार तरह की सामुदायिक व्यवस्था को देखने के लिए हमेशा तरसता रहेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री के बीसी दर्जे का जिक्र करते हुए मोदी से पूछा कि वे बीसी के उत्थान के लिए क्या कर रहे हैं? उन्होंने प्रधानमंत्री से पूछा कि विपक्षी राजनीतिक दलों के बार-बार मांग करने के बावजूद वे जातीय जनगणना क्यों नहीं करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कम्युनिस्ट थे, जिन्होंने देश में बिजली व्यवस्था के विकेंद्रीकरण का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने कहा कि वे तेलंगाना में भाजपा के साथ हाथ नहीं मिलाएंगे, भले ही उन्हें 50 विधायक सीटों की पेशकश की गई हो और कहा कि वे भाजपा को राज्य से भगा देंगे।

## कैंसर मुक्त समाज के लिए सभी काम करें : गंगुला कमलाकर

करीमनगर, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने लोगों से कैंसर मुक्त समाज के लिए काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कैंसर के उन्मूलन के लिए काम करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं को अपने खान-पान और जीवन शैली में बदलाव लाने और जैविक खेती पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

रविवार को यहां गौतमी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'आरंब' कार्यक्रम में भाग लेते हुए मंत्री ने कहा कि रसायनों और कीटनाशकों के संपर्क में आने वाली सब्जियों और अन्य फसलों के सेवन के कारण लोग पुरानी बीमारियों के संपर्क में आ गए हैं। बच्चों से लेकर युवाओं तक ज्यादातर लोग कैंसर और दिल की बीमारियों के शिकार थे। इसलिए लोगों को अपने खान-पान और रहन-सहन में बदलाव लाना चाहिए। जिला परिषद अध्यक्ष कनुमाल्ला विजया, करीमनगर के मेयर वाई सुनील राव और अन्य उपस्थित थे।

## मंत्रियों में भाजपा का सामना करने का साहस नहीं : भाजपा प्रवक्ता

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता एनवी सुभाष ने आज आरोप लगाया कि बीआरएस मंत्रियों और इसके नेताओं में विकास कार्यों और राज्य को स्वीकृत धन पर राज्य के भाजपा नेताओं के साथ बहस का सामना करने का साहस नहीं है। आज यहां एक प्रेस नोट में भाजपा प्रवक्ता ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ बहस पर बीआरएस मंत्रियों के दावे की खिल्ली उड़ाई। सुभाष ने आरोप लगाया कि राज्य के भाजपा नेताओं ने कई मौकों पर मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के बेटे के टी रामाराव सहित बीआरएस मंत्रियों को खुली बहस में आने और अपनी सुविधा के अनुसार तारीख और समय तय करने की खुली चुनौती दी है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि लेकिन वे कभी सामने नहीं आए क्योंकि उनमें तथ्यों का सामना करने का साहस नहीं है और कुछ वर्गों को खुश करने के अलावा राजनीतिक कारणों से मोदी सरकार पर कीचड़ उछाल रहे हैं। सुभाष ने कहा, "क्या यह सच नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हैदराबाद और तिरुपति के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के अलावा 11,000 करोड़ रुपये से अधिक के कई विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया।" क्या यह जादुई आंकड़े पेश करना और लोगों को गुमराह करना विकास है? मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने बंगारू तेलंगाना के रूप में नया राज्य बनाने का एक लंबा वादा किया था। लेकिन अपनी अक्षमता और राजनीतिक आकांक्षाओं के कारण, उन्होंने सफलतापूर्वक राज्य को "कर्ज में डूबा" बना दिया।

## भारी मात्रा में गांजे के साथ तीन अंदर

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की आरसीपुरम पुलिस और एसओटी माधापुर ने तीन गांजा तस्करों को गिरफ्तान करने का दावाा किया है। इनके कब्जे से पुलिस ने 120 किलोग्राम गांजा, दो चार पहिया वाहन ,1 मोटर साइकिल, 4 मोबाइल फोन बरामद किया है। यह गांजा ओडिशा से हैदराबाद लाया जा रहा था। विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए, रामचंद्रपुरम पुलिस ने विशेष अभियान दल (एसओटी), माधापुर जोन ने प्रीतम रे, बिद्युत रे, और राजेश गेन को गिरफ्तार किया है। जबकि मुख्य आपूर्तिकर्ता दीपकर निवासी मल्कानगिरी, उड़ीसा फरार है। सभी आरोपी व्यक्ति उड़ीसा राज्य के मल्कानगिरी के रहने वाले हैं। आरोपी प्रीतम रे उड़ीसा राज्य के मल्कानगिरी का रहने वाला है। वह कोबुता हार्वेस्टर संचालक हैं। वह अवैध मुनाफे में हिस्सा हासिल कर आरोपी दीपकर की मदद से अवैध गांजा परिवहन का आदी है। आरोपी राजेश रिसीवर है और वह भी उड़ीसा राज्य के मल्कानगिरी का रहने वाला है? वर्तमान में वह कोल्लुरु और पाटी गांव के श्रम अड्डों के पास रह रहा था और दैनिक मजदूरी के रूप में केंद्र का काम कर रहा हैं। वह दीपकर और प्रीतम रे से गांजा खरीदता था और अवैध रूप से कमाई करने के लिए कोल्लूर के बाहरी इलाके में स्थानीय क्षेत्र के विभिन्न ग्राहकों को बेचता था। आरोपी बिद्युत रे उड़ीसा राज्य के मल्कानगिरी का रहने वाला है, वह एक ड्राइवर है और उसे दीपाकर और प्रीतम रे की सहायता से गांजा परिवहन करता है। इस प्रक्रिया के दौरान, आरोपी व्यक्ति उड़ीसा राज्य के मल्कानगिरी क्षेत्र के आसपास स्थानीय गांजा किसानों से गांजा खरीद कर विभिन्न राज्यों में गांजा विक्रेताओं को आपूर्ति करते हैं? आरोपी प्रीतम रे और उनके चचेरे भाई दीपंकर ने ओडिशा राज्य के मल्कानगिरी में गांजा के (60) पैकेट खरीदे, जिनमें प्रत्येक में (2) किलोग्राम और सभी का वजन लगभग (120) किलोग्राम था और उन्हें दो वाहनों में लोड किया गया। वाहन मल्कानगिरी से हैदराबाद के लिए रवाना हुए। दीपकर ने स्कोडा वाहन चलाया और प्रीतम रे ने बजाज पल्सर बाइक पर उनका साथ दिया। रिसीवर राजेश को गांजा देने के लिए आरसी पुरम थाने की सीमा के तहत कोल्लुरु के बाहरी इलाके में हैदराबाद पहुंचे। इसी दौरान आरसी पुरम पुलिस और एसओटी माधापुर जोन पुलिस ने कोल्लूर गांव में लेबर अड्डा के पास से तीनों आरोपियों को पकड़ा।

## गोकशी में फंसे हिंदू महासभा के पदाधिकारी

**एक गोकश जेल में बंद, कैसे हो गया वांछित; पुलिस के खुलासे पर सवाल**

आगरा, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। आगरा के एत्माद्दौला में हुई गोकशी की घटना की साजिश में अखिल भारत हिंदू महासभा के पदाधिकारियों के शामिल होने के पुलिस के दावे पर सवाल उठाए गए हैं। महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय जाट का कहना है कि पुलिस ने दो गोकशों की गिरफ्तारी दिखाई। तीन फरार दिखाए। इनमें एक झल्लू पहले से जेल में बंद है।

पुलिस ने मौके से फरार कैसे दिखा दिया, यह सवाल है। इसकी जांच होनी चाहिए। ये है मामला की रात को गोकशी की घटना हुई थी। अखिल भारत हिंदू महासभा के पदाधिकारी पहुंचे थे। कार्रवाई की मांग की थी। छह अप्रैल को पुलिस ने प्रेसवार्ता कर घटना का खुलासा किया। संजय जाट ने बताया कि प्रेसनोट में लिखाया गया कि पांच अप्रैल की रात को पुलिस को सूचना मिली कि गोकशी के आरोपी मछली वाली पुलिया पर खड़े हैं। एक स्कूटी और बुलट बाइक पर पांच आरोपी खड़े थे। पुलिस ने घेराबंदी कर दो को पकड़ा। उनकी स्कूटी फिसल गई थी। दो आरोपियों में इमरान कुरैशी और शानू उर्फ इल्ली थे।

# लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने शुरू की तैयारी

## इन 20 सीटों पर अमित शाह ने झोंकी ताकत

पटना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी ने 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है. तीसरी बार सत्ता का ख्वाब देख रही बीजेपी ने पहले से भी बड़ा टारगेट सेट किया है. हालांकि, बीजेपी पहले के मुकाबले कई राज्यों में सहयोगियों के साथ छोड़ने से कमजोर हुई है. इसके बाद भी बीजेपी ने इस बार 400 का टारगेट सेट किया है. दरअसल, बीजेपी महाराष्ट्र में अपने सहयोगी शिवसेना को दो फाड़ कर उद्धव गुट को अपने खिलाफ कर लिया है. वहीं, उद्धव गुट ने एनसीपी और कांग्रेस से हाथ मिलकर एक मजबूत गठबंधन महाविकास अघाड़ी में शामिल है. वहीं, बिहार में बीजेपी की सहयोगी जेडीयू भी बीजेपी का साथ छोड़ चुकी है. वहीं, हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की जीत से हिमाचल प्रदेश में भी समीकरण बीजेपी के फेवर में नहीं है. पंजाब में अकाली दल भी बीजेपी का साथ छोड़ चुकी है. ऐसे में बीजेपी 160 सीटों पर जीत में कठिनाई महसूस कर रही है. लिहाजा, इन 160 सीटों पर जीत की रणनीति तैयार करने की जिम्मेदारी अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा को सौंपी गई है.

**शाह-नड्डा के बीच 80-80 सीटों का बंटवारा**

बताया जा चुका है कि अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच 160 कमजोर सीटों में से 80-80 सीटों का बंटवारा किया गया है. इनमें से बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, यूपी, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित मैदानी इलाकों में मुख्य रूप से केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह प्रचार करेंगे. वहीं, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र सहित दूसरे राज्यों में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के जिम्मे हैं. इसके साथ ही चुनाव की तारीख की घोषणा होने बाद बीजेपी के फेवर में माहौल बनाने के लिए पीएम मोदी की भी जनसभा का आयोजन किया जाएगा.

**बिहार के इन सीटों पर विशेष रणनीति**

बिहार में जदयू से गठबंधन टूटने के बाद बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व का सबसे ज्यादा फोकस बिहार के 10 सीट किशनगंज, सुपौल, मुंगेर, नवादा, वैशाली, वाल्मीकि नगर, झंझारपुर, गया, कटिहार, पूर्णिया पर है. जबकि, बांका, सीवान, नालंदा, जहानाबाद, काराकाट, सीतामढ़ी सहित 10 अन्य सीटों पर भी नए सिरे से रणनीति तैयार की जा रही है. आपको बता दें कि 2019 लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन ने बिहार में 40 में से 39 सीटों पर जीत हासिल की थी. इनमें 17 सीटें बीजेपी, 16 सीटें जदयू और 6 सीटें एलजेपी ने जीती थी. वहीं, किशनगंज से कांग्रेस के डॉ. मुहम्मद जावेद ने जीत हासिल कर पार्टी की लाज बचाई थी.

**2022 से ही तैयारी में जुट चुकी है बीजेपी**

गौरतलब है कि दूसरी बार पूर्ण बहुमत से सत्ता में पहुंची बीजेपी ने तीसरी बार सत्ता में काबिज होने के इरादे से 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर चुकी है. जीत की रणनीति तैयार करने के लिए बीजेपी लगातार बैठकें कर रही है. इसके साथ ही नेताओं व कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है. इस बार 400 सीयों का लक्ष्य लेकर चल रही बीजेपी बिहार में 21 दिसंबर को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया था. इसमें यूपी, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू काश्मीर, असम, मध्य प्रदेश सहित 19 राज्यों से आए नेता शामिल हुए थे. इस प्रशिक्षण शिविर में खासतौर से बिहार के सात घटकों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित दूसरे पदाधिकारी शामिल हुए थे. इसके बाद हैदराबाद में 28 और 29 दिसंबर को 12 राज्यों का दूसरा प्रशिक्षण कार्यक्रम चला था.

# पश्चिम चंपारण में रेलवे ट्रैक पार कर रहा था तेंदुआ

**अचानक ट्रेन की चपेट में आया; तड़प-तड़पकर तोड़ा दम**

बगहा, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम चंपारण में एक तेंदुआ की मौत हो गई। ट्रेन की चपेट में आने से वह ट्रैक पर ही फंस गया और तड़प-तड़पकर उसकी मौत हो गई। घटना नरकटियागंज-गोरखपुर रेलखंड में भापसा नाला के पिलर संख्या 383 के पास की है। बताया जा रहा है कि तेंदुआ रेल ट्रैक पार कर जंगल के एक तरफ से दूसरे तरफ जा रहा था। उसी दौरान मालगाड़ी की चपेट में आ गया। इससे तेंदुए की मौत हो गई है। तेंदुए की उम्र तकरीबन 4 वर्ष बताई जा रही है। घटना के बाद रेलवे ट्रैक पर भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस रेलवे और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि वाल्मीकि नगर रेलवे स्टेशन से लेकर पनियहवा रेलवे स्टेशन के बीच वीटीआर से होते हुए रेलवे लाइन गुजरी है। इस कारण कई बार रेलवे ट्रैक को जंगली जानवर पार करते दिख जाते हैं। कई बार ट्रेन की चपेट में आने से दुर्लभ जानवरों की मौत हो चुकी है।

हालांकि रेलवे ने कई जगहों ट्रैक के दोनों ओर बाउंड्री कराई गई है, लेकिन इस रास्ते में पड़ने वाले नाला के पास ट्रैक पर चढ़ने के लिए जगह थोड़ी सी खुली हुई है। रविवार सुबह इसी रास्ते तेंदुआ रेल ट्रैक पार कर रहा था, तभी वह मालगाड़ी ट्रेन की चपेट में आ गया। मदनपुर वन क्षेत्र के प्रभारी रेंजर उमेश कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में ले लिया गया है। रेलवे ट्रैक से शव को हटाकर दूसरे जगह रख दिया गया है। विभाग के वरीय पदाधिकारियों को इसकी सूचना दे दी गई है। वरीय पदाधिकारी और विभाग के डॉक्टर पहुंच रहे हैं। पोस्टमार्टम कराने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। ट्रेन की गति और ड्राइवर के लापरवाही आदि की भी जांच की जा रही है। बता दें कि पिछले साल की गणना में तेंदूओ की संख्या 98 थी। पिछले वर्ष विभिन्न कारणों से तीन तेंदुओं की मौत हो चुकी है। इस साल अब तक 2 तेंदुआ की जान जा चुकी है।

# बीएसपी के इन तीन सांसदों ने मायावती को दी चुनौती! क्यों बढ़ी हलचल?

लखनऊ, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बीएसपी के सांसदों अब मायावती को चुनौती देते नजर आ रहे हैं. दरअसल, बीते दिनों में बीएसपी सांसदों की विरोधी पार्टियों के दिग्गज नेताओं से हुई मुलाकात के बाद ऐसी चर्चा शुरू हुई है. इन सांसदों में तीन नाम प्रमुख तौर पर चर्चा में बने हुए हैं. इन सांसदों में जौनपुर से सांसद श्याम सिंह यादव अंबेडकर नगर से सांसद रितेश पांडेय और अमरोहा से सांसद कुंवर दानिश अली का नाम है. सबसे पहले सांसद श्याम सिंह यादव बीते लंबे वक्त से पहले कांग्रेस और फिर बीजेपी के करीब दिखे. कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में जब भारत जोड़ो यात्रा दिल्ली पहुंचे तो बीएसपी सांसद यात्रा में शामिल हुए. इसके बाद उन्होंने बीएसपी और कांग्रेस के बीच गठबंधन पर प्रतिक्रिया दी. हालांकि जब केंद्र सरकार ने बजट पेश किया तो बीएसपी सांसद

ने उसकी तारीफ की. बजट की तारीफ करने के बाद बीएसपी सांसद ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की.

**इस तस्वीर की खूब हुई चर्चा**

अब बात अंबेडकर नगर से सांसद रितेश पांडेय की करते हैं. रितेश पांडेय की बीते दिनों अखिलेश यादव के साथ तस्वीर काफी चर्चा में रही. इस तस्वीर में दोनों एक साथ बैठे नजर आ रहे थे. दोनों की साथ मुस्कुराते हुए तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई. गौर करने वाली बात ये है कि रितेश पांडेय के पिता राकेश पांडेय सपा के विधायक हैं. 2022 के चुनाव से पहले राकेश पांडेय बीएसपी छोड़कर सपा में शामिल हुए थे और फिर जलालपुर विधानसभा सीट से विधायक बने हैं. वहीं बीते दिनों कुंवर दानिश अली की तस्वीर भी खासी चर्चा में रही है. दानिश अली ने पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. इसके बाद उन्होंने मुलाकात की तस्वीर अपने सोशल मीडिया के जरिए शेयर की. जिसके बाद इस मुलाकात के सियासी मायने निकाले जाने लगें. ऐसे में देखा जाए तो बीएसपी के इन तीनों सांसदों के कारण पार्टी की चुनौती बढ़ी हुई है. ये खबरें ऐसे वक्त में सामने आई हैं जब लोकसभा चुनाव में करीब एक साल का वक्त बचा हुआ है.

## यूपीः मथुरा में एक ही नंबर प्लेट से हो रहा था खेल

**बस और कार में चल रहे फर्जीवाड़े से अधिकारी भी हो गए हैरान**

मथुरा, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के मथुरा से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बस और कार एक ही नंबर प्लेट लगाकर चल रही थी। आरटीओ को जब इस बात की जानकारी हुई तो अधिकारी भी दंग रह गए और इन दोनों वाहनों को पकड़ लिया गया। इस बारे में मथुरा के असिस्टेंट आरटीओ मनोज कुमार का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, 'दो वाहन- एक बस और एक कार- एक ही वाहन पंजीकरण नंबर प्लेट का उपयोग करते हुए पाए गए हैं। फर्जी नंबर प्लेट लगाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये मामला बुधवार को उस वक्त सामने आया, जब एक कार मालिक ने एक स्कूल बस को देखा, जिसकी नंबर प्लेट बिल्कुल कार के नंबर प्लेट से मैच कर रही थी। इसके बाद ये मामला कोतवाली पहुंचा तो अधिकारी भी हैरान रह गए।

## यूपी उपचुनाव में बीजेपी गठबंधन को झटका देंगे अखिलेश यादव

# छानबे सीट पर इन नामों पर सपा में मंथन

लखनऊ, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव और उपचुनाव को लेकर सियासी हलचल अपने चरम पर पहुंच रही है. यूपी उपचुनाव के लिए दोनों ही सीटों पर नामांकन इसी हफ्ते शुरू होगा. लेकिन इससे पहले सियासी दलों में उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा शुरू हो चुकी है. खात तौर पर बीजेपी और समाजवादी पार्टी गठबंधन में उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा जारी है. सपा प्रमुख अखिलेश यादव लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय पहुंचे थे. यहां उपचुनाव और निकाय चुनाव से संबंधित समाम मुद्दो पर चर्चा हुई. सूत्रों के अनुसार निकाय चुनाव की तैयारियों और जिला महानगर अध्यक्ष के नाम पर चर्चा करने के साथ ही अखिलेश यादव ने मिर्जापुर की छानबे विधानसभा सीट के उपचुनाव पर भी मंत्रणा की है. इस सीट पर सपा में उम्मीदवार के नाम को लेकर भी शनिवार को मंथन हुआ है.

**इन नामों पर हो रहा मंथन**

सूत्रों की मानें तो छानबे सीट पर उपचुनाव के लिए पूर्व विधायक कालीचरण, मिर्जापुर के जिला अध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी और कीर्ति कोल समेत कई नामों पर अखिलेश यादव ने चर्चा की है. हालांकि ये भी दावा किया जा रहा है कि सपा के नेता दिवंगत विधायक राहुल कोल की पत्नी रिंकी से भी संपर्क कर रहे हैं. दरअसल, अखिलेश यादव ने मिर्जापुर के नेताओं से चुनाव की तैयारी करने के साथ ही जल्द नाम की घोषणा की बात कही है. बता दें कि देवी प्रसाद चौधरी सपा के मिर्जापुर के वर्तमान जिलाध्यक्ष हैं. वहीं मिर्जापुर की छानबे विधानसभा सीट पर 13 अप्रैल से नामांकन शुरू होगा. इस सीट पर 17 अप्रैल तक नामांकन होगा. जबकि अगले महीने 10 मई को वोट डाले जाएंगे और 13 मई को रिजल्ट आएगा. इस सीट पर बीजेपी गठबंधन से अपना दल एस के राहुल कोल विधायक थे, जिनका बीते साल निधन हुआ था. जिसके बाद अब इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है.

# यूपीः सपा नेता की बेरहमी से हत्या

## फसल काटने को लेकर हुआ था विवाद

रॉबर्ट्सगंज, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी में सपा ने की हत्या कर दी गई है. फसल काटने के लेकर सपा नेता का दूसरे पक्ष से विवाद हुआ था. उन लोगों ने सपा ने की लाठियों से पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी. घटना के बाद से गांव में सनसनी फैली हुई है. जानकारी मिलने पर गांव पहुंची पुलिस ने नेता के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया. मामला दर्ज कर पुलिस फरार हत्यारों की तलाश कर रही है.

दरअसल, यह घटना राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत आने वाले कैथी गांव की है. गांव के रहने वाले नंदकुमार समाजवादी पार्टी के बूथ उपाध्यक्ष थे. उनका बीते कुछ समय से गांव के ही लोगों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था. उन्हें पता चला कि जमीन पर उगी फसल को दूसरा पक्ष काट रहा है तो नंदकुमार खेत पर पहुंच गए. उनका दूसरे पक्ष से विवाद हो गया. देखते ही देखते मुंहबाद हाथापाई में बदल गया. दूसरे पक्ष के लोगों ने नंदकुमार को लाठियों से पीटना शुरू कर दिया. इतना मारा की उनकी खेत पर ही मौत हो गई. घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी गांव से भाग निकले. जब नंदकुमार के परिवार के लोगों को इस बात की जानकारी लगी तो घर में कोहराम मच गया.

तत्काल हत्या की जानकारी पुलिस को दी गई. सूचना पर पुलिसबल के साथ गांव पहुंचे सदर कोतवाल मनोज कुमार ने घटना के संबंध में गांववाले और नंदकुमार के परिवार से जानकारी ली. फिर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भिजवाया.

# मुजफ्फरनगर का नाम बदलने की मांग पर विवाद

## केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के बाद किसान यूनियन ने दी प्रतिक्रिया

मुजफ्फरनगर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुजफ्फरनगर का नाम बदलने की मांग कर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है. उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर किसानों की राजधानी रहा है और यह नाम उसके गौरव को ठेस पहुंचा रहा है. देश की आजादी के सात दशकों से अधिक समय के बाद मुगलों के निशानों को मिटाने के लिए जिले के लिए एक नए नाम की आवश्यकता है. केंद्रीय मंत्री की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष योगेश शर्मा ने कहा कि यह बयान राजनीतिक स्टंट के अलावा और कुछ नहीं है. उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव नजदीक हैं और वे लोगों का ध्रुवीकरण करने के लिए इस तरह के मुद्दे उठाते हैं. मुजफ्फरनगर किसानों की राजनीति का केंद्र बिंदु रहा है. यह जिला 2013 में दंगों से हिल गया था, जिसमें कई लोगों की जान चली गई थी और 50 हजार से अधिक लोग बेघर हो गए थे.

**क्या बोले गिरिराज सिंह?**

किसान यूनियन के नेता ने कहा कि दंगों ने क्षेत्र में सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित किया, जिसके बारे में कहा जाता है कि इसने 2014 के चुनावों में बीजेपी को भारी जीत दिलाने में मदद की थी. दरअसल, बीते दिनों मुजफ्फरनगर में चल रहे कृषि और पशु मेले के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पहुंचे थे. तब उन्होंने अपने संबोधन में कहा था, क्यों न इस जिले का नाम बदल दिया जाए क्योंकि मैं तो इस जिले का नाम भी नहीं ले सकता. उन्होंने आगे कहा, 75 साल हो गए यह जिला किसानों की राजधानी है लेकिन अच्छा नहीं लगता इस जिले का नाम किसानों के लिए एक चुनौती हो सकता है. इस जिले से मुगलों के निशानी को मिटाया जाना चाहिए. जिसके बाद राज्य में फिर से बयानबाजी तेज होती नजर आ रही है. बता दें कि इससे पहले यूपी की राजधानी लखनऊ का नाम बदलने की चर्चा थी. जबकि उसके बाद ओम प्रकाश राजभर ने गाजीपुर जिले का नाम बदलने की मांग रखी थी.

# शताब्दी एक्सप्रेस में दिया बदबूदार समोसा और सैंडविच

**यात्री बोले- खाते ही उल्टियां हुईं, तबीयत बिगड़ी; वीडियो जारी कर रेलवे से की शिकायत**

इटावा, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। इटावा रेलवे स्टेशन में शताब्दी एक्सप्रेस में खराब खाने को लेकर यात्रियों ने हंगामा किया। आरोप लगाया कि उनको दिए गए समोसे और सैंडविज से गन्ध आ रही थी। जिसके बाद उन्होंने खाना छोड़ दिया। एक यात्री ने कहा कि बदबूदार नाश्ता करने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। यात्रियों ने पैंट्री कार के मैनेजर को शिकायत दर्ज कराई। साथ ही ट्वीटर के माध्यम से इसकी शिकायत रेलवे प्रबंधन से भी की। शाम नई दिल्ली से कानपुर जा रही शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन के कोच नंबर सी 9 में नाश्ते में समोसा और सैंडविच दिया। कोच में बैठे यात्री जैसे ही समोसा और सैंडविच खाने लगे, उन्हें खाने से गन्ध आने लगी। जिसके बाद यात्रियों ने पैंट्री कार के कर्मचारियों से इसकी शिकायत की। यात्रियों ने खाने का वीडियो बनाकर रेलवे से शिकायत करने की भी बात कही। एक यात्री ने बताया कि उन्होंने जैसे ही समोसा और सैंडविच खाया, उनको दो तीन बार उल्टियां हुईं, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। उन्होंने ट्वीट कर इसकी शिकायत रेलवे से की है। ट्रेन में सफर कर रहे पीड़ित सुनील कुमार वर्मा ने आरोप लगाते हुए बताया है कि मैं गाजियाबाद से कानपुर के लिए शताब्दी एक्सप्रेस से सफर कर रहा था, तभी ट्रेन में नाश्ता दिया गया। जब नाश्ते में लाए गए समोसा और सैंडविच को खाया तो अजीब सी गन्ध महसूस हुई, जिसके बाद मैंने इसकी शिकायत कोच के पैंट्री कार मैनेजर से की।

## हनुमानगढ़ी चौराहे के पास मकान में हुआ विस्फोट, पति-पत्नी की मौत

अयोध्या, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। अयोध्या कोतवाली में यलो जोन में हनुमानगढ़ी चौराहे के निकट शनिवार-रविवार आधी रात को एक मकान में आग लग गई। इस दौरान एक विस्फोट भी हुआ। इस घटना में पति पत्नी की मौत हो गई।संवेदनशील इलाके में रात को हुई इस घटना से हड़कंप मच गया। दमकलकर्मियों ने आकर आग तो बुझा ली, लेकिन आग लगने और विस्फोट के कारण की अभी छानबीन चल रही है। अयोध्या में यलो जोन के इस मकान में रमेश अपनी पत्नी ऊषा के साथ रहता था। बताया जाता है कि मृतक गृहस्वामी रमेश पतंग बनाने का काम करता था और दीपावली में पटाखे बेचता था। विस्फोट के पीछे यही आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस अभी इस पर खुलकर कुछ नहीं बोल रही है। कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है

# नेपाल से लाकर कॉलेज स्टूडेंट्स को दी जा रही थी अफीम-चरस, 4 महिला समेत 5 अरेस्ट

गाजियाबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की क्राइम ब्रांच पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है. जिसमें पुलिस ने करोड़ों रुपए की 13 किलो चरस और 1 किलो अफीम के साथ 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. जिनमें 4 महिलाएं भी शामिल हैं. पांचो को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि यह लोग नेपाल बॉर्डर से किसी सुमित नाम के शख्स से यह नशीला पदार्थ लेकर देश के अलग-अलग हिस्सों में सप्लाई करने जाते थे. जिसकी जानकारी सुमित उन सप्लायर को फोन के द्वारा देता था और जब ये उस स्टेशन पर पहुंचते तो उस स्टेशन पर मौजूद रिसीवर इन्हें अपने पास बुलाकर अपने हिस्से की नशे की खेप इनसे ले लेता था. इस काम के लिए प्रत्येक को 12-12 हजार रुपए मिलते थे. यह यह गैंग नेपाल बॉर्डर से बिहार के रास्ते होते हुए गाजियाबाद ,दिल्ली, हरियाणा, पंजाब समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में नशे के एजेंटों को नशे के कोरियर की सप्लाई पहुंचा रहा था.

**गाजियाबाद में काइट कॉलेज पर पहुंचाने थी नशे की खेप**

कोरियर गैंग को गिरफ्तार करने के बाद जब पुलिस ने इनसे पूछताछ करनी शुरू की तो उन्होंने बताया नशे के सप्लॉयर ने इन्हें 13 किलो चरस और 1 किलो अफीम दी थी. जिसे इन्हें अलग-अलग राज्यों में पहुंचाना था. नशे का पहला कोरियर गाजियाबाद के मुरादनगर स्थित काइट कॉलेज के पास पहुंचाना था, लेकिन इससे पहले की यह लोग नशे की खेप को काइट कॉलेज के पास सप्लॉयर को पहुंचा पाते पुलिस ने इन्हे गिरफ्तार कर लिया. काइट कॉलेज के पास नशे की खेप की सप्लाई पहुंचाने का मतलब साफ है कि कॉलेज मे पढ़ने वाली युवाओं की नई पीढ़ी को यह नशे की खेप बर्बाद करने के लिए पहुंचाई जा रही थी.

**कौन है वो जो युवा पीढ़ी के जीवन के साथ कर रहा है खिलवाड़**

मुरादनगर में बहुत से कॉलेज और इंस्टिट्यूट मौजूद हैं. जहां पर देश के अलग-अलग हिस्सों से आकर छात्र पढ़ाई कर रहे हैं. ऐसे में नशे के सौदागर उन्हें अपने जाल में फंसाने का काम तो नहीं कर रहे हैं ? ऐसे कई सवाल अब खड़े हो रहे हैं आखिर कौन है गाजियाबाद का वो नशे का सौदागर जो गाजियाबाद के मुरादनगर में नशे की खेप को लेने वाला था आखिर वह सौदागर कौन है जो मुरादनगर के आसपास के कॉलेजों के छात्रों को अपने जाल में फंसाने के लिए इस नशे की खेप को खरीदता है और फिर सप्लाई भी करता है. पुलिस के लिए उसकी गिरफ्तारी करना भी एक बड़ी चुनौती होगा.

मुरादनगर कॉलेजों के पास इस नशे की सप्लाई को पहुंचाने के बाद बहुत से सवाल खड़े हो रहे हैं क्या यह सप्लाई कॉलेज के छात्रों को नशे का शिकार बनाने के लिए की जाती है? क्या यह सप्लाई गाजियाबाद के नशे के शौकीनों के लिए भेजी जाती है और वह कौन शौकीन है जो इस नशे की पुड़िया को महंगे दामों में खरीदते हैं.

**पकड़ी गई अफीम चरस की कीमत करोड़ों में**

नशे के सौदागर गैंग के पास से 13 किलो चरस बरामद हुई है. इसके साथ 1 किलो अफीम भी इन तस्करों के पास से पुलिस ने बरामद की है. दोनों नशीले पदार्थों की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों में बताई जा रही है. करोड़ों की इस नशे की खेप के साथ पुलिस ने इन तस्कर गैंग के कोरियर पहुंचाने वाले 5 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है. जिनमें 4 महिलाएं भी शामिल है. जिन्हें पकड़ने के बाद पुलिस अपनी पीठ थपथपा रही है, लेकिन पुलिस की गिरफ्त से वह बड़े मगरमच्छ अभी दूर है जो इस सप्लाई विदेश मे बैठकर करते हैं.

## डिप्टी सीएम बृजेश पाठक का तंज, अखिलेश सिर्फ एसी में बैठकर ट्वीट करना जानते, सड़क पर नहीं निकलते

झांसी, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि अखिलेश यादव सिर्फ एसी में बैठकर ट्वीट करना जानते हैं। वह सड़क पर निकलकर देखें कि अब उत्तर प्रदेश का वातावरण बदल चुका है। वो रविवार को मेडिकल कॉलेज में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार में लुच्चे, मवाली और गुंडे लोगों का उत्पीड़न करते थे। भाजपा सरकार में ऐसे लोग जेल में हैं। मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग होम के एजेंटों द्वारा मरीजों की सौदेबाजी करने के प्रकरण में बोले कि अब एक भी दलाल नहीं दिखेगा। उनके खिलाफ गैंगस्टर के तहत कार्रवाई करेंगे। पाठक में डीएम और प्राचार्य से बातचीत में साफ निर्देश दिए कि नर्सिंग होम के एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

## सतना में चोरी की बिजली से चल रहे थे 15 थ्रेशर, बिजली कंपनी ने लगाया जुर्माना

सतना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। सतना जिले के अमरपाटन क्षेत्र के ग्राम खरमसेड़ा में बिजली चोरी कर थ्रेशर चलाकर फसलों की गहाई की जा रही थी। सूचना मिलने बिजली कंपनी की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने पाया कि 15 थ्रेशर बिजली चोरी कर चलाए जा रहे हैं। टीम ने चोरी की बिजली से चल रहे सभी 15 थ्रेशर पर जुर्माना लगाया है। बिजली कंपनी के अधीक्षण अभियंता जीडी त्रिपाठी ने विद्युत चोरी की रोकथाम के निर्देश पर कनिष्ठ अभियंता जेएल चौरसिया सहित कर्मचारियों की टीम सूचना मिलने पर ग्राम खरमसेड़ा पहुंची।

# अगर पति को बोला कायर तो तलाक का बन सकता है आधार

## हाई कोर्ट ने ऐसा क्यों कहा ?

कोलकाता, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने हाल में तलाक के मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि एक पति को अपनी पत्नी से मानसिक क्रूरता के लिए तलाक दिया जा सकता है। यदि वह उसे अपने माता-पिता से अलग होने के लिए मजबूर करती है और उसे 'कायर और बेरोजगार' भी कहती है। सुषमा पाल मंडल के तलाक के मामले की सुनवाई करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने कहा है कि पति को अपने माता-पिता को छोड़कर कहीं और रहने के लिए कहना मानसिक प्रताड़ना के समान है। इतना ही नहीं, इस तरह की गतिविधियां कानूनी अलगाव का आधार भी हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौमेन सेन और न्यायमूर्ति उदय कुमार की खंडपीठ ने तलाक के एक मामले में फैसला सुनाते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि कोई व्यक्ति अपनी पत्नी द्वारा मानसिक प्रताड़ना का सबूत दिखाकर ही तलाक का मामला दायर कर सकता है।

**पुरुष पर मानसिक प्रताड़ना बन सकता है तलाक का आधार**

कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि पुरुष पर मानसिक प्रताड़ना तलाक का आधार बन सकता है। इतना ही नहीं कई मामलों में देखा जाता है कि सास के मुंह पर न बोल पाने के कारण पत्नी नियमित रूप से अपने पति को कायर या कम कमाई वाले पति को बेरोजगार कहती है। ऐसे मामलों में भी मानसिक रूप से प्रताड़ित पति ऐसी पत्नी से तलाक की मांग कर सकता है। बता दें कि कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस सौमेन सेन और जस्टिस उदय कुमार की खंडपीठ पश्चिम मेदिनीपुर के परिवार अदालत के 25 मई, साल 2009 के उस फैसले की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें अदालत ने पत्नी के खिलाफ फैसला सुनाते हुए तलाक का आदेश दिया था। पत्नी ने उस अदालत के फैसले की चुनौती देते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट में मामला दायर किया था। उसी मामले की सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट की पीठ ने यह फैसला सुनाया।

**माता-पिता से अलग रहने के लिए मजबूर करना बन सकता है तलाक का आधार**

ऐतिहासिक फैसले को सुनाते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस सौमेन सेन और जस्टिस उदय कुमार की खंडपीठ ने कहा, "भारतीय संस्कृति में माता-पिता और बच्चों का रिश्ता बेहद पवित्र रिश्ता माना जाता है। इस प्रकार, भारतीय संस्कृति और समाज में प्रचलित रीति-रिवाजों के अनुसार एक बच्चे के लिए अपने माता-पिता की देखभाल करना स्वाभाविक है, लेकिन अगर बेटे की शादी के बाद उसकी पत्नी सामाजिक रीति-रिवाजों या नियमों को तोड़ती है और असहाय माता-पिता के बच्चे को परिवार से दूर ले जाती है या उसे कहीं और रहने के लिए मजबूर करती है, तो पति को ऐसी पत्नी से तलाक लेने का अधिकार है, क्योंकि यह हमारे समाज की नियमित प्रथा के खिलाफ है।

# कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023

## कांग्रेस ने चला बड़ा सियासी दांव, बीएन चंद्रप्पा को बनाया कार्यकारी अध्यक्ष

बेंगलूरू, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023: राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 10 मई को वोटिंग होगी और 13 मई रिजल्ट घोषित हो जाएंगे। चुनाव को लेकर प्रदेश में सियासी हलचल तेज है और सभी राजनीतिक दल पूरे दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतरने को तैयार हैं। उम्मीदवारों के नामों की घोषणा का क्रम जारी है। वहीं चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस ने अनुसूचित जाति के नेता और पूर्व सांसद बीएन चंद्रप्पा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर बड़ा सियासी दांव चल दिया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने चंद्रप्पा की कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने की जानकारी दी है। बता दें कि कर्नाटक में कांग्रेस का नेतृत्व अभी डीके शिवकुमार कर रहे हैं और उनके अलावा 5 कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं। जो इस प्रकार हैं- बीएन चंद्रप्पा (नवनियुक्त), रामलिंगा रेड्डी, सलीम अहमद, ईश्वर खांद्रे, सतीश जरकीहल्ली। पांचों कार्यकारी अध्यश्क्षों में से एक कार्यकारी अध्यक्ष आर ध्रुव नारायण का बीते दिनों निधन हो गया था और उन्हीं की जगह चंद्रप्पा की नियुक्ति की गई है।

## हरियाणा के पूर्व सीएम की गाड़ी का एक्सीडेंट

## हिसार में भूपेंद्र हुड्डा के काफिले के सामने आई नील गाय; एयरबैग खुलने से बाल-बाल बचे

हिसार, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार में पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के काफिले का एक्सीडेंट हो गया। उनकी कार के सामने अचानक नील गाय आ गई। जिससे उनकी गाड़ी आगे से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार के एयरबैग भी खुल गए, जिस कारण भूपेंद्र सिंह हुड्डा बाल-बाल बच गए। हादसा गांव मतलौडा के पास हुआ। बाद में उन्हें दूसरी गाड़ी से आगे के लिए रवाना किया गया। दरअसल भूपेंद्र सिंह हुड्डा

वर्ल्ड महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप की विजेता स्वीटी बूरा के हिसार स्थित घिराय में स्वागत समरोह में जा रहे थे। स्वीटी ने हाल ही में दिल्ली में आयोजित बॉक्सिंग चैंपियनशिप में 81 किलोभार वर्ग में गोल्ड मेडल जीता था। स्वीटी मैडल जीतने के बाद पहली बार हिसार आ रही है और उसके पैतृक गांव घिराय में ग्रामीण स्वागत करेंगे। इसके अलावा कई हरियाणवी सिंगर भी इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। स्वीटी को हांसी फोरलेन से लेकर गांव घिराय तक स्वागत करते हुए लेकर आया जाएगा। स्वागत कार्यक्रम में बूरा खाप व आसपास की पंचायत के साथ सरपंच व अन्य लोग पहुंचेंगे। बॉक्सर स्वीटी बूरा भारतीय कबड्डी टीम के कैप्टन दीपक के साथ विवाहित है। दीपक मूल रूप से रोहतक के रहने वाले हैं। दोनों की शादी साल 2022 में हुई थी। शादी के बाद भी स्वीटी ने अपना खेल जारी रखा। स्वीटी का लक्ष्य ओलिंपिक जीतना है।

## जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एलओसी से घुसपैठ की कोशिश नाकाम

पुंछ, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सेना के जवानों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) से आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश रविवार सुबह नाकाम कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शाहपुर सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश उस वक्त नाकाम कर दी गई, जब एलओसी पर पहरा दे रहे सेना के जवानों ने आतंकवादियों को भारतीय सीमा में दाखिल होने का प्रयास करते देखा और उन पर गोलीबारी की। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच कुछ देर तक मुठभेड़ हुई। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों की धरपकड़ के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी कर व्यापक तलाश अभियान चलाया जा रहा है।

# पंजा साहिब के लिए सिख संगत का जत्था रवाना

## पाकिस्तान में मनाएंगे खालसा साजना दिवस

अमृतसर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। खालसा साजना दिवस (बैसाखी) के अवसर पर पाकिस्तान के गुरुद्वारा श्री पंजा साहिब में होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा रविवार को 1052 सिख तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना किया गया। शिरोमणि कमेटी सदस्य अमरजीत सिंह भलाईपुर जत्थे के मुखी नियुक्त किए गए है। वहीं उनके साथ एसजीपीसी बलविंदर सिंह , जसवंत सिंह पुरैन, बीबी जोगिंदर कौर, पूर्व सचिव कुलवंत सिंह, हरजीत सिंह लालुगुम्मन व अन्य प्रमुख हस्तियों ने जत्थे के सदस्यों को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर जत्थे के नेता अमरजीत सिंह भलाईपुर ने कहा कि पाकिस्तान में सिख समुदाय के कई खूबसूरत गुरुद्वारे हैं, जहां जाने के लिए हर सिख के मन की इच्छा होती हैं, इसलिए दोनों देशों की सरकारों को अपने दिल खोल वीजा श्रद्धालुओं को देने चाहिए। उन्होंने शिरोमणि कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी का उन्हें जत्थे का नेतृत्व सौंपने के लिए धन्यवाद किया। जत्थे के पाकिस्तान के लिए रवाना के समय शिरोमणि कमेटी के सचिव प्रताप सिंह ने बताया कि यह जत्था पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा श्री पंजा साहिब में खालसा साजना दिवस बैसाखी के मुख्य कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पाकिस्तान रवाना हुआ है। 9 अप्रैल को यह जत्था गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब पहुंचेगा, जहां से 10 अप्रैल को गुरुद्वारा श्री सच्चा सौदा, मंडी चूहरकाना के दर्शन करने के बाद वापस गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब में रुकेगा। वह 12 अप्रैल को गुरुद्वारा श्री पंजा साहिब हसन अब्दाल पहुंचेंगे, जहां वह 14 अप्रैल को मुख्य कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। 15 अप्रैल को गुरुद्वारा श्री पंजा साहिब से तीर्थयात्रियों का जत्था गुरुद्वारा श्री देहरा साहिब, लाहौर पहुंचेगा, जहां से वे 16 अप्रैल को गुरुद्वारा श्री रोड़ी साहिब एमनाबाद और गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब जाएंगे। 17 अप्रैल को लाहौर के गुरुद्वारा श्री देहरा साहिब में रुकने के बाद यह जत्था 18 अप्रैल को भारत लौट आएगा।

## ज्वालामुखी मंदिर में दिल्ली के श्रद्धालु ने चढ़ाया 21 किलो का चांदी का छत्र

ज्वालामुखी (कांगड़ा), 9 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश कांगड़ा जिले के प्रसिद्ध शक्तिपीठ ज्वालामुखी मंदिर में रविवार को दिल्ली के एक श्रद्धालु ने अपनी बेटी की मन्नत पूरी होने पर मां के दरबार में 21 किलो का चांदी का छत्र चढ़ाया है। इसकी

कीमत लगभग 15 लाख रुपये बताई जा रही है। दिल्ली के श्रद्धालु दविंद्र भल्ला ने बताया कि उनकी बेटी की मन्नत पूरी हुई है इसलिए वे सभी परिवार सहित मां ज्वाला के दरबार में 21 किलो का चांदी का छत्र चढ़ाने आए हैं। दिल्ली से आई प्रिया ने बताया कि उन्होंने मां से मन्नत मांगी थी कि मुराद पूरी होने पर 21 किलो का चांदी का छत्र चढ़ाएंगे। छत्र चढ़ाने पर मां ज्वाला का दरबार महामाई के जयकारों से गूंज उठा। मंदिर के पुजारी संदीप शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं से विधिवत पूजा अर्चना करवाई और माता की चुनरी व सिरोपा भी भेंट किया। वित्त एवं लेखा अधिकारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि दिल्ली के श्रद्धालु ने 21 किलो का चांदी का छत्र चढ़ाया है। मां ज्वाला सभी की मनोकामना पूर्ण करें। ज्वालामुखी मंदिर में इससे पहले भी श्रद्धालु मन्नत पूरी होने पर छत्र, आभूषण, सोना व चांदी अर्पित करते रहते हैं।

## उज्जैन में युवक ने पत्नी का गला काटा, फिर पी लिया जहर, दोनों की हो गई मौत

उज्जैन, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। उज्जैन में सुबह पति और पत्नी खेत पर गए तो खुशी-खुशी थे। खेत पर न जाने उनके बीच क्या विवाद हुआ कि पति ने पत्नी का गला काटकर जान ले ली। फिर पति ने भी जहरीला पदार्थ खा लिया जिससे उसकी मौत हो गई। इस हत्याकांड की जानकारी उस समय लगी जब दंपत्ति का आठ वर्षीय बेटा खेत पर पहुंचा। उसकी मां का गला कटा हुआ था। पिता भी बेसुध था। मामले की जानकारी लगते ही खाचरोद थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। दोनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरो ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नंदवासा में दिनेश पिता रमेश उम्र 35 वर्ष सुबह पत्नी भावना के साथ अपने खेत पर काम करने गया था।

# मध्य प्रदेश की मंत्री ने कैलाश विजयवर्गीय के विवादित बयान का किया समर्थन

इंदौर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने हाल ही में महिलाओं के पहनावे पर ऐसा बयान दिया, जिसकी चर्चा चारों ओर हो रही है। अब मध्य प्रदेश की संस्कृति और पर्यटन मंत्री उषा ठाकुर भी बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय की टिप्पणी के समर्थन में उतर आई हैं। उषा ठाकुर ने शनिवार को कहा, यदि कोई वैदिक सनातन परंपरा का पालन नहीं करता है, तो वह व्यक्ति राक्षस प्रवृत्ति (राक्षसों के लक्षण) वाला कहा जाएगा। बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था, 'हम महिलाओं को देवी मानते हैं, लेकिन लड़कियां ऐसे अश्लील कपड़े पहनती हैं, जिसमें वे 'सूर्पणखा' (लंका नरेश रावण की

बहन) की तरह दिखती हैं।' साथ ही उन्होंने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर नाराजगी भी व्यक्त की थी। इसी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए महिला कांग्रेस अध्यक्ष विभा पटेल ने कहा, "बीजेपी सत्ता के घमंड में चूर होकर मर्यादा भूल रही है। उसकी बातों पर ध्यान दो। महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, विजयवर्गीय किस युग में जी रहे हैं, आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, इसलिए उन्हें अपनी मर्जी से कपड़े पहनने, खाने-पीने का पूरा अधिकार है। अगर महिलाएं अपनी आजादी का इस्तेमाल कर रही हैं, तो निश्चित रूप से इसमें मर्यादा होनी चाहिए। लेकिन नेताओं को कोई भी टिप्पणी करने से पहले अपनी मर्यादा का ख्याल रखना चाहिए।' बीजेपी प्रवक्ता नेहा बग्गा ने कहा, 'विजयवर्गीय के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। उनकी मंशा एक अभिभावक की है। चिंता इस बात की है कि उन्होंने अपनी बात समाज के सामने रखी। उनका विषय लड़कियों पर था जो कैलाश जी ने एक अभिभावक के रूप में बच्चियों को यह समझाने की कोशिश की है कि समाज में खुद की सुरक्षा की जिम्मेदारी हमें खुद लेनी होगी।' इसी के साथ उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, "कांग्रेस ही वह पार्टी है जिसके बड़े नेता रेप जैसी घटनाओं पर कहते हैं कि विरोध नहीं कर सकते तो मजा लेना चाहिए। अपनी ही पार्टी और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी महिला होकर भी चुप रहती हैं इसलिए बेहतर होगा कि कांग्रेस इस मामले में सलाह न दे।' बीजेपी प्रवक्ता नेहा बग्गा बग्गा ने कहा, कैलाश विजयवर्गीय ने जो कहा है वह समाज की चिंता है और माता-पिता की चिंता है। कभी-कभी इस तरह की भाषा का इस्तेमाल बच्चों को समझाने के लिए किया जाता है और मुझे लगता है कि वीडियो उनकी भावनाओं को समझें।

# हनीप्रीत से मांगी 50 लाख की रंगदारी

सिरसा, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। डेरा सिरसा प्रमुख गुरमीत सिंह की मुख्य शिष्या हनीप्रीत से रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। विस्तृत जांच के बाद ही पुलिस कोई खुलासा करेगी। बताया जा रहा है कि डेरामुखी की मुंह बोली बेटी और मुख्य शिष्या हनीप्रीत के पास फोन आया। हनीप्रीत से 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई है। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस हरकत में आ गई और जांच शुरू की। बताया जा रहा है कि पुलिस ने एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया था। हालांकि पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया। डेरामुखी ने हनीप्रीत को मुख्य शिष्या के तौर पर स्वीकार किया है और डेरामुखी ने हनीप्रीत को अपने परिवार पहचान पत्र में भी जगह दी है। डेरा का नियम है कि केवल मुख्य शिष्या को ही गुरु गद्दी सौंपी जाएगी, परिवार के किसी सदस्य को नहीं। ऐसे में हनीप्रीत की महत्वपूर्ण भूमिका डेरा में रहती है। अब पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच में जुट गई है। हनीप्रीत की ओर से एसपी के नाम शिकायत भेजी गई। इसमें आरोप लगाया गया कि एक व्यक्ति ने वाट्सएप कॉल के माध्यम से 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी है और जान से मारने की धमकी दी है। नवनियुक्त एसपी उदय सिंह मीणा ने तुरंत प्रभाव से जांच के आदेश दिए। इस मामले में जांच करते हुए पुलिस ने शनिवार रात को एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड हासिल करेगी। इसमें पूरे मामले का खुलासा होगा। हनीप्रीत की ओर से लगाई गई रंगदारी की शिकायत मामले को षड़यंत्र बताया जा रहा है। सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा चल रही है। डेरा की गतिविधियों की खिलाफत को लेकर एक सोशल मीडिया पेज एक्टिव है। पर संदेश जारी किया गया है कि हनीप्रीत का एटम बम निकला फुस्स। अब इसकी विस्तृत चर्चा रात्रि सवा 8 बजे के बाद किए जाने की बात कही गई है। इसकी शिकायत आई थी। एफआईआर दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जल्द ही उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड हासिल किया जाएगा। पूरे मामले का खुलासा जल्द ही करेंगे।

# सिद्धारमैया ने चुनाव के लिए चुनी बेटे की सीट

## बीजेपी बोली- 'कांग्रेस के एकमात्र 'जन नेता' के पास निर्वाचन क्षेत्र नहीं

बेंगलूरू, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में अगले महीने विधानसभा चुनाव होना है, जिस लेकर सभी पार्टियां कमर कस चुकी हैं। वहीं राजनीतिक दलों की ओर से चुनाव जीतने के दावे शुरु हो चुके हैं। इस बीच बीजेपी ने को कर्नाटक के पूर्व सीएम और कांग्रेस विधानसभा नेता सिद्धारमैया के राज्य के वरुणा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव में लड़ने को लेकर चुटकी ली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के एक मात्र 'जन नेता' के पास कोई सीट ही नही है, जहां से वह चुनाव में उतर जीत दर्ज कर सकते हैं।

बीजेपी की आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने अपने एक ट्वीट में कहा कि सिद्धारमैया के पास ऐसा कोई निर्वाचन क्षेत्र नहीं है, जहां से वह जीतने के लिए आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दिन में 5 बार दावा करती है कि वे कर्नाटक जीत रहे हैं। हालांकि आलम यह है कि सीएम उम्मीदवार और कांग्रेस के एकमात्र 'जन नेता' के पास ऐसा

कोई निर्वाचन क्षेत्र नहीं है जिसे वह जीतने को लेकर पक्का हों। मालवीय ने आगे कहा कि सिद्धारमैया ने बादामी, चामुंडेश्वरी और कोलार को छोड़ दिया और आखिरकार अपने बेटे की सीट वरुणा को चुनाव लड़ने के लिए चुना है। मैसुरू जिले की वरुणा विधानसभा चुनाव में उन अहम सीटों में शामिल है जिन पर सबकी नजरें टिकी हैं, क्योंकि कांग्रेस विधायक दल के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया इस सीट से चुनाव मैदान में उतरे हैं। जहां से वर्तमान में उनके बेटे और मौजूदा विधायक यथिंद्र जिसका प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कांग्रेस की दोनों लिस्ट में नही कोलार सीट कांग्रेस विधायक दल के नेता का पद संभालने वाले सिद्धरमैया को 25 मार्च को जारी उम्मीदवारों की पहली सूची में उनके पैतृक क्षेत्र वरुणा से चुनाव में उतारा गया था।

जहां उन्होंने अपने बेटे यथींद्र की जगह ली है। हालांकि, पूर्व सीएम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पुराने मैसूर क्षेत्र में कोलार उनकी पसंदीदा सीट है, जहां पर उन्होंने पहले ही प्रचार शुरू कर दिया था। कांग्रेस पार्टी की ओर से 224 विधानसभा क्षेत्रों के लिए जारी की गई 124 सीटों की पहली सूची में बादामी निर्वाचन सीट सामिल नही थी, जहां से साल 2018 में सिद्धारमैया ने जीता था। साथ ही कांग्रेस की दूसरी लिस्ट में भी कोलार सीट भी नही था, जिस जगह से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की थी।

## रिसड़ा के बाद हावड़ा जाने से फैक्ट फाइंडिंग कमेटी को पुलिस ने रोका, हुई नोकझोंक

कोलकाता, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में रामनवमी के जुलूस के दौरान हावड़ा और रिसड़ा में हिंसा हुई थी। हिंसा की जांच के लिए कोलकाता पहुंची मानवाधिकार संगठन की फैक्ट फैक्ट फाइंडिंग टीम को फिर से मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। रिसड़ा के बाद रविवार को पुलिस अधिकारियों प्रतिनिधिमंडल को हावड़ा जाने से रोक दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इलाके में धारा 144 लागू है। इस कारण वे इलाके में नहीं जा सकते हैं। रविवार को इस टीम का मुख्य उद्देश्य हावड़ा में संबंधित घटना स्थल पर जाकर वहां रहने वाले घायलों के परिवारों से बात करना था। हावड़ा पुलिस ने फैक्ट फाइंडिंग टीम को वहां जाने से रोक दिया। पुलिस के मुताबिक, धारा 144 लागू होने के कारण छह प्रतिनिधिमंडल किसी भी तरह से इलाके में नहीं जा सकती हैं। हालांकि मौके पर जाने के इच्छुक प्रतिनिधिमंडल ने बार-बार पुलिस से बात करने की कोशिश की, हालांकि पुलिस अधिकारी फैसले पर अड़े रहे। इसे लेकर नोंकझोंक हुईं। फैक्ट फाइंडिंग टीम के एक सदस्य ने कहा, पुलिस ने कल हमें एक पत्र भेजा। मामला में हाईकोर्ट में विचाराधीन है। इलाके में धारा 144 लागू है। हमने जवाब दिया कि हम उस क्षेत्र में किसी भी अपराध की जांच नहीं करने जा रहे हैं। बस क्षेत्र का दौरा कर और घायलों से बात कर उनका आत्मविश्वास बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। इससे प्रभावित लोगों का भी आत्मविश्वास वापस आएगा और वे समझेंगे कि पूरी घटना का ठीक से आंकलन किया जाएगा। इसके पहले रिसड़ा के रास्ते में पुलिस ने एक गांव के सामने हमारी कार रोक दी थी, लेकिन हम पैदल जाना चाहते थे,

# बच्चे को दफनाने की हो रही थी तैयारी, तभी चलने लगी सांसें; अस्पताल बता चुका था 'मृत'

कोलकाता, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर के घाटल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ने एक जन्मजात बच्चे को मृत घोषित कर दिया था। मृत्यु प्रमाण पत्र भी परिवार को सौंप दिया गया था। बताया जा रहा है कि बच्चे को भी अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया। बच्चे का अंतिम संस्कार करते समय देखा गया कि बच्चे की श्वास भी चल रही है। बच्चे को जीवित पाकर परिवार के सदस्य खुश हैं, लेकिन अस्पताल प्रबंधन पर नाराज हैं।

घाटल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में हुई घटना से इलाके में सनसनीखेज फैल गई है। आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने अस्पताल में नवजात जीवित बच्चे को मृत बताकर उसके परिजनों को मृत्यु प्रमाण पत्र सौंप दिया है। हालांकि उसके परिवार के सदस्य स्थिति पर मुस्कुरा रहे हैं, लेकिन वे अस्पताल के अधिकारियों के खिलाफ गुस्से से भरे हुए हैं। जैसे ही उन्हें पता चला कि शरीर में जान है तो परिजन बच्चे को घाटल अस्पताल लेकर पहुंचे। जिस जीवित बच्चे को मृत्यु प्रमाण पत्र दिया गया था, उसे फिर से भर्ती करने के बाद डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया। ऐसी ही एक अभूतपूर्व घटना से पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई। बच्चे के परिवार ने इस घटना में डॉक्टरों को सजा देने की मांग की है। वे अस्पताल परिसर में ही आक्रोशित हो उठे। पुलिस ने आकर उन्हें शांत कराया। बच्चे का परिवार इस घटना में राज्य के मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित करना चाहता है।

**अस्पताल में भर्ती होने के बाद फिर बच्चे की हुई मौत**

इस घटना में अस्पताल अधीक्षक सुब्रत डे ने कहा, "जन्म के बाद बच्चे का वजन काफी कम था। इसका वजन सिर्फ 440 ग्राम था। दोपहर में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उन्हें सात घंटे तक रखा गया और फिर परिवार को सौंप दिया गया। फिर मैंने सुना कि बच्चे के परिवार ने देखा कि बच्चे का शरीर अभी जीवित है। फिर वे उसे वापस अस्पताल ले आए। हम घटना की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को देंगे।

पूरी घटना की जांच की जाएगी।" हालांकि, खबर लिखे जाने तक ताजा अपडेट में कहा गया है कि बच्चे को वापस अस्पताल लाया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। इस घटना पर उनके परिजनों ने रोष जताया। बच्चे के परिवार के सदस्य सलीम खान ने कहा, "कब्र खोदा गया था। उसके शरीर में जान है यह देखने के बाद हम बच्चे को अस्पताल लेकर आए। वहां इलाज के बाद डॉक्टरों ने कहा कि उसकी मौत हो गई। हमारा सवाल है कि बच्चा दो बार कैसे मर सकता है? हम प्रशासन से घटना की जांच की मांग कर रहे हैं।"

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 10 अप्रैल- 2023

# फिर कोविड-19 की आहट

दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल के सीनियर कंसल्टेंट एंड वाइस चेयरमैन क्रिटिकल केयर एंड इमर्जेंसी मेडिसिन के डॉक्टर प्रकाश एस शास्त्री के मुताबिक ये खांसी कोविड-19 वायरस नहीं है, बल्कि इनफ्यूएंजा A(H3N1) वायरस है जो आपको जकडने के बाद तीन हफ्तों तक परेशान करता रहेगा। समझदार सरकार और नागरिक वही है जो किसी भी त्रासदी से सबक लेकर भविष्य के लिए ऐसे जतन करें कि वह दोबारा न आ सके। उससे बचने के जितने भी उपाय संभव हो सके, वह सब करें। आखिर कौन नहीं जानता कि पिछले तीन साल के दौरान कोरोना विषाणु से उपजी महामारी की मार का जैसा दुखद अनुभव पूरी दुनिया ने सहा है, उसमें यह वक्त की जरूरत है कि सरकार, सभी अस्पताल, संस्थान से लेकर आम आदमी तक, अपनी ओर से हर स्तर पर सावधानी बरतें, लेकिन देखने में आ रहा है कि कोरोना से बचाव के उपाय पर अब लोग ध्यान नहीं दे रहे हैं। नतीजतन कोरोना-19 का वैरिएंट फिर अपना पांव तेजी से पसारने लगा है। फिलहाल यह चिंता इसलिए भी सता रही है कि बीते कुछ दिनों से एक बार फिर कोरोना के संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। हालांकि सरकार ने सावधान किया है कि इसे लेकर अनावश्यक डर पैदा करने की जरूरत नहीं है, फिर भी सतर्क रहना जरूरी है। सरकार की इस सलाह पर अमल की जरूरत है, क्योंकि किसी भी स्थिति में बीमारी या कोई अन्य त्रासदी के वक्त डरने के बजाय सबसे ज्यादा जरूरत धीरज के साथ उसका सामना करने की होती है। अगर समझदारी के साथ उससे निपटने के इंतजाम किए जाएं, लोग अपनी तरफ से विषाणु से बचाव के पुराने सभी तौर-तरीके अपनाएं तो कोई कारण नहीं कि इसके खतरों से पार न पाया जा सके। लेकिन देखने में जिस तरह की लापरवाही सामने आ रही है उसके परिणाम शुरुआती दो साल में कोरोना के संक्रमण और उसकी मार ने दुनिया भर में कैसी त्रासदी पैदा की उसे भी देख लेना चाहिए। देश की राजधानी दिल्ली में ही बीते एक हफ्ते में कोरोना विषाणु के संक्रमण के तीन हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए है और इसमें दिनोदिन तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। देश के अन्य कुछ राज्यों में भी इसके संक्रमण से चिंता पैदा होना स्वाभाविक है। लेकिन इसका सामना करने के अन्य उपायों के समांतर अभी सबसे ज्यादा जरूरत इससे बचाव के उपायों के प्राथमिक तरीकों को लेकर सभी स्तर पर गंभीरता बरतने की है। इसके मद्देनजर ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने शुक्रवार को देश में कोविड-19 की स्थिति को लेकर राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान कोविड से संबंधित जांच और जीनोम सीक्वेंसिंग के साथ कोरोना से बचाव के लिए निर्धारित नियमों के पालन पर गंभीरता बरतने को लेकर भी बात हुई। खासतौर पर सभी राज्यों को स्वास्थ्य सुविधाओं और इससे संबंधित बुनियादी ढांचे को लेकर समीक्षा पर ध्यान देने को कहा गया। बता दें कि करीब तीन साल पहले जब इस महामारी की शुरुआत हुई थी, तब इस तरह की मुश्किल स्थिति अचानक पैदा होने की वजह से स्वास्थ्य के मोर्चे पर इसका सामना करने के मामले में कई स्तर पर गंभीर चुनौतियां खड़ी हुऱ्इं थी। हालांकि तब भी सरकार की ओर से ऐसे वैकल्पिक इंतजाम किए गए, जिसकी वजह से काफी हद तक हालात पर काबू पाया जा सका। मगर इसी दौरान यह भी समझने का मौका मिला कि इस विषाणु की प्रकृति किस तरह एक स्वरूप में स्थिर नहीं है और इसके बदलते और नए बहुरूपों से निपटने के लिए एक दीर्घकालिक नीति की जरूरत है। यही वजह है कि बीच में कोरोना विषाणु की मारक क्षमता का जोर कम होने, टीकाकरण और अन्य स्तर पर व्यापक उपाय करने जैसी स्थितियों के बावजूद सरकार ने इस पर गहरी नजर रखी और इससे बचाव को लेकर समय-समय पर दिशानिर्देश जारी किए जाते रहे। इसके बावजूद हकीकत यह है कि कोरोना के बहुरूपों ने दुनिया भर में बचाव के उपायों को लेकर सिर्फ सजग रहने का ही विकल्प छोड़ा है। इस साल एक बार फिर अचानक ही इससे संक्रमण के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसे लेकर निश्चित रूप से अभी घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन इस मसले पर बचाव के उपायों को लेकर किसी भी स्तर पर की गई लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए सुरक्षा का उपाय ही सबसे बेहतर विकल्प है।

# अपने लेखन की हर कीमत चुकाने को तत्पर थे रज्जू बाबू

नवीन जैन

इधर के कुछ बरसों में दिल्ली के बुद्धिजीवी अड्डों पर बहस का विषय अक्सर यह होता है कि हिंदी पत्रकारिता के महानायक सौभाग्य से इन्दौर के मूल निवासी स्व.राजेंद्र माथुर उर्फ़ रज्जू बाबू ,खासकर आज के दौर में में होते, तो क्या लिखते? माथुर साहब को जिन लोगों ने अच्छे से पढ़ रखा है, वो कदाचित जानते होगें कि देश में तब भी धार्मिक कट्टरता को लेकर लगभग आज जैसा ही माहौल था। उन्हीं दिनों रज्जूबाबू की कलम से एक आकाशवाणी जैसा वाक्य गुजरा था,जिसमें उन्होंने कहा था कि जब देश ही नहीं बचेगा ,तो हिंदुत्व को आखिर आप ले जाकर किस खूंटी पर टांगोगे। माथुर साहब यदि जिंदा होते तो बार बार इसी जुमले को दोहराते।भारत की यह खुशकिस्मती या बदकिस्मती कहिए कि इसकी नियती अनेकता में एकता के सिद्धांत पर ही अवलंबित है। हम तमाम धर्म के लोग या तो साथ में रहकर जी सकते हैं या साथ में रहकर ही मर सकते हैं इसके सिवा देश की तकदीर में कोई विकल्प लिखा ही नहीं है। कभी भाजपा के थिंक टैंक रहे के.गोविंदाचार्य तक ने यह लिख दिया था कि जो देश में सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय है ,उन्हें ले जाकर क्या अरब सागर में फेंक दोगे। तभी गोविंदाचार्य ने भाजपा का चाणक्य होते हुए नारा गड़ा था कि भाजपा को अब अपना चेहरा, चाल और चरित्र बदलना पड़ेगा। दीगर बात है कि के.गोविंदाचार्य जैसे लोगों के विचारों पर अब भाजपा के लोगों ने ही गर्द जमा दी है,लेकिन इतिहास में कही गई कुछ बातें अमिट रहती हैं। जैसे देश के प्रथम उपप्रधान मंत्री और प्रथम गृहमंत्री स्वर्गीय सरदार वल्लभ भाई पटेल के पास जब कुछ लोग पृथक खालिस्तान की मांग लेकर गए, तो उन्होंने यह कहकर उन लोगों को डपट दिया था कि यदि तुम्हारी मांग मान लूं तो कल को कोई जाटों के लिए अलग देश मांगेगा और अंततः यह पूरा देश पागलिस्तान बन जाएगा। अब यह कहने की क्या आवश्यकता है कि राजेंद्र माथुर भी सरदार वल्लभ भाई पटेल की तरह ही स्वप्नदृष्टा तो थे ही ,लेकिन उसके पहले दूरदृष्टा थे।और, अपने सिद्धांतों के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर देने को हरदम तैयार रहते थे।शायद ,इसीलिए साठ बरस की उम्र के पहले ही चले गए। माथुर साहब को कुछ और अच्छे से समझने के लिए कुछ अन्य वाकए याद आ रहे हैं।एक बार माथुर साहब के अधीन काम कर चुके एक वरिष्ठ पत्रकार से दिल्ली स्थित किसी वरिष्ठ अधिकारी ने पूछा कि आपके ये माथुर साहब आखिर गांधी वादी हैं,नेहरूवादी हैं,वामपंथी हैं ,समाजवादी हैं ?कुल मिलाकर आखिर हैं क्या?तो, उक्त वरिष्ठ पत्रकार ने हंसते हुए जवाब दिया कि माथुर साहब इनमें से कुछ भी नहीं है। वे सिर्फ एक सच्चे देशभक्त हैं ,और इस भावना को प्रमाणित करने के लिए वे हरदम अपना सबकुछ बलिदान करने के लिए तत्पर रहते हैं। नवभारत टाइम्स के प्रबंधकों ने जब खुद होकर इंदौर में नई दुनिया के प्रधान संपादक रहे राजेंद्र माथुर को जब नवभारत टाइम्स की कमान सौंपी, तो स्वर्गीय अशोक जैन के एम. डी. रहने तक तो माथुर साहब को लिखने और बोलने की पूरी आजादी थी।

# आदर्श नारी की प्रतिमान देवी अनुसूईया

भारतीय नारी के इतिहास में सती-साध्वी पतिव्रता नारियों में सर्वोच्च स्थान रखने वाली देवी अनुसूईया (अनुसूया) प्रजापति कर्दम और देवहूति की प्रमुख चौबीस कन्याओं में से एक थी। ह्रदय से अत्यंत सरल, सहज और निश्छल देवी अनुसूईया सती आदर्श नारी की प्रतिमान मानी गई हैं। उच्च कुल में जन्म लेने पर भी इनके मन में किसी प्रकार का लेशमात्र भी अहंकार नहीं था। अनुसूईया ब्रह्मा के मानस पुत्र संत महर्षि अत्रि मुनि की पत्नी थी। महर्षि अत्रि सतयुग के ब्रह्मा के दसपुत्रों में से थे। उनका आखिरी अस्तित्व चित्रकूट में सीता-अनुसूईया संवाद के समय तक था। उन्हें सप्तऋषियों में से एक माना जाता है। मान्यता है कि ऋषि अत्रि पर अश्विनीकुमारों की भी कृपा थी। अत्रि ऋषि की पत्नी और ब्रह्मवादिनी (संन्यासीन) सती अनुसूईया के पति भक्ति की प्रसिद्धिकी कथाएं तो रामायण, महाभारतऔर कई पौराणिक ग्रन्थों में स्वर्णाक्षरों में अंकित हैं। माता अनुसूईया पतिव्रता धर्म निभाने वाली तीनों लोकों में सर्वश्रेष्ठ नारी थी। उनके दरबार में आए हुए समस्त ऋषि, पशु-पक्षी व अन्य कोई भी प्राणी बिना भोजन किए नहीं जाते थे। उनकी पतिव्रता धर्म की तेज व शक्ति इतनी अधिक थी कि आकाश में जाते हुए देवताओं को भी इसका अनुभव होता था।उनके तेज व शक्ति के प्रभाव के कारण ही उन्हें सती अनुसूईया कहा जाता है। माता अनुसूईया भारत की महान पांच पतिव्रता स्त्रियों में शामिल हैं। अनुसुईया के साथ द्रौपदी, सुलक्षणा, सावित्री और मंदोदरी को पतिव्रता पत्नी माना जाता है। अनुसूईया ने तीनों लोकों के परमात्मा साक्षात ब्रह्मा, विष्णु और शिव तीनों की कठिन तपस्या कर उनके दिए हुए वरदान से अपने तीन पुत्रों की प्राप्ति की थी। रामायण के अनुसार भगवान राम के वनवास गमन के समय श्रीराम, माता सीता व लक्ष्मण का स्वागत कर सती अनुसूईया ने अपने आश्रम में उन्हें आश्रय दिया था।इस समय भगवान श्रीराम की प्रिय पत्नी माता सीता को इन्होने अपने पतिव्रता धर्म की शिक्षा भी दी थी। इन्होंने सीता को कुछ आभूषण भी दिए थे। सीता ने सिर्फ इनके द्वारा दी गई आभूषणों को ही वनवास काल में धारण किया था।देवी अनुसूईया ने अपनी सतत सेवा तथा प्रेम व स्नेह से महर्षि अत्रि के ह्रदय को जीत लिया था।जिससे प्रसन्न होकर महर्षि अत्रि मुनि ने अनुसूईया को पातिव्रत्य धर्म ऐसे ही युगों-युगों तक निभाने का आशीर्वाद प्रदान किया था।अपने पातिव्रत धर्म का पालन करते हुए अनुसुईया ने पूर्ण सेवा और समर्पण का भाव दिखाया। अपने पति के लिए इनके समर्पण भाव की प्रशंसा सर्वत्र होने लगी। इनके पतिव्रता की ख्याति तीनों लोकों में फ़ैल गई।उनके इस सती धर्म की प्रशंसा जब देवी पार्वती, लक्ष्मी और सरस्वती तक पहुंची, तो त्रिदेवियों के मन में द्वेष का भाव जागृत हो गया। दुर्भावना आ गई। इसके कारण देवी अनुसुईया को परीक्षा की स्थिति का सामना करना पड़ा। मार्कण्डेय पुराण, श्रीमद्भागवत व महाभारत के सभापर्व में अंकित कथाओं के अनुसारएक समय त्रिदेवियों अर्थात सरस्वती, लक्ष्मी व पार्वती को अपने पातिव्रत्य पर अत्यंत गर्व हो गया, तो परमेश्वर ने त्रिदेवियों का अहंकार नष्ट करने के लिए लीला रची।लीलानुसार एक दिन देवऋषि नारद ने त्रिदेवियों के समक्ष जाकर माता अनुसूईया के सतीत्व की महिमागान करते हुए कहा कि उन के सामने आपका सतीत्व कुछ भी नहीं है,अर्थात अत्यंत फीका है। अनुसूईया के सतीत्व की बखान सुन त्रिदेवियों ने त्रिदेवों को अनुसूईया के पातिव्रत्य की परीक्षा लेने के लिए कहा। त्रिदेवों ने त्रिदेवियों को समझाने का पूर्ण प्रयास किया, किन्तु जब त्रिदेवियां नहीं मानी तो विवश होकर त्रिदेव- ब्रह्मा, विष्णु व महेश महर्षि अत्रि की अनुपस्थिति में उनके आश्रम गए। वहाँ जाकर त्रिदेव साधुओं का वेश धारण कर आश्रम के द्वार पर भोजन की मांग करने लगे। अनुसूईया के कन्द-मूल, फल आदि भोजन दिए जाने पर उन्होंने देवी के सामने एक शर्त रखी कि वह तीनों यह भोजन तभी स्वीकार करेंगे, जब देवी निर्वस्त्र होकर उन्हें भोजन परोसेंगी। इस पर देवी अनुसूईया चिंता में डूब गई कि वह ऐसा कैसे कर सकती हैं? साधुओं का अपमान न हो इस डर से घबराई अनुसूईया ने अपनी आँख मूंद कर पति को स्मरण किया, तो उन्हें दिव्य दृष्टि प्राप्त हुई और साधुओं के वेश में उपस्थित त्रिदेवों को उन्होंने पहचान लिया। इस पर देवी ने कहा कि साधुओं की इच्छा अवश्य पूर्ण होगी, किन्तु इसके लिए उन्हें शिशु रूप में जन्म लेकर उनका पुत्र बनना होगा।उन्होंने अपने पति को स्मरण कर कहा कि यदि मेरा पतिव्रत्य धर्म सत्य है, तो ये तीनों साधु छः मास के शिशु हो जाएं।इतना कहते ही त्रिदेव शिशु बनकर रोने लगे। तब अनुसूईया ने माता बनकर त्रिदेवों को स्तनपान कराया। त्रिदेव अनुसूईया के पुत्र बन कर आश्रम में रहने लगे। अत्यधिक समय बीत जाने के पश्चात भी त्रिदेव देवलोक नहीं पहुँचे, तो पार्वती, लक्ष्मी और सरस्वती चिंतित, दुखी एवं व्याकुल हो गई। तब नारद ने त्रिदेवियों को सारी बात बताई। त्रिदेवियां देवी अनुसईया के समक्ष पहुँच उनसे से क्षमा याचना करते हुए अपने त्रिदेव पतियों को बाल रूप से मूल रूप में लाने की प्रार्थना की।तब अनुसूईया ने त्रिदेव को अपने पूर्व मूल रूप प्रदान किया और तभी से वह माता सती अनसूईया के नाम से प्रसिद्ध हुई।प्रसन्नचित्त त्रिदेवों ने देवी अनुसूईया को उनके गर्भ से पुत्र रूप में जन्म लेने का वरदान दिया। तब ब्रह्मा अंश से चंद्र, शंकर अंश से दुर्वासा व विष्णु अंश से दत्तात्रेय का जन्म हुआ।

कुछ पुराणों में साधु वेश में त्रिदेवों के आने और निर्वस्त्र हो भोजन देने की मांग पर अनुसुईया के पति को स्मरण करने के स्थान पर उनके सीधे बाहर तपस्या कर रहे पति अत्रि मुनि के पास पहुँचने की बात कही गई है। अनुसूईया के द्वारा साधुओं की मांग की शर्त को सुनकर बाहर तपस्या कर रहे अत्रि मुनि ने कहा कि तुम्हारी परीक्षा लेने के लिए आए हुए वे तीनों साक्षात परमात्मा ही हैं।तुम तो उनकी पुत्री के समान हो। वे तीनों हमारे समस्त जगत के माता-पिता है।माता-पिता के सामने निर्वस्त्र होने में किस बात की लज्जा है? जाओं तुम उनके उद्देश्य का पालन करों।जाते-जाते देवी अनुसूईया बड़े संकट में पड़ने के कारण यह सोचने लगती हैं कि अगर मैंने पतिव्रता धर्म का सही पालन किया है, औरअपने पूरे तन, मन, वचन व कर्म से कर रही हूँ तो ये आए हुए तीनों ऋषि, मेरे नवजात शिशु हो जाएँ। यह सोचते हुए देवी अनुसूईया ऋषियों के बताए हुएनियमों का पालन करते हुए निर्वस्त्र होकर भोजन परोसने लगी।यह देखकर तीनों ऋषि नवजात शिशु हो गए और वो देवी अनुसूईया की गोद में खेलने लगे। देवी अनुसुईया का संपूर्ण जीवन आदरणीय व अनुकरणीय रहा है।उनकी पवित्रता और उनका साध्वी रुप सभी विवाहित महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहा है।माता अनुसूईया की छायाचित्र आज भी लोग घरों में लगाते हैं। नित्य उनकी दर्शन पाकर उनकी पवित्रता सबके मन में समा जाती हैं। लोग उन्हें सादर प्रणाम कर धन्य हो जाते हैं। और कन्याओं व स्त्रियों को माता अनसूईया के चरित्र की शिक्षा देते हैं।स्त्रियां माता सती अनुसुईया से पतिव्रता होने का आशीर्वाद पाने की कामना करती हैं।ऐसी मान्यता है कि पतिव्रता धर्म के लिए प्रसिद्धमाता अनुसुईया का अवतरण इस धरा पर बैशाख महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को हुआ था, इसलिए बैशाख कृष्ण चतुर्थी के दिन माता अनुसुईया जयंती मनाया जाता है। इस अवसर पर इनकी प्रतिमा अथवा चित्र सजाकर या मंदिरों मेंविशेष पूजा, आरती की जाती है।

विवाहित महिलाएं इस दिन व्रत का पालन करसती अनुसुईया के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेती है। देवी अनुसुईया प्रसन्न होकर अपने भक्तों के दुःख दूर करती हैं और उन्हें अखंड सौभाग्यवती होने का वर देती है। इस वर्ष 2023 में बैशाख कृष्ण चतुर्थी 10 अप्रैल 2023 दिन सोमवार को पड़ने के कारण इस दिन माता अनुसूईया जयंती मनाई जाएगी।भारत के उतराखंड राज्य में देवी अनुसूईया के एक प्रसिद्ध व प्राचीन मंदिरमें अनुसूईया के जन्म दिवस की पूजा- अर्चना, जप - रात्रि जागरण व अन्य गतिविधियों की शोभा देखते ही बनती है। पौराणिक मान्यता है कि इसी स्थल पर त्रिदेव माता अनुसूईया की परीक्षा लेने के लिए आए थे और देवी से भोजन कराने की प्रार्थना की थी। देवी ने अपने सतीत्व से त्रिदेवों को पहचान लिया, इससे त्रिदेव असली रुप में आ गए। मान्यता है कि माता अनुसुईया से भगवान शिव दुर्वासा के रुप में मिले थे।

-अशोक "प्रवृद्ध"

# जानें रेपो रेट क्यों नहीं बढ़ा

अबकी अप्रैल मौद्रिक नीति समीक्षा मीटिंग में कई विशेषज्ञों के आशंकाओं के विपरीत रिजर्व बैंक ने रेपो रेट नहीं बढ़ाया। एक तरफ जहां चारों ओर वित्तीय संकट छाया है अमेरिकन और यूरोपियन बैंक ब्याज दर बढ़ा रहें हैं ऐसे में इस बार भारत के रिजर्व बैंक ने अपना रेपो रेट नहीं बढ़ाना चौंकाने वाला था। यह सब उन सब के लिए राहत की बात है जिन्होंने पिछले एक सालों में बढ़ोत्तरी के 6 झटके देख चुके हैं, रेपो रेट 4 फीसदी से 6.5 फीसदी पहुंच गया और ईएमआई बढ़ चुकी है .अब कम से कम मध्य वर्ग को यह सुकून हो गया कि नया लोन महंगा नहीं होगा और मौजूदा लोन की किश्त भी नहीं बढ़ेगी। रिजर्व बैंक ने शायद यह कदम रिकवरी के मोमेंटम को थामे रखने के लिए किया है क्यूंकि तमाम वैश्विक संकटों के बीच भारत की इकोनॉमी मजबूत बनकर सधे कदमो से आगे बढ़ रही है। शायद इसीलिए रिजर्व बैंक ने कहा है की की यह एक ठहराव है और अप्रैल बैठक के लिए ही माना जाय, अगला फैसला हालात देख कर ही होगा। वैसे भी महंगाई उसके तय लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है ऐसे में वह अगर रेपो रेट बढ़ाती तो उपभोक्ता की क्रय क्षमता कम हो सकती थी जिस कारण वर्तमान में बनी हुई मोमेंटम डिस्टर्ब हो सकती थी। हालांकि रेपो रेट नहीं बढ़ाने के बावजूद रिजर्व बैंक ने महंगाई के अनुमान में कटौती के रूप में राहत भरी जानकारी दी है। इससे ऐसे संकेत मिलते हैं की आगे शायद रिजर्व बैंक दरों को कम करना शुरू कर ग्रोथ रेट और महंगाई के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करे। ग्रोथ रेट, करेंसी और महंगाई के बीच संतुलन साधने के लिये रिजर्व बैंक हर दो महीने के अंतर् पर द्वारा मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग करती है। इस बार की बैठक में महंगाई में कटौती का अनुमान तो लगाया गया लेकिन अभी भी यह RBI के टारगेट के ऊपर है और चिंता का कारण बनी हुई है। फरवरी में रिटेल महंगाई 6.44 थी जबकि पिछले साल फरवरी 2022 में यह 6.07 फीसदी थी। भले ही महंगाई दर लक्ष्य से ऊपर हो लेकिन वित्त मंत्री ने भी बोला है की इसे 6 से नीचे रखना भी एक बड़ा काम था वह भी तब जब विश्व स्तर पर परिस्थितियां प्रतिकूल हों। महंगाई की इन चिंताओं के बाद भी रिजर्व बैंक ने अगर बढ़ोत्तरी नहीं किया है इसका मतलब उसे क्रय शक्ति को बढ़ाना है। इस महीने की शुरुआत में मॉनेटरी पॉलिसी में रेपो रेट की पिछली वृद्धि को देखते हुए, असोचम ने रिजर्व बैंक से गुजारिश की थी की वह ब्याजदर नहीं बढ़ाये। पिछले वित्तीय वर्ष में 6 बार रिजर्व बैंक ने रेपो रेट बढ़ाया था। रिजर्व बैंक का मानना है की महंगाई से लड़ने के लिए रेपो रेट एक महत्वपूर्ण हथियार है । हालांकि अब तक हुई वृद्धियों से शहरी मध्यवर्ग बहुत परेशान है की वह महंगाई से लड़े या बढ़ती हुई EMI से। एक नौकरी पेशा वाले से बात करने पर पता चला की जहां पिछले अप्रैल 2022 में उसकी किश्त 88 हजार थी वह अब ब्याज दर बढ़ने के कारण 98 हजार हो गई है जबकि उसने कोई नया लोन नहीं लिया है। कमोबेश सबकी यही हालत है। एक और आईटी प्रोफेशनल ने बताया था की साल भर पहले जब होम लोन लिया था और आज के किशत में 25 हजार का फर्क आ गया है ऐसे में अगर इन्क्रीमेंट नहीं हुआ तो उसे दिक्कत आने वाली है। हालांकि रिजर्व बैंक गणितीय एप्रोच पर चल रही है वह है महंगाई अगर कम करना है तो रेपो रेट बढ़ाना है। वही शहरी वर्ग कह रहा है की इस एप्रोच से किश्त बढ़ रहा है और महंगाई से तो राहत मिल नहीं रही है अतः रिजर्व बैंक को कोई अलग एप्रोच अपनाना चाहिए। शायद लगता है इस बार रिजर्व बैंक ने इस बार ध्यान दे दिया। हालांकि महंगाई का यह दर्द शहरी वर्ग को ज्यादा है बनिस्पत ग्रामीण या कस्बाई क्षेत्र के क्योंकि शहरी वर्ग सब कुछ लगभग बाहर से खरीद कर ही लाता है। वह खेती नहीं करता है या वह कसबे में नहीं है की उसे डायरेक्ट किसान से कुछ खरीद ले।

उसे तेल से लगायत सब्जी सब खरीदना पड़ता है। इसलिए जिस महंगाई को कम करने के लिए किश्त की मार बढ़ाई जा रही है वह बूमरैंग कर शहरी मध्य वर्ग के पास आ जा रही है। उपरोक्त परेशानी के बाद भी रिजर्व बैंक को सबसे आसान अस्त्र यही लगता है स्लोडाउन से लड़ने के लिए । क्यूंकि मुद्रास्फीति और ब्याज दर एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। मुद्रास्फीति बढ़ती है तो पीछे से इसे नियंत्रित करने के लिए ब्याजदर बढ़ता है और यदि घटती है तो ब्याज दर घटना शुरू हो जाता है। यह एक चक्र है और चलता रहता है। रेपो रेट का इस्तेमाल मुद्रास्फीति का प्रबंधन करने के लिए दुनिया भर के केंद्रीय बैंक प्राथमिक उपकरण के रूप में करते हैं। जब मुद्रास्फीति गिर रही होती है और आर्थिक विकास धीमा हो रहा होता है, तो केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए ब्याज दरों को कम कर देते हैं। इससे अर्थव्यवस्था में मुद्रा का प्रवाह बढ़ जाता है, ऋण का ब्याज सस्ता हो जाता है लोग ऋण लेना शुरू कर देते हैं, जमा पर ब्याज कम हो जाता है तो लोग बैंक में जमा करने की जगह अन्य जगह विनियोग करने लगते हैं। इससे बाजार में मुद्रा की मात्रा और चलन बढ़ जाती है। इसी कारण जब मुद्रास्फीति बढ़ती है तो बाजार से मुद्रा को बाहर कर वापस बैंक में लाने के लिये केंद्रीय बैंक ब्याज दर बढ़ा देते हैं और यदि मुद्रा स्फीति घटती है तो उसका पीछा करते हुये ब्याज दर घटा देते हैं। ऋण की लागत में वृद्धि कर रिजर्व बैंक उपभोक्ता और व्यावसायिक खर्च को हतोत्साहित करती हैं। कम लोन लेने और ज्यादा जमा करने से बाजार में मुद्रा की मात्रा घट जाती है जिससे मुद्रा स्फीति गिर जाती है और महंगाई कम होती है। यही कारण है कि रिजर्व बैंक व्यावहारिक फॉर्मूले की जगह इसी गणितीय फॉर्मूले से देश की महंगाई को नियंत्रित कर रहा है जिस कारण एक तरफ तो आंकड़ों में कुछ राहत की तो उम्मीद है लेकिन शहरी मध्यवर्ग हर बार की तरह इस बार भी परेशान हो गया है।

-पंकज गांधी

# मुझे भी कोई कुत्ता खरीद ले

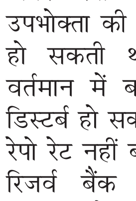

रामविलास जांगिड़

कई कुत्ते मेरे पीछे घूम रहे हैं और आजकल वे मुझे पालने की फिराक में हैं। बहुत सारे कुत्तों को मैंने देखा है, जिन्होंने बढ़िया से बढ़िया मालिक पाल रखे हैं। हर एक प्रतिष्ठित कुत्ते के पास अपने ढंग का एक खास पालतू मालिक है। कुत्ते अपने-अपने मालिकों को सुबह-शाम सैर कराने ले जाते हैं। झील किनारे, गार्डन घास में, कुत्ते सैर कराते हैं अपने मालिकों को! और साथ ही उनको कुछ खिलाते-पिलाते कुत्ता मालिकों का एक विशिष्ट दल भी दिखा है। अंतरराष्ट्रीय कुत्ता आयोग में इनकी मीटिंगें देख कर मुझे लगता है कि कोई भला कुत्ता मुझे भी खरीद कर पाल ही लेगा। इन कुत्तों के ऊंचे ओहदे हैं। कुछ मंत्री बने हुए हैं और कुछ अफसर! जब अच्छे-खासे नेता-मंत्री तक कुत्तों के हाथों पाले जाते हैं। खेल सहित खिलाड़ी भी कुत्तागर्दी में ढाले जाते हैं। कवि और लेखक भी पालतू बन गए हैं। नीति, नियम, संस्कृति, कायदे, सारे फालतू बन गए हैं। कला और संस्कृति भी पाल ली गई है। तब मैं इस निर्णय पर पहुंचा हूं कि कोई ढंग का कुत्ता आए और मुझे भी पाल ले। जब बड़े-बड़े इंसानों के गले में पट्टे बंधे देखता हूं और उन्हें कुत्ते अपने हाथ में रस्सी पकड़ कर चलते दिखाई देते हैं, तो मेरा मन उछल रहा है कि अब मैं भी किसी न किसी कुत्ते का पालतू बन ही जाऊं। अर्थात कुत्ते को अपना मालिक बना ही लूं। कुत्ता मुझे पालेगा तो बड़ा अच्छा रहेगा। वह मुझे नदी किनारे घुमाने ले जाएगा। सैर कराएगा। किसी शॉपिंग मॉल में ले जाकर ढेर सारे गिफ्ट दिलाएगा। मुझे ढंग से पेशाब करवाने ले जाएगा। ऐसे कुत्ते की मुझे तलाश है। ऐसे अशिष्ट-वान शिष्ट कुत्ते किसी सरकारी कार्यालय में होंगे या फिर किसी सियासी पार्टी के दलदल में! भारत में होंगे या अमेरिका में! या फिर लंदन में! लंदन की टेम्स नदी के किनारे घूमने का मजा ही कुछ और है! सुंदर सी मुलायम गोरी कुतिया आएगी और मुझे खरीद कर ले जाएगी। मुझे नरम-नरम हाथों से सहलाएगी। क्या हसीन ख्वाब है! हे कुत्ते भाइयो! आप जल्दी आ जाइए। मैं बिकने को तैयार हूं। कल को कोई गधा खरीद लेगा, तो फिर मुझे कुछ मत कहना। पिछवाड़े का एक चमगादड़ भी उल्टा लटक कर मुझे खरीदने के लिए तैयार बैठा है। संसद भवन के पीपल वाले पेड़ पर बैठे उल्लू ने मुझे पालने-खरीदने का ऑफर दे दिया है। मैं पता नहीं कब, कैसे, किसके हाथों बिक जाऊं; किस पार्टी का पट्टा गले में लटकाऊं; पता नहीं कब किसका हो जाऊं; जाने किस दलदल में खो जाऊं; ये खुद मुझे मालूम नहीं है। बड़े लुभावने ऑफर आ रहे हैं मेरे सामने! चारों और बिके हुए लोगों को देखता हूं, तब मैं अनबिका कैसे रह सकता हूं? किसी के गले में कौन सी पार्टी का पट्टा! किसी की पूंछ में कौन सी पार्टी का झंडा! कुछ कहा नहीं जा सकता! बढ़िया होगा कि मुझे कोई खरीद ले। मुझे एक अच्छा-खासा पट्टा पहना दे, ताकि मैं उसकी परिक्रमा करते हुए, उसके चरणों को चाटता-चूमता रहूं। मालिक के रात कहने पर दिन को रात कहूं।

# भारत और भूटान : सदियों पुराने मित्र भाईचारे का प्रमाण

प्रियंका सौरभ

भारत और भूटान के बीच संबंध विश्वास, सद्भावना और आपसी समझ के स्तंभों पर आधारित हैं। दोनों पड़ोसियों के बीच घनिष्ठ सभ्यतागत, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध हैं जो सदियों पुराने हैं। भारत-भूटान संबंधों का मूल ढांचा दोनों देशों के बीच 1949 में हस्ताक्षरित मित्रता और सहयोग की संधि है, जिसे 2007 में नवीनीकृत किया गया था। भारत और भूटान के बीच बहु-क्षेत्रीय सहयोग है,व्यापार और आर्थिक संबंध में भारत भूटान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और भूटान में निवेश का प्रमुख स्रोत बना हुआ है। 2021 में, भारत ने भारत के साथ भूटान के द्विपक्षीय और पारगमन व्यापार के लिए सात नए व्यापार मार्गों को खोलने की औपचारिकता को औपचारिक रूप दिया। भूटान से भारत में 12 कृषि-उत्पादों के औपचारिक निर्यात की अनुमति देने के लिए नई बाजार पहुंच भी प्रदान की गई। डिजिटल सहयोग के लिए हाल के दिनों में, सहयोग के पारंपरिक दायरे से परे नए क्षेत्रों में सहयोग हुआ है। उदाहरण के लिएः तीसरे अंतर्राष्ट्रीय इंटरनेट गेटवे जैसे डिजिटल बुनियादी ढांचे की स्थापना। इसके अलावा, भारत के राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के साथ भूटान के ड्रुकरेन का एकीकरण ई-लर्निंग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सहयोग है। भारत न केवल भूटान का सबसे बड़ा विकास भागीदार है बल्कि माल और सेवाओं में इसके व्यापार के स्रोत और बाजार दोनों के रूप में सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार भी है। भारत भू-आबद्ध भूटान को न केवल पारगमन मार्ग प्रदान करता है, बल्कि जलविद्युत, अर्ध-तैयार उत्पाद, फेरोसिलिकॉन और डोलोमाइट सहित भूटान के कई निर्यातों के लिए सबसे बड़ा बाजार भी है। वित्तीय सहयोग/एकीकरण के तहत रुपे परियोजना का पहला चरण भूटान में शुरू किया गया। 2021 में भारत का भारत इंटरफेस फॉर मनी भी लॉन्च किया गया। अंतरिक्ष सहयोग द्विपक्षीय सहयोग का एक नया और संभावना-युक्त क्षेत्र है। भारत और नेपाल के दोनों प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त रूप से 2019 में थिम्फू में दक्षिण एशिया उपग्रह के ग्राउंड अर्थ स्टेशन का उद्घाटन किया, जो इसरो के सहयोग से बनाया गया था। इसके अलावा, भारत-भूटान सैट को 2022 में इसरो के पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल द्वारा अंतरिक्ष में लॉन्च किया गया था। भूटान के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी पनबिजली सहयोग द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग का मूल है। मांगदेछु सहित 4 पनबिजली परियोजनाएं (HEP) पहले से ही भूटान में चालू हैं और भारत को बिजली की आपूर्ति कर रही हैं। शैक्षिक, सांस्कृतिक सहयोग और लोगों के बीच आदान-प्रदान हेतु भारत और भूटान के बीच शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में घनिष्ठ द्विपक्षीय सहयोग है। चिकित्सा, इंजीनियरिंग आदि सहित विभिन्न विषयों में भारत में अध्ययन करने के लिए भूटानी छात्रों के लिए भारत सरकार द्वारा सालाना 950 से अधिक छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। कई भूटानी तीर्थयात्री बोधगया, राजगीर, नालंदा, सिक्किम, उदयगिरि और अन्य बौद्ध स्थलों की भारत में यात्रा करते हैं। रणनीतिक संबंधों को मजबूत करते हुए, भारत ने 1961 में भूटानी सुरक्षा बलों को प्रशिक्षित करने के लिए भूटान में अपनी सैन्य प्रशिक्षण टीम तैनात की और तब से भूटानी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। सुरक्षा और सीमा प्रबंधन के मुद्दों, खतरे की धारणा, भारत-भूटान सीमा प्रवेश निकास बिंदुओं के समन्वय, और अन्य पहलुओं के बीच वास्तविक समय की जानकारी साझा करने से संबंधित कई कार्य नियमित रूप से दोनों देशों द्वारा किए जा रहे हैं। समय के साथ भारत और भूटान के बीच संबंध ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और व्यापार, सुरक्षा और खुफिया जानकारी साझा करने, डिजिटलीकरण, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और संरक्षण जीव विज्ञान क्षेत्रों सहित व्यापक मुद्दों पर व्यापक साझेदारी और सहयोग में परिपक्व हो गए हैं। अतीत में विपरीत परिस्थितियों और चुनौतीपूर्ण समय में भारत हमेशा भूटान के साथ खड़ा रहा और भूटान ने इसे स्वीकार किया। एक मित्रवत और सहायक पड़ोसी के रूप में, भारत भूटान की जरूरतों के प्रति उत्तरदायी रहा है, जो समय-समय पर आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं और जो भी आवश्यक हो, की आपूर्ति करने वाले भूटान को दिए गए समर्थन से उदाहरण बन गया है।

भारत और भूटान के बीच सामंजस्यपूर्ण और टिकाऊ संबंधों के लिए कुछ मुद्दों पर ध्यान देने की आवश्यकता है जैसे चाइना फैक्टर देश की भू-रणनीतिक अवस्थिति भूटान को भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा की धारणा में बहुत महत्वपूर्ण बनाती है।

# त्र्यंबकेश्वर शिव मंदिर

प्राचीन मंदिरों के दर्शन करने निकलें हैं तो महाराष्ट्र के नासिक में स्थित त्र्यंबकेश्वर शिव मंदिर के भी दर्शन जरूर करें. कहा जाता है कि ये मंदिर द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक है. सावन में यहां दर्शन करने से काफी पुण्य मिलता है......

भगवान शिव का ये प्राचीन मंदिर नासिक जिले से 30 किलोमीटर की दूरी पर उस जगह पर स्थित है जहां से पवित्र गोदावरी नदी का उद्गम हुआ.

बताया जाता है कि ये मंदिर गोदावरी नदी के किनारे काले पत्थरों से बनाया गया है. मान्यता के अनुसार गौतम ऋषि और गोदावरी के आह्वान पर भगवान शिव ने इस स्थान पर निवास किया था.

इस मंदिर में तीन चेहरे ब्रह्मा, विष्णु और रुद्र के अवतार हैं. ये त्रिदेव लिंगम सोने के मुखौटे पर रखे गए एक आभूषण से ढका हुआ है. नासिक के पास त्र्यंबकेश्वर शहर समुद्र तल से 3000 फीट ऊपर ब्रह्मगिरी पहाड़ी की तलहटी में बसा हुआ है. इस प्राचीन मंदिर का पुनर्निर्माण 18 वीं शताब्दी के बीच में पेशवा बाजीराव ने करवाया था.

# उत्तर-पूर्व दिशा में फर्श के लिए चुने ये रंग

वास्तु शास्त्र में आज ईशान कोण, यानी उत्तर-पूर्व दिशा में फर्श के कलर के बारे में। वास्तु शास्त्र के अनुसार पश्चिम दिशा की तरह ही ईशान कोण, यानी उत्तर-पूर्व दिशा में भी फर्श के लिए सफेद रंग के मार्बल पत्थर का चुनाव करना बेहतर ऑप्शन है।

वास्तु के अनुसार, घर या ऑफिस की उत्तर-पूर्व दिशा में सफेद रंग का पत्थर लगवाने से उस दिशा से संबंधित वास्तु लाभ तो मिलते ही हैं, साथ ही जीवन में किसी तरह के अवरोध भी नहीं आते हैं और घर के सदस्य लगातार तरक्की के शिखर पर पहुंचते जाते हैं।

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, इससे सबके हाथों की मजबूती बनी रहती है और आप बिना किसी मदद के भी अपने काम पूरे करने की क्षमता रखते हैं। इसके अलावा आपको बता दूं कि उत्तर-पूर्व दिशा में सफेद रंग का पत्थर लगवाने से सबसे अधिक लाभ घर के छोटे बेटे को और उसके काम को मिलता है।

**पश्चिम दिशा में लगवाएं ऐसा मार्बल**

वास्तु शास्त्र के अनुसार पश्चिम दिशा में फर्श के पत्थर के लिए सफेद रंग का चुनाव करना अच्छा माना जाता है। इस दिशा में सफेद पत्थर का इस्तेमाल करने से आपको पश्चिम दिशा से संबंधी कई तरह के वास्तु लाभ देखने को मिलेंगे। इससे घर-परिवार में हर्ष तत्व बना रहता है, यानी घर के सभी लोगों के चेहरे पर मुस्कान बनी रहती है। साथ ही शरीर में इससे मुंह संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

# भगवान को प्रसाद चढ़ाते समय इन बातों का रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र में आज हम बात करेंगे पूजा में प्रसाद या नैवेद्य के बारे में। किसी भी पूजा में देवी-देवता को प्रसाद या नैवेद्य अर्पित किया जाता है, लेकिन उस प्रसाद का बाद में, यानी चढ़ाए जाने के बाद क्या करना चाहिए। उसे खाना चाहिए, फेंकना चाहिए, ऐसे ही पड़ा रहने देना चाहिए और एक बात और कि किस बर्तन में प्रसाद चढ़ाना चाहिये ?

**किन बर्तनों में चढ़ाएं भगवान को प्रसाद**

भगवान को प्रसाद धातु, यानि सोने, चांदी या ताम्बे के, पत्थर, यज्ञीय लकड़ी या मिट्टी के पात्र में चढ़ाना चाहिए।

**चढ़ाए हुए प्रसाद का क्या करें ?**

चढ़ाया हुआ नैवेद्य तत्काल निर्माल्य हो जाता है और उसे तुरंत उठा लेना चाहिए। प्रसाद को खाना चाहिए और यथा संभव बांटना भी चाहिए। देवता के पास पड़ा हुआ नैवेद्य निगेटिव एनर्जी छोड़ता है।

**चढ़ा हुआ प्रसाद क्यों तुरंत उठा लेना चाहिए**

देवता को समर्पित करके प्रसाद को तुरंत उठा लेना चाहिए। ऐसा न करने पर विश्वकसेन, चण्डेश्वर, चन्डान्शु और चांडाली नामक शक्तियों के आने की बात कही गई है। वास्तु शास्त्र में ये थी चर्चा पूजा में प्रसाद या नैवेद्य के बारे में। उम्मीद है आप इस वास्तु टिप्स को अपनाकर जरुर लाभ उठाएंगे।

# शिव महापुराण पढ़ने का प्रभाव

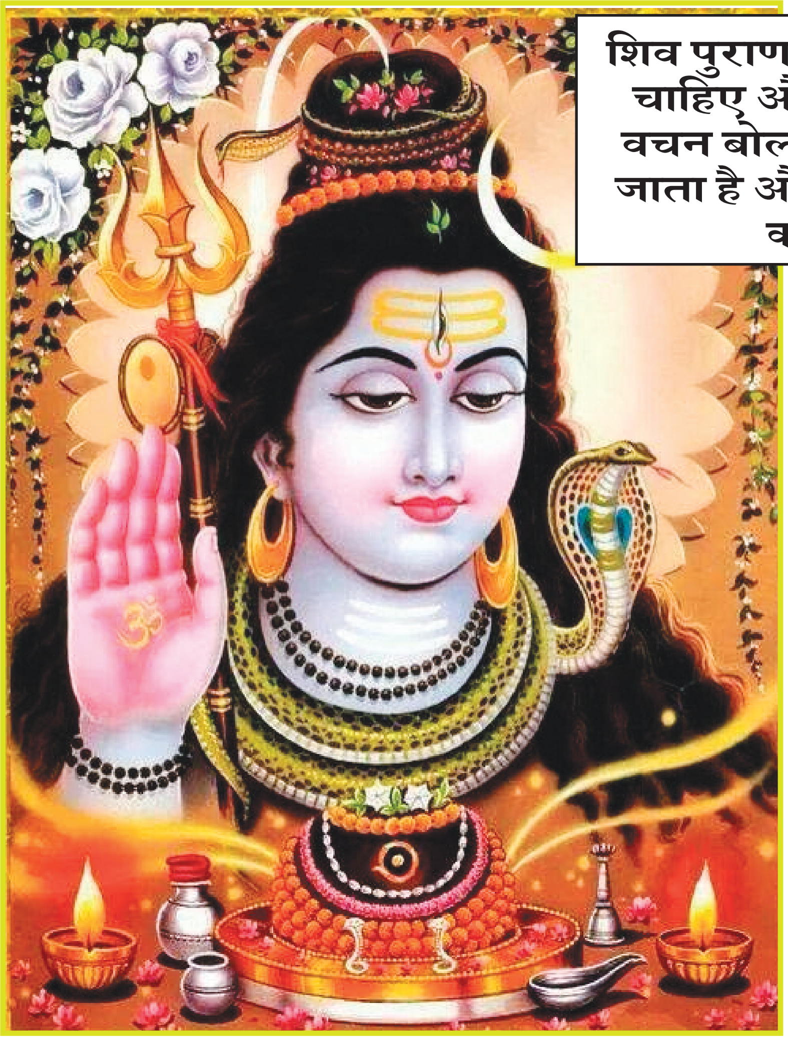

**शिव पुराण के अनुसार क्रोध कभी नहीं करना चाहिए और न ही क्रोध उत्पन्न करने वाले वचन बोलने चाहिए। क्रोध से विवेक नष्ट हो जाता है और विवेक के नष्ट होने से जीवन में कई संकट खड़े हो जाते हैं।**

वर्तमान में कुछ कथावचन शिव पुराण की कथाओं का वाचन करने लगे हैं और वे बहुत लोकप्रिय भी हो चले हैं। 18 पुराणों में से एक शिव पुराण में भगवान शिव और उनके अवतारों के बारे में विस्तार से जानकारी मिलती हैं। कहते हैं कि शिव पुराण की रचना महर्षि वेदव्यास के शिष्य रोमाशरण की गई थी। आओ जानते हैं कि शिव पुराण पढ़ने से क्या होगा।

**क्या है शिव पुराण में ?**

- शिव पुराण शैवपंथियों का ग्रंथ है। शिव पुराण को महापुराण भी कहा जाता ह और इसमें सिर्फ शिवजी की महिमा का ही वर्णन है।
- शिव पुराण की संहिताओं में शिव के रूप, कार्य, अवतार आदि की महिमा के वर्णन के साथ ही ब्रह्म, ब्रह्मांड तत्व का ज्ञान मिलता है।
- शिव पुराण में ही प्रसिद्ध विद्येश्वर संहिता, रुद्र संहिता, शतरुद्र संहिता, कोटिरुद्र संहिता, उमा संहिता, कैलास संहिता, वायु संहिता (पूर्व भाग) और वायु संहिता (उत्तर भाग) है जिसे पढ़ने का बहुत ही महत्व है।
- शिव मृत्यु के देवता हैं, संहारक हैं, वैरागी और योगी हैं। इसीलिए दोनों ही पुराण में अलग अलग विषयों को समेटा गया है।
- शिव पुराण में शिव सबसे महान है। शिवजी को केंद्र में रखकर सृष्टि उत्पत्ति, पालन और संहार के ज्ञान के साथ ही मनुष्य के धर्म कर्म को समझाया गया है।
- ऐसा कहते हैं कि शिव पुराण की मूल विचारधारा एकेश्वरवाद और द्वैतवाद की है जबकि विष्णु पुराण अद्वैतवाद का समर्थन करता है।

**शिव महापुराण पढ़ने से क्या होगा ?**

- इस पुराण में संसार के साथ ही संन्यास को भी साधने की जानकारी मिलती है। इसीलिए इस पुराण को पढ़ा जाता है।
- शिव पुराण का पाठ करने से सभी तरह की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। निःसंतान लोगों को संतान की प्राप्ति हो जाती है।
- शिव पुराण का पाठ करने से वैवाहिक जीवन से संबंधित समस्याओं का समाधान होता है।
- शिव पुराण का पाठ करने के समस्त प्रकार के कष्ट और पाप नष्ट हो जाते हैं और जीवन के अंत में उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- इस पुराण को पढ़ने से हमारे जीवन में आ रही बाधओं से मुक्ति का समाधान मिलता है, क्योंकि इस पुराण में कई तरह के उपाय भी बताए गए हैं।
- शिव पुराण के अनुसार अच्छे मार्ग से धन संग्रहित करें और संग्रहित धन के तीन भाग करके एक भाग धन वृद्धि में, एक भाग उपभोग में और एक भाग धर्म-कर्म में व्यय करें। इससे जीवन में सफलता मिलती है।
- शिव पुराण के अनुसार शिवरात्रि व्रत करने से व्यक्ति को भोग एवं मोक्ष दोनों ही प्राप्त होते हैं और महान पुण्य की प्राप्ति होती है। पुण्य कर्मों से भाग्य उदय होता है और व्यक्ति सुख पाता है।
- शिव पुराण के अनुसार सूर्यास्त से दिनअस्त तक का समय भगवान 'शिव' का समय होता है जबकि वे अपने तीसरे नेत्र से त्रिलोक्य (तीनों लोक) को देख रहे होते हैं और वे अपने नंदी गणों के साथ भ्रमण कर रहे होते हैं। इस समय व्यक्ति यदि कटु वचन कहता है, कलह-क्रोध करता है, सहवास करता है, भोजन करता है, यात्रा करता है या कोई पाप कर्म करता है तो उसका घोर अहित होता है।
- शिव पुराण के अनुसार मनुष्य के लिए सबसे बड़ा धर्म है सत्य बोलना या सत्य का साथ देना और सबसे बड़ा अधर्म है असत्य बोलना या असत्य का साथ देना।
- शिव पुराण के अनुसार कोई भी कार्य या कर्म करते वक्त व्यक्ति को खुद का साक्षी या गवाह बनना चाहिए कि वह क्या कर रहा है। अच्छा या बुरा सभी के लिए वही खुद जिम्मेदार होता है। उसे यह कभी भी नहीं सोचना चाहिए कि उसके कामों को कोई नहीं देख रहा है। यदि वह मन में ऐसे भाव रखेगा तो कभी भी पाप कर्म नहीं कर पाएगा। मनुष्य को मन, वचन और कर्म से पाप नहीं करना चाहिए।
- शिव पुराण के अनुसार मनुष्य की इच्छाओं से बड़ा कोई दुख नहीं होता। मनुष्य इच्छाओं के जाल में फंस जाता है तो अपना जीवन नष्ट कर लेता है। अतः अनावश्यक इच्छाओं को त्याग देने से ही महासुख की प्राप्ति होती है।
- शिव पुराण के अनुसार संसार में प्रत्येक मनुष्य को किसी न किसी वस्तु, व्यक्ति या परिस्थिति से आसक्ति या मोह हो सकती है। यह आसक्ति या लगाव ही हमारे दुख और असफलता का कारण होता है। निर्मोही रहकर निष्काम कर्म करने से आनंद और सफलता की प्राप्ति होती है।
- शिव पुराण के अनुसार भगवान शिव कहते हैं कि कल्पना ज्ञान से महत्वपूर्ण है। हम जैसी कल्पना और विचार करते हैं, वैसे ही हो जाते हैं। सपना भी कल्पना है। शिव ने इस आधार पर ध्यान की 112 विधियों का विकास किया। अतः अच्छी कल्पना करें।
- शिव पुराण के अनुसार मनुष्य में जब तक राग, द्वेष, ईर्ष्या, वैमनस्य, अपमान तथा हिंसा जैसी अनेक पाशविक वृत्तियां रहती हैं, तब तक वह पशुओं का ही हिस्सा है। पशुता से मुक्ति के लिए भक्ति और ध्यान जरूरी है। भगवान शिव के कहने का मतलब यह है कि आदमी एक अजायबघर है। आदमी कुछ इस तरह का पशु है जिसमें सभी तरह के पशु और पक्षियों की प्रवृत्तियां विद्यमान हैं। आदमी ठीक तरह से आदमी जैसा नहीं है। आदमी में मन के ज्यादा सक्रिय होने के कारण ही उसे मनुष्य कहा जाता है, क्योंकि वह अपने मन के अधीन ही रहता है।

# शनिवार को झाड़ू खरीदने से चमकेगी किस्मत

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में पूरानी झाड़ू को बदलकर नयी झाड़ू इस्तेमाल करने के लिये शनिवार के दिन का चुनाव करना चाहिए। शनिवार को नई झाड़ू का उपयोग करना बेहद शुभ माना जाता है। इसके अलावा झाड़ू को सदैव कृष्ण पक्ष में खरीदना उचित रहता है जबकि शुक्ल पक्ष में खरीदी गई झाड़ू दुर्भाग्य का सूचक होती है। इसलिए इस समय में झाड़ू कभी नहीं खरीदनी चाहिए।

**क्या है झाड़ू लगाने के सही समय ?**

अगर आप बहुत दिनों के बाद घर में शाम के समय आ रहे हैं और आपके पीछे से घर बंद था जिसकी वजह से पूरा घर धूल-मिट्टी से पसरा हुआ है या आपके घर में कोई कार्यक्रम था, जिसके चलते आपके लिए घर में झाडू मारना आवश्यक हो गया है तो वास्तु शास्त्र के अनुसार एक बात का ख्याल जरूर रखें। सूर्यास्त के बाद आप जब भी झाडू लगाएं तो उस कूड़े या मिट्टी को घर के बाहर न फेंके, कहीं एक जगह पर कूड़ेदान में ही रख दें और सुबह होने पर बाहर फेंक दें। माना जाता है कि शाम के समय मिट्टी घर के बाहर फेंकने से लक्ष्मी घर से बाहर चली जाती है और अलक्ष्मी घर में प्रवेश कर जाती है।

वास्तु शास्त्र में घर में झाडू लगाने के लिए दिन के पहले चार पहर को उचित समय माना गया है। जबकि रात के चार पहर को इस काम के लिए अनुचित माना गया है। रात के चार पहरों में झाडू लगाने से घर में दरिद्रता अपने पैर पसारती है और धन की देवी लक्ष्मी रूष्ठ हो जाती है। जिससे घर में धन की आवक पर प्रभाव पड़ता है।

# रेवती नक्षत्र में जन्मे लोग होते हैं कुशाग्र

आकाशमंडल में स्थित 27 नक्षत्रों में से रेवती नक्षत्र को अंतिम यानि 27वां नक्षत्र माना जाता है। रेवती नक्षत्र शुभ नक्षत्रों की श्रेणी में आता है। ये नक्षत्र 32 तारों का एक समूह है, जिसका अर्थ है- धनवान या धनी। अतः इस नक्षत्र को धन संपदा की प्राप्ति और सुखी जीवन के साथ जोड़कर देखा जाता है। इस नक्षत्र के जातक तेजस्वी, सुंदर, चतुर और विद्वान होते हैं। इस नक्षत्र के दौरान विद्या का आरंभ, सम्मान प्राप्ति, गृह प्रवेश, विवाह आदि कार्य संपन्न किये जा सकते हैं। वैदिक ज्योतिष के अनुसार पानी में तैरती हुई मछली को रेवती नक्षत्र का प्रतीक चिन्ह माना जाता है, जबकि इसकी राशि मीन है। साथ ही बता दूं कि इस नक्षत्र के स्वामी बुध हैं। बुध बुद्धि का कारक होने के साथ ही वाणी से भी संबंध रखते हैं। इसके अलावा आपको बता दूं कि रेवती नक्षत्र का संबंध महुआ से है।

**महुआ के पेड़ की करें पूजा**

लिहाजा जिन लोगों का जन्म रेवती नक्षत्र में हुआ हो, उन लोगों को महुआ के पेड़ को नमस्कार करना चाहिए। साथ ही इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि- आज रेवती नक्षत्र के दौरान महुआ के पेड़, उसकी टहनियों तथा उसके पत्तों को नहीं तोडना चाहिए और न ही उससे बनी किसी भी वास्तु को उपयोग में लाना चाहिए। आज ऐसा करने से आपको शुभ फलों की प्राप्ति होगी। घर परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा।

**कुशाग्र बुद्धि के होते हैं इस नक्षत्र में जन्मे लोग**

जो जातक रेवती नक्षत्र के प्रथम चरण में पैदा हुआ होता है वो ज्ञानी होता है। लोग इस नक्षत्र में जन्में होते हैं वो बाहरी दुनिया के लिए जिद्दी और कठोर होते हैं। इनकी ईश्वर में पूर्ण आस्था होती है। इनके जीवन में कई अड़चनें आती हैं लेकिन ये जातक उनका सामना कर उन्हें पार कर लेते हैं। ये जातक कुशाग्र बुद्धि के होते हैं जिसके चलते ये किसी भी प्रकार के कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करने में सफल होते हैं। इन जातकों को सरकारी नौकरी, बैंक, शिक्षा, लेखन, व्यापार, ज्योतिष एवं कला के क्षेत्र में कार्य करते देखा गया है।

# 'सिर्फ एक्ट्रेस ही नहीं बनना चाहती' : सनी लियोनी

**'बेबी डॉल' और** 'चार बोतल वोडका' में जोश भरने से लेकर 'सैयां सुपरस्टार' और 'ट्रिपी ट्रिपी' में अपने देसी ठुमके दिखाने तक, सनी लियोनी ने फिल्मों में अपने डांस मूव्स और कई म्यूजिक वीडियो में दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया है। एक एक्ट्रेस के तौर पर 'जिस्म 2' के साथ बॉलीवुड में अपना करियर शुरू करने वाली सनी लियोन आज भी अपने लिए अच्छी भूमिकाओं की तलाश कर रही हैं।

म्यूजिक ने उनके करियर को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इस बारे में बात करते हुए, सनी कहती हैं, "संगीत हर किसी के जीवन का एक हिस्सा है। ये म्यूजिक वीडियो, चाहे वह पैप्पी नंबर हों, रोमांटिक हो या स्लो नंबर हों, इन्होंने मेरे लिए आश्चर्यजनक रूप से काम किया है। भारतीय फिल्मों में गाने बहुत ही खास भूमिका निभाते हैं, जो कि ऑस्कर में बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग का अवॉर्ड जीतकर साबित होता है।

मीडिया से बातचीत करते हुए सनी लियोनी का कहना है कि वो बॉलीवुड में सिर्फ एक अच्छी एक्ट्रेस नहीं, बल्कि कंप्लीट पैकेज के तौर पर खुद को स्थापित करना चाहती हैं। इसलिए म्यूजिक उनकी फर्स्ट प्रायोरिटी है। अपने डांसिंग स्किल को लेकर सनी ने कहा कि वो जबकि वह प्रशिक्षित डांसर नहीं है और उन्होंने फिल्मों में ही सबकुछ सीखा है।

बातचीत को आगे बढ़ाते हुए सनी कहती हैं, 'मुझे डांस नंबर करना बहुत पसंद है और मैं हर उस गाने का इंतजार करती हूं, जिस पर मुझे काम करने को मिलता है। हालांकि, मैं प्रशिक्षित डांसर नहीं हूं। मुझे काम पर प्रशिक्षित किया गया है। मैं रिहर्सल के दौरान मूव्स सीखती हूं। यह मेरे अंदर का टास्कमास्टर है जो मुझे तब तक कठिन प्रैक्टिस करवाता है जब तक कि मैं इसे सही नहीं कर लेती।'

तो वहीं, तीन बच्चों - बेटी निशा और बेटों अशर और नूह की परवरिश में बिजी होने के बाद भी सनी ने अपने वर्कफ्रंट पर कभी भी सुस्ती नहीं दिखाई है। वह अपने पैरेंटहुड का भी आनंद लेती हैं और करियर पर भी पूरा ध्यान देती है। उन्होंने कहा कि, 'मैं एक वर्किंग मॉम बनना पसंद करती हूं।'

# 'आदिपुरुष' के मेकर्स पर आर्टिस्ट ने लगाए गंभीर आरोप, कहा-कॉपी किया गया है प्रभास का लुक?

**पिछले काफी समय** से प्रभास की फिल्म आदिपुरुष की चर्चा जोरों पर है। इस फिल्म को लेकर लोगों के बीच अभी से बज बना हुआ है। पिछले दिनों राम नवमी के अवसर पर इस फिल्म का नया पोस्टर रिलीज हुआ था। तब से यह खूब चर्चा में है। इस पोस्टर को लेकर विवाद भी हुआ। आरोप लगे कि पोस्टर में न तो माता सीता की मांग में सिंदूर नजर आ रहा है और न ही भगवान राम के शरीर पर जनेऊ। वहीं जब हनुमान जयंती पर हनुमान का पोस्टर रिलीज हुआ तो उनके लुक को लेकर भी मेकर्स को खूब आलोचना का शिकार होना पड़ा। अब इस फिल्म के पोस्टर में राम का लुक देखने के बाद एक आर्टिस्ट ने इसे चोरी करने का आरोप लगाया है।

प्रभास और कृति सेनन की यह फिल्म शुरुआत से ही विवादों में घिरी हुई है। पहले फिल्म का टीजर और अब पोस्टर को लेकर जमकर विवाद छिड़ा हुआ है। रविवार को प्रतीक सांघर नाम के एक आर्टिस्ट ने रेडिट पर अपने आर्टवर्क का स्क्रीन शॉट शेयर किया। इसके साथ ही उन्होंने एक ऐसे शख्स का फेसबुक पोस्ट भी शेयर किया जो कि खुद को फिल्म का डिजाइनर बता रहा है। टीपी विजयन नाम के इस शख्स ने पिछले साल प्रभास के जन्मदिन पर यह फेसबुक पोस्ट साझा किया था।

उनके पोस्ट में जो आर्टवर्क नजर आ रहा है वह प्रतीक के आर्टवर्क से मैच कर रहा है। टी पी विजयन का यह पोस्ट 23 अक्टूबर 2022 का है। पोस्ट में विजयन ने लिखा है, 'आदिपुरुष फिल्म के लिए मेरा बनाया गए डेवलपमेंट आर्ट का एक्सक्लूसिव लुक। राघव के लुक का डेवलपमेंट आर्ट।' इस पोस्टर को देखने के बाद प्रतीक सांघर ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा 'आदिपुरुष की टीम ने मेरे आर्टवर्क को कॉपी किया है और मुझे जानकारी या हर्जाना दिए बिना।'

प्रतीक ने टीपी विजयन के फेसबुक पोस्ट और आर्टवर्क को साझा किया। उन्होंने लिखा, 'मैं भारत का एक सॉन्सेप्ट आर्टिस्ट हूं। मैंने भगवान राम का रामायाण के लिए एक लुक तैयार किया था, सोचा था शायद यह कभी बने। यह करीब एक साल पहले की बात है। आदिपरुष के ऑफिशियल कॉन्सेप्ट आर्टिस्ट ने मेरा आर्टवर्क चुरा लिया और उसे मेरे इसी तरह के आर्टवर्क से जोड़कर बना लिया, इसलिए फेल होते हैं ऐसे प्रोजेक्ट।'

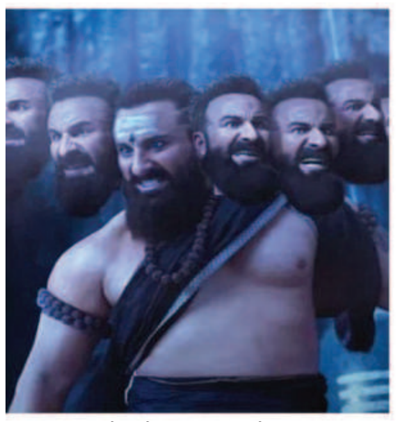

हालांकि इन आरोपों पर अभी तक आदिपुरुष के मेकर्स का कोई जवाब नहीं आया है। वहीं रामनवमी पर रिलीज हुए फिल्म के नए पोस्टर पर भी संजय दीनानाथ तिवारी ने मेकर्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। बता दें आदिपुरुष में प्रभास के अलावा कृति सेनन, सैफ अली खान, देवदत्त नागे और सनी सिंह नजर आने वाले हैं।

# राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी रवीना टंडन की अदाकारी की हैं मुरीद

**इन दिनों रवीना** टंडन सातवें आसमान पर हैं। जब से उन्हें पद्मश्री अवॉर्ड मिला है, वह खुशी से फूले नहीं समा रही हैं। राष्ट्रपति भवन में आयोजित हुए अवॉर्ड फंक्शन में रवीना को हिंदी सिनेमा में अपने कॉन्ट्रीब्यूशन के लिए सम्मानित किया गया। रवीना ने लेटेस्ट इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी बात की, जिन्होंने उनकी सारी फिल्में देखी हैं।

मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में 90 के दशक की क्वीन रवीना टंडन ने राष्ट्रपति मुर्मू संग अपनी बातचीत के बारे में बताते हुए खुलासा किया की, 'वह एक सुंदर पल था। राष्ट्रपति मुर्मू ने मुझसे कहा कि उन्होंने मेरी सारी फिल्में देखी हैं।

ये उनका बड़प्पन है कि उन्होंने अवॉर्ड देते हुए मुझसे कहा कि ये उनके लिए सम्मान की बात है कि वह मुझे अवॉर्ड दे रही हैं। मैंने उनसे कहा कि ये मेरे लिए सम्मान की बात है, जो मैं उस अवॉर्ड को आपके हाथ से ले रही हूं'।

बता दें की अभिनेत्री रवीना टंडन के साथ अवॉर्ड सेरेमनी में उनका पूरा परिवार शामिल हुआ था। एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्हें अवॉर्ड मिला तो उनके पति और दोनों बच्चों राशा और रणबीर के चेहरे खुशी से खिल उठे थे। एक्ट्रेस ने कहा, "जब मैंने उन्हें देखा तो वह मेरे लिए मुस्कुरा रहे थे। ये पल मेरे दिमाग में हमेशा के लिए छप गया है। बहुत अच्छा लगता है, जब आपका परिवार आपकी अचीवमेंट पर गर्व महसूस करता है'।

बता दें कि एक्ट्रेस रवीना टंडन पिछले तीन दशकों से फिल्म इंडस्ट्री में भी लगातार अपना योगदान दे रही है। अभी तक वो 100 से ज्यादा फिल्मों काम कर चुकी हैं जिसमें 'मोहरा', 'दिलवाले', 'अंदाज अपना अपना', 'सत्ता' और 'दामन' जैसी फिल्मों का नाम शामिल है।

# कटरीना कैफ-विक्की कौशल को क्यों परिवार का हिस्सा मानते हैं कबीर खान?

जाने-माने डायरेक्टर कबीर खान ने बॉलीवुड इंडस्ट्री को न्यूयॉर्क, बजरंगी भाईजान और टाइगर जैसी शानदार फिल्में दी हैं। कबीर ने अपने अब तक के करियर में सलमान खान, कटरीना कैफ और जॉन अब्राहम जैसे सितारों के साथ बेहतरीन काम किया है। वहीं, कबीर कई दफा एक्ट्रेस कटरीना कैफ को अपना करीबी दोस्त बताते देखे जा चुके हैं। इतना ही नहीं डायरेक्टर ने तो एक इंटरव्यू में यह तक कह दिया कि वह समय के साथ कटरीना और उनके परिवार के और भी ज्यादा करीब आ गए हैं।

**कटरीना को परिवार का सदस्य मानते हैं कबीर**

कबीर खान ने एक इंटरव्यू में कहा कि कटरीना कैफ उनके लिए परिवार के सदस्य की तरह हैं। इस बात पर ज्यादा जोर देते हुए डायरेक्टर ने कहा, 'कटरीना अब एक दोस्त से कहीं अधिक हैं। वह परिवार की तरह हैं। हम न्यूयॉर्क फिल्म से साथ हैं और तीन बेहतरीन फिल्मों में काम कर चुके हैं। यह वह समय था जो हमने साथ बिताया है। अब उनकी शादी विक्की से हो गई है, जिसे मैं फिर से अपने परिवार का हिस्सा मानता हूं।'

**विक्की कौशल के साथ पुराना नाता- कबीर**

कबीर खान ने आगे कहा,'मैंने विक्की के पिता शाम जी के साथ छह फिल्में की हैं। मेरी पहली वेब सीरीज फॉरगॉटन आर्मी में विक्की के भाई सनी थे। तो हां, मैं कहूंगा कटरीना का परिवार।' आपको बता दें कि कबीर और कैटरीना ने न्यूयॉर्क, एक था टाइगर और फैंटम जैसी फिल्मों में साथ काम किया है।

**कबीर खान, कटरीना कैफ का वर्कफ्रंट**

काम के मोर्चे पर, कबीर खान अपनी अपकमिंग फिल्म में कार्तिक आर्यन को कास्ट कर रहे हैं। वहीं, कटरीना कैफ सलमान खान के साथ फिल्म 'टाइगर 3' से पर्दे पर छाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस मूवी में इमरान हाशमी भी विलेन के किरदार में नजर आएंगे। इसके अलावा कटरीना को आलिया भट्ट और प्रियंका चोपड़ा के साथ 'जी ले जरा' में स्क्रीन साझा करते देखा जाएगा, जिसका डायरेक्शन फरहान अख्तर करेंगे।

# रितेश सिधवानी ने पत्नी की जगह गलती से पकड़ा मलाइका का हाथ

**मलाइका अरोड़ा** बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी मानी एक्ट्रेस हैं। वह अक्सर ही अपने लुक्स और पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। मलाइका बॉलीवुड की हॉट और बोल्ड एक्ट्रेस में से एक हैं। वह अपने फैशन सेंस और फिटनेस को लेकर भी चर्चा में बनी रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक्ट्रेस फिल्म मेकर रितेश सिधवानी के साथ नजर आ रही हैं। जहां पर गलती से फिल्म मेकर ने एक्ट्रेस का हाथ पकड़ लिया है और यह वीडियो काफी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

**रितेश ने गलती से पकड़ा मलाइका का हाथ**

दरअसल, हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा रितेश सिधवानी और उनकी पत्नी डॉली सिधवानी के साथ डिनर के लिए मिली थीं। डिनर खत्म होने के बाद का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि रितेश गलती से अपनी पत्नी डॉली की जगह पर मलाइका का हाथ पकड़ लेते हैं, क्योंकि वह उस वक्त अपने फोन में पूरी तरह से व्यस्त होते हैं। जिसके चलते उन्हें पता नहीं चलता है कि वह मलाइका का हाथ पकड़ रहे हैं या फिर अपनी पत्नी डॉली का। हालांकि जैसे ही उन्हें इस चीज का एहसास हुआ उन्होंने तुरंत अपनी पत्नी का हाथ थाम लिया था।

यूजर्स ने बनाया मजाक

मलाइका इसके बाद तुरंत अपनी कार में बैठ गई हैं और डॉली के साथ हंस रही थीं। इस दौरान एक्ट्रेस ने ऑरेंज कलर की वन शोल्डर सैटिन ड्रेस पहनी हुई थी। वह अपने लुक में बेहद प्यारी और सिंपल नजर आ रही थीं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यूजर्स भी जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- गलती से मिस्टेक हो गया, पर दिल गार्डन गार्डन हो गया भाई साहब। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा- गलती से मलाइका का हाथ पकड़ लिया। वहीं, मलाइका की तारीफ करते हुए एक यूजर ने लिखा- क्या यह वापस से 25 साल की हो गई हैं।

# जैकलीन फर्नांडीज लक्स कोजी की एड देखकर तुम्हें याद करता हूं : ठग सुकेश

**सुकेश चंद्रशेखर** ने जेल से जैकलीन फर्नांडीज को फिर से एक खत लिखा है। उसने खत के जरिए जैकलीन को ईस्टर विश किया है। सुकेश चंद्रशेखर ने जेल से जैकलीन फर्नांडीज को फिर से एक खत लिखकर ईस्टर विश किया है। इसमें लिखा- जब भी मैं लक्स कोजी का एड देखता हूं, मुझे तुम्हारी याद आने लगती है। मैं उसके बाद सिर्फ तुम्हारे बारे में ही सोचता हूं। तुम्हें पता भी नहीं है कि तुम कितनी खूबसूरत हो।

इस पूरे प्लेनेट पर तुमसे सुंदर कोई नहीं है। माई रैबिट..मेरा बच्चा, मैं तुम्हें बहुत प्यार करता हूं। 200 करोड़ के मनी लॉड्रिंग केस में दिल्ली के मंडोली जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर के वकील अनंत मलिक ने इस खत को जारी किया है। इसमें ठग ने लिखा है- मैं तुम्हें इस ईस्टर के मौके पर काफी ज्यादा मिस कर रहा हूं। मुझे याद है कि ईस्टर के मौके पर कैसे तुम बच्चों की तरह अंडो को तोड़ा करती थी और फिर उसमें कैंडिज डाला करती थी। ये तुम्हारी फेवरेट फेस्टिवल में से एक है। मैं वादा करता हूं कि अगला ईस्टर तुम्हारे लाइफ का सबसे बेस्ट पल होगा।

**गाना सुनते हुए जैकलीन को याद करता है सुकेश**

सुकेश ने अपनी खत में लिखा- ऐसा कोई पल नहीं है जब मैंने तुम्हारे बारे में न सोचा हो। मुझे पता है कि तुम भी मेरे बारे में ऐसा ही सोचती हो। तुम्हारे इस खूबसूरत दिल में क्या है, मुझे अच्छी तरह पता है। मैं अभी 'तुम मिले दिल खिले' का नया वाला वर्जन सुन रहा था, ये गाना सुनकर मुझे तुम्हारी याद आ रही थी।' सुकेश यहां 1994 की फिल्म क्रिमिनल के फेमस गाने की बात कर रहा है। सुकेश ने इससे पहले 25 मार्च को अपने जन्मदिन के मौके पर जैकलीन के नाम एक खत लिखा था। उस खत में उसने लिखा था- माई बेबी जैकलीन, मेरी बोम्मा, अपने बर्थडे पर मैंने तुम्हें बहुत ज्यादा मिस किया। मैंने अपने आसपास तुम्हारी एनर्जी को मिस किया। मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं, लेकिन मैं यह जानता हूं कि तुम्हारा प्यार मेरे लिए कभी खत्म नहीं होने वाला है। मुझे किसी प्रूफ की जरूरत नहीं है, मेरे लिए इतना ही काफी है बेबी।

तुम जानती हो कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूं। मेरे जीवन में तुम्हारा प्यार और तुम्हारी मौजूदगी मेरे लिए बेस्ट गिफ्ट है। लव यू माई बेबी, अपना दिल देने के लिए शुक्रिया। अपने समर्थकों और परिवार को भी धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने जन्मदिन पर मुझे बधाई दी। मुझे इतने बधाई पत्र मिले, इसलिए खुद को भाग्यशाली मानता हूं। धन्यवाद , सुकेश चंद्रशेखर।

# पूर्व क्रिकेटर बोले- सलमान ने लुंगी में आपत्तिजनक डांस किया, साउथ कल्चर को बदनाम करने की कोशिश

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म किसी का भाई किसी का जान के नए गाने येंतमा पर विवाद हो गया है। कहा जा रहा है कि इस गाने में साउथ के कल्चर का अपमान किया गया है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर लक्ष्मण शिवरामाकृष्णन ने सलमान खान पर अपना गुस्सा निकाला है।

उन्होंने कहा कि सलमान ने इस गाने में जो कपड़ा पहना है वो लुंगी नहीं धोती है। वो इस ट्रेडिशनल साउथ इंडियन ड्रेस को पहनकर आपत्तिजनक डांस स्टेप कर रहे हैं।

**साउथ में लुंगी को पवित्र माना जाता है**

किसी का भाई किसी का जान का गाना येंतमा 5 अप्रैल को रिलीज हुआ था। इस गाने में साउथ स्टार वेंकटेश दग्गुबाती और रामचरण भी फीचर्ड हैं। इस गाने में सलमान लुंगी उठाकर डांस कर रहे हैं। लुंगी साउथ इंडिया का पारंपरिक परिधान है। इसके पहनना पवित्र माना जाता है।

हालांकि अब इस मामले में साउथ के क्रिकेटर्स से लेकर एक्टर्स तक विरोध कर रहे हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर लक्ष्मण शिवरामाकृष्णन ने लिखा, 'ये बेहद अपमानजनक और हास्यास्पद है। इस पारंपरिक पोशाक को बहुत खराब तरीके से दिखाने की कोशिश की गई है।'

**'वेंकटेश और रामचरण को ध्यान देनी चाहिए थी'**

टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए एक तमिल एक्टर ने कहा कि फिल्म के मेकर्स क्या नशा करके ये गाना बनाए हैं?

उसने कहा, 'मेकर्स जानते हैं कि लुंगी साउथ इंडिया के लिए कितना महत्व रखता है। सलमान का तो चलो हम कह सकते हैं कि उन्हें पता नहीं रहा होगा, लेकिन वेंकटेश और रामचरण तो दक्षिण भारत से आते हैं। वो इस गाने पर कैसे डांस कर सकते हैं और पहली बात ये लुंगी भी नहीं है, ये तो धोती है जिसे लुंगी की तरह पहना गया है।

**'रियलिटी को समझना नहीं चाहते सलमान'**

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान के साथ काम कर चुके एक फिल्ममेकर का कहना है कि सलमान अपनी फिल्मों में खुद के अलावा किसी की नहीं सुनते। वो रियलिटी को समझना नहीं चाहते।

फिल्म मेकर ने कहा, 'सलमान किसी की नहीं सुनते हैं, वो जो चाहते हैं वही करते हैं। दूसरे लोग बस आंख बंद करके उनकी बातों का पालन करते हैं। उन्हें गलत बताने वाला कोई इंसान नहीं है। अगर कोई गलती सुधारने का प्रयास भी करता है तो भी सलमान उनकी नहीं सुनते हैं।

**हिंदी और तेलुगु का मिक्चर है सॉन्ग**

येंतमा गाने में हिंदी और तेलुगु के मिक्स्ड लिरिक्स हैं। ये गाना सिंगर और कंपोजर विशाल ददलानी और पायल देव ने गाया है जबकि रफ्तार ने गाने का रैप लिखा है। इसे शब्बीर अहमद ने कंपोज किया है। गाने के लिए कुछ लिरिक्स और वोकल्स आदित्य देव ने भी लिखे हैं। ये गाना कुछ-कुछ शाहरुख खान की फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस के लुंगी डांस से मिलता जुलता है।

# बोर्ड परीक्षा में बढिया अंक चाहिए तो ध्यान रखें इन बातों को

सीबीएसई, सीआईएससीई समेत स्टेट बोर्ड परीक्षाएं मार्च-अप्रैल 2022 में आयोजित की जाएंगी। परीक्षा शुरू होने में अब कुछ ही समय बचा है। ऐसे में स्टूडेंट्स के लिए लास्ट मिनट की तैयारी बेहद जरूरी होती है। बोर्ड परीक्षा से पहले कुछ असरदार सुझाव आपको आत्मविश्वास से भर सकते हैं, आप बिना टेंशन के अपने एग्जाम की तैयारी और बेहतर तरीके से कर सकते हैं। आज हम भी आपके लिए ऐसे ही कुछ जरूरी सुझाव लेकर आए हैं। तनाव को दूर रखते हुए छात्र नीचे दी गई आसान टिप्स की मदद से अपनी बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं।

### सिलेबस का रिवीजन

अगर आपको यह पता है कि आपको असल में पढ़ना क्या है तो आपकी आधी टेंशन अपने आप ही खत्म हो जाएगी। इसलिए सिलेबल का रिवीजन भी बेहद जरूरी है। परीक्षा की तैयारी के दौरान सिलेबस को बार-बार देखते रहें और उतना ही स्टडी मेटेरियल पढ़ें जितना जरूरी हो। ऐसा करने से ना सिर्फ बेहतर तैयारी होगी बल्कि सारे कॉन्सेप्ट अच्छे से याद हो जाएंगे।

### अच्छा स्टडी प्लान

एक अच्छा स्टडी प्लान बनाने से पहले, छात्रों को अपने टाइम और टारगेट को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है, खासकर लास्ट मिनट स्टडी के समय। एक स्टडी प्लान न केवल प्रभावी तैयारी सुनिश्चित करता है बल्कि छात्रों को उनके टारगेट स्कोर तक पहुंचने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। जब आप छोटो-छोटे टारगेट के साथ पढ़ाई करते हैं तो आपको प्वॉइंट्स अच्छे से क्लीयर हो जाते हैं और तनाव भी नहीं होता।

### मॉडल पेपर की सहायता लें

आखिरी समयय में परीक्षा की बेहतर तैयारी के लिए मॉडल पेपर की सहायता ले सकते हैं। इससे कम समय में परीक्षा की अच्छी तैयारी की जा सकती है। आमतौर पर बोर्ड छात्रों की मदद के लिए अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर मॉडल पेपर्स करते हैं। आप वेबसाइट पर जाकर सब्जेक्ट वाइज मॉडल पेपर डाउनलोड कर सकते हैं।

### कमजोर विषय पर ध्यान दें

परीक्षा से पहले आमतौर पर छात्र उन विषयों से घबरा जाते हैं, जिनमें उनकी पढ़ाई कम हुई है या उस विषय में कमजोर हैं। ऐसे में छात्रों को उन विषयों पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। क्योंकि बाकी विषयों में कम पढ़ाई करने पर भी वे अच्छे मार्क्स ला सकते हैं लेकिन एक विषय पूरे रिजल्ट का गणित बिगाड़ सकता है।

# इतिहास के इन कोर्सेज में बना सकते हैं बढिया कॅरियर

इतिहास में करियर बनाने के लिए आपको 12वीं क्लास के बाद हिस्ट्री में ग्रेजुएशन करना होगा। इसके बाद आप पोस्ट ग्रेजुएशन, एमफिल और पीएचडी कर सकते हैं। इतिहास में कई ऐसे कोर्सेज हैं जहां आप शानदार करियर बना सकते हैं। अगर आपकी रुचि इतिहास में है तो आप इसमें एक शानदार करियर बना सकते हैं। इतिहास में करियर बनाने के लिए आपको 12वीं क्लास के बाद हिस्ट्री में ग्रेजुएशन करना होगा। इसके बाद आप पोस्ट ग्रेजुएशन, एमफिल और पीएचडी कर सकते हैं।

इतिहास में कई ऐसे कोर्सेज हैं जहां आप शानदार करियर बना सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको इतिहास के पांच ऐसे कोर्सेज के बारे में बताने जा रहे हैं जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं -

### एंथ्रोपोलॉजी

इतिहास में पढ़ाई करने की इच्छा है तो आप एंथ्रोपोलॉजी का कोर्स भी कर सकते हैं। इतिहास में रुचि रखने वाले ज्यादातर छात्रों में यह कोर्स काफी चर्चित है। बतौर एंथ्रोपोलॉजिस्ट आपको अतीत और वर्तमान समाज के साथ मानव के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करना होगा। इसके अलावा आप राजनीति, संस्कृति और भाषा जैसे विषयों का चयन भी कर सकते हैं। इस विषय में आपको विदेशी संस्थानों के साथ मिलकर रिसर्च करने का मौका भी मिल सकता है।

### आर्कियोलॉजी

अगर आपकी इतिहास में रुचि है तो आप आर्कियोलॉजी यानी पुरातत्व में पढ़ाई कर सकते हैं। आप ग्रेजुएशन के बाद आर्कियोलॉजी में एमए या रिसर्च कोर्स कर सकते हैं। बतौर आर्कियोलॉजिस्ट आपका काम ऐतिहासिक और प्राचीन धरोहरों की खोज करना होगा। इस फील्ड में आप अनुभव प्राप्त करने कर बाद 50 से 80 हजार रुपए प्रतिमाह कमा सकते हैं।

### म्यूजियोलॉजी

इतिहास के कोर्स में म्यूजियोलॉजी का कोर्स भी एक बेहतरीन करियर ऑप्शन है। इस कोर्स में संग्रहालय का अध्ययन किया जाता है। आप ग्रेजुएशन के बाद इस कोर्स को कर सकते हैं। इसमें आपको संग्रहालय का

इतिहास, कला, चित्रकारी आदि के बारे में विस्तार से बताया जाता है। इस फील्ड में आप देश ही नहीं विदेश के संस्थानों के साथ मिलकर रिसर्च कर सकते हैं। इस फील्ड में अनुभव के साथ अच्छी जॉब और सैलरी भी मिलती है।

### फ्रेस्को

इतिहास में फ्रेस्को या आर्ट रीस्टोरेशन का कोर्स भी एक दिलचस्प करियर ऑप्शन है। इस कोर्स में आर्ट को रिस्टोर करना सिखाया जाता है जिससे सांस्कृतिक विरासत को उसके मूल रूप में वापस लाया जा सके। जैसे कि खुदाई के दौरान मिलीप्राचीन मूर्तियों और कृतियों को उनकी मूल अवस्था में वापस लाना।

### माइथोलॉजी

अगर आपकी रुचि पौराणिक कथाओं को पढ़ने समझने में है तो आप माइथोलॉजी स्टडीज यानी पौराणिक अध्ययन का कोर्स कर सकते हैं। आज के समय में यह कोर्स युवाओं के बीच काफी चर्चित है।

देश ही नहीं विदेशों में भी कुछ संस्थान इस कोर्स में डिग्री प्रदान करते हैं। अगर आप कोई अलग या अनोखा अनोखा कोर्स करना चाहते हैं तो पौराणिक अध्ययन का कोर्स आपके लिए बेस्ट होगा।

# बच्चों की याददाश्त अच्छी रहेगी तो पढ़ाई में बनेंगे अव्वल

बच्चों के विकास के लिए स्वस्थ याददाश्त बेहद जरूरी है। कमजोर याददाश्त पढ़ाई से लेकर सभी क्षेत्र में बच्चों के सीखने और विकास करने की क्षमता को प्रभावित करते हैं। कई बच्चों की याददाश्त काफी कमजोर होती है। वे बचपन से ही चीजों को रख कर भूल जाते हैं। शुरुआत में माता-पिता इस समस्याओं को आम समझकर इग्नोर कर देते हैं, लेकिन बाद में यह चिंता का विषय बन जाती है। अगर शुरुआत में ही इनके उपाय करें तो यह गंभीर रूप नहीं लेती। आज का हमारा लेख भी उन्हीं उपायों पर है। आज हम आपको 10 ऐसे ही टिप्स देने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप अपने बच्चों की याददाश्त को बढ़ा सकते हैं।

### लर्निंग को बनाएं मजेदार

बच्चों की लर्निंग क्षमता को बढ़ाने के लिए उसे मजेदार बनाना जरूरी है। बुक से नॉर्मल पढ़ाई से बच्चे बोर होने लगते हैं, जिससे उनका मन पढ़ाई में नहीं लगता। आप बच्चों को लाइब्रेरी ले जाएं और वहां उन्हें विभिन्न बुक के माध्यम से पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही किसी विषय को समझाने के लिए, उन्हें साइंस म्यूजियम और आर्ट गैलरी जैसी जगह भी घुमाएं। यह बच्चों की याददाश्त बढ़ाने में मदद करेगी। क्योंकि किसी विषय के विजुअलाइजेशन से बच्चों को वह तेजी से याद होता है। बच्चों के टीवी देखने का टाइम कम करें। इसके बजाय, उन्हें पढ़ने और अन्य बाहरी गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें।

### व्यायाम कराएं

व्यायाम करना एक ऐसी आदत है जो हर किसी को करना चाहिए। बच्चे जितनी जल्दी प्रतिदिन व्यायाम करने की आदत विकसित करें, उनके लिए उतना ही अच्छा है। शारीरिक रूप से सक्रिय रहने से दिमाग को तेज रहने में मदद मिलती है और दिमाग अच्छे से कार्य करता है।

### जोर-जोर से पढ़ने की आदत डालें

किसी भी विषय को अगर बच्चे मन में पढ़ेंगे तो उन्हें जल्दी से याद नहीं होगा, वे उस विषय को जल्दी

भूल जाएंगे। ऐसे में आप अपने बच्चों से कहें कि वह जो भी कुछ पढ़ रहे हैं उसे जोर जोर से पढ़ें। इससे उन्हें खुद अपनी आवाज सुनाई देगी और याद करने में आसानी होगी। जोर-जोर से पढ़कर याद करने से बच्चों को वह बातें याद रहती हैं।

### अच्छा श्रोता बनाएं

कभी-कभी दूसरों की बातों को सुनना भी जरूरी होता है। अगर हम बिना किसी की बात सुने अपनी बात रखेंगे तो हो सकता है कि लोग उसका गलत मतलब निकालें। ऐसे में माता पिता का फर्ज है कि वह अपने बच्चे को एक अच्छा श्रोता बनाएं। इसके लिए वह सबसे पहले अपने बच्चे को अपनी बात को सुनने के लिए प्रेरित करें। ऐसा करने से उनके अंदर न केवल धैर्य का विकास होगा बल्कि वे दूसरों की बातों को सुनेंगे और समझेंगे।

### पैटर्न का प्रयोग कर पढ़ाए

बच्चों को पैटर्न का प्रयोग कर पढ़ाना उनकी याददाश्त में सुधार करने का एक अच्छा तरीका है। पैटर्न के माध्यम से आप उन्हें वर्णमाला सीखने से लेकर वस्तुओं को वर्गीकृत करने तक की जानकारी दे सकती हैं। पैटर्न में कोडिंग और उसे श्रेणीबद्ध कर अभ्यास करने से यह लंबे समय तक याद रहता है।

### पढ़ाई के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक जरूर लें

लंबे समय तक पढ़ाई के दौरान ध्यान केंद्रित करने के लिए मानसिक विराम लेना जरूरी है। क्योंकि दिमाग को जानकारियां स्टोर करने के लिए थोड़ा समय चाहिए होता है। ब्रेक के दौरान बच्चे पानी पीने, खड़े होने, घूमने, या हल्का व्यायाम जैसे कार्य कर सकते हैं।

### ब्राइट कलर का उपयोग करें

अपने बच्चों को पढ़ाते समय ब्राइट कलर्स का उपयोग करना भी याददाश्त बढ़ाने में मदद करता है। ब्राइट कलर्स एक ऐसी चीज है जो हमारे दिमाग में आसानी से आ जाती है और इसलिए इसे आप बच्चों को कुछ समझाने में जरूर इस्तेमाल करें। विभिन्न ब्राइट कलर्स के साथ प्रमुख घटनाक्रमों को हाइलाइट करना और सिलेबस में स्टिकी नोट्स का उपयोग करना फायदेमंद हो सकता है।

### पोषक तत्वों की पूर्ति

जब बच्चे एंटीऑक्सिडेंट और ओमेगा -3 फैटी एसिड से भरपूर संतुलित आहार का सेवन करते हैं तो याददाश्त काफी हद तक बढ़ जाती है। चीनी और उच्च कैलोरी वाले भोजन से बचें। इससे बच्चे की याददाश्त के विकास में और मदद मिलेगी। कुछ रिसर्च यह बताती हैं कि अगर डाइट में विटामिन डी विटामिन b1, b12, b6, आयरन, आयोडीन आदि को जोड़ा जाए साथ ही इन सब के साथ एंटीऑक्सीडेंट तत्व को बच्चों की डाइट में जोड़ा जाए तो इससे उनके सोचने समझने की शक्ति पर प्रभाव पड़ता है।

### नींद है जरूरी

अगर आपका बच्चा भरपूर नींद लें तो इससे उसकी स्मरण शक्ति बढ़ सकती है। नींद में बच्चों की सोचने, समझने और याद करने की शक्ति को बढ़ावा मिलता है। ऐसे में अगर बच्चे भरपूर नींद नहीं लेते तो इससे उनकी सोचने, समझने की शक्ति पर प्रभाव पड़ता है।

### बच्चों को लेकर जाएं बाहर घुमाने

आपके बच्चे जब बाहर घूमने जाएंगे तो इससे वे नई नई चीजों के बारे में जानेंगे, समझेंगे और उन्हें अपने मन ही मन में बार-बार दोहराएंगे। इससे न केवल उनकी नॉलेज बढ़ेगी बल्कि उनका मानसिक विकास भी होगा। यह प्रैक्टिस बच्चों की स्मरण शक्ति को बढ़ाने में भी मददगार है। ऐसे में बच्चों के दायरे को केवल घर तक सीमित ना रखें। उन्हें बाहर घुमाने भी लेकर जाएं।

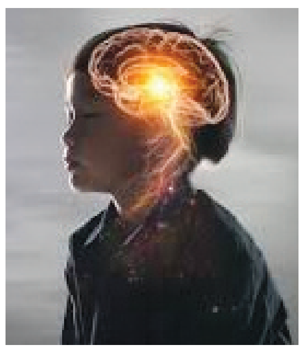

# एनिमेशन के क्षेत्र में संभावनाएं

**इस डिजिटल दौर** में कंपनियां या विभिन्न संस्थाएं प्रचार के कामों में या उत्पादों को बेहतर बनाने में ग्राफिक डिजाइन का इस्तेमाल करती हैं। वहीं, बाहुबली, कुंग फू पांडा और आइस एज जैसी फिल्मों की लोकप्रियता के साथ, एनीमेशन में करियर के बेहतरीन अवसर मौजूद हैं। आज लगभग हर जगह कंप्यूटर ग्राफिक्स का इस्तेमाल होता है। इंजीनियरिंग, फैशन डिजाइनिंग, सिनेमा में एनीमेशन और ग्राफिक डिजाइनिंग का खूब इस्तेमाल होता है। इस डिजिटल दौर में कंपनियां या विभिन्न संस्थाएं प्रचार के कामों में या उत्पादों को बेहतर बनाने में ग्राफिक डिजाइन का इस्तेमाल करती हैं। वहीं, बाहुबली, कुंग फू पांडा और आइस एज जैसी फिल्मों की लोकप्रियता के साथ, एनीमेशन में करियर के बेहतरीन अवसर मौजूद

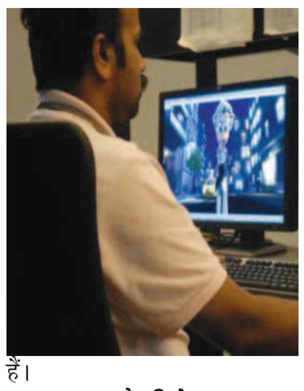

हैं।

### क्या है एनिमेशन

एनीमेशन को एक चरित्र या एक वस्तु के लिए जीवन को साँस लेने की कला के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह मनोरंजन उद्योग और प्रौद्योगिकी का मिश्रण है, जो ग्राफिक रूप से समृद्ध और आकर्षक मल्टीमीडिया क्लिप के डिजाइन, ड्राइंग, लेआउट और उत्पादन से संबंधित है।

### जरूरी कौशल

रचनात्मकता
अच्छा दृश्य कल्पना
CAD का ज्ञान
कलात्मक कौशल
चित्र के माध्यम से विचार व्यक्त करने की क्षमता
कंप्यूटर कौशल

### योग्यता

एनीमेशन और ग्राफिक डिजाइनिंग के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आप 12वीं पास करने के बाद आप ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आजकल कई तरह के प्रोफेशनल कोर्स भी उपलब्ध हैं।

### कहाँ मिलेगी नौकरी

एक एनिमेटर के रूप में, आपको निम्नलिखित क्षेत्रों में काम करने का अवसर मिल सकता है:

ऑनलाइन और प्रिंट समाचार मीडिया

### कार्टून उत्पादन

विज्ञापन
वीडियो गेमिंग
थिएटर
फिल्म और टेलीविजन
ई-लर्निंग

### सैलरी

एक जूनियर एनिमेटर के और पर आप 8000-15000 प्रति माह कमा सकते हैं। वहीं, 3-5 साल के अनुभव के बाद सैलरी बढ़कर 25,000- 75,000 रूपए तक हो सकती है। इसके साथ ही फ्रीलांस के तौर पर भी इस क्षेत्र में आप बहुत पैसा कमा सकते हैं। एनिमेशन की दुनिया में करने के लिए बहुत कुछ है। अगर आपमें हुनर और काम करने की इच्छा है तो आपको देश और विदेश दोनों जगह से काम करने का मौका मिल सकता है।

# प्रेजेंटेशन स्किल्स को मजबूत करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

चाहे स्कूल-कॉलेज हो या ऑफिस, हर जगह आपको प्रेजेंटेशन देनी होती है इसलिए आपको अच्छी प्रेजेंटेशन देना आना चाहिए। कई लोगों को दूसरों के सामने प्रेजेंटेशन देने में घबराहट होती है और डर लगता है। आज के इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देंगे जिसकी मदद से आप प्रेजेंटेशन देते समय घबराहट महसूस नहीं होगी। आज के समय में आप किसी भी फील्ड में हो, आपको अपनी बात दूसरों के सामने अच्छे ढंग में पेश करना आना ही चाहिए। चाहे स्कूल-कॉलेज हो या ऑफिस, हर जगह आपको प्रेजेंटेशन देनी होती है इसलिए आपको अच्छी प्रेजेंटेशन देना आना चाहिए। कई लोगों को दूसरों के सामने प्रेजेंटेशन देने में घबराहट होती है और डर लगता है। आज के इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देंगे जिसकी मदद से आप प्रेजेंटेशन देते समय घबराहट महसूस नहीं होगी -

### प्रेजेंटेशन के विषय को समझें

आप अच्छी प्रेजेंटेशन तभी दे पाएंगे जब आपको अपने विषय की अच्छी समझ होगी। प्रेजेंटेशन देने से पहले अपने विषय को अच्छी तरह समझें और उस पर रिसर्च कर लें।

### प्रेजेंटेशन देने से पहले अच्छे से तैयारी करें

कई बार ख़राब प्रेजेंटेशन का कारण कम या अधूरी तैयारी होती है। अगर आप प्रेजेंटेशन देते समय नर्वस होते हैं तो प्रेजेंटेशन की अच्छी तैयारी करें। आप किसी एकांत जगह पर प्रेजेंटेशन की प्रैक्टिस करें। अगर आपकी तैयारी अच्छी होगी तो आप नर्वस नहीं होंगे।

### व्यर्थ शब्दों का उपयोग ना करे

अपनी प्रेजेंटेशन के दौरान ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने से बचें, जिनका कोई मतलब न हो। अक्सर लोग प्रेजेंटेशन के दौरान अम्म, हम्म, आ जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे शब्दों के इस्तेमाल से दूसरों पर एक गलत इम्प्रेशन पड़ता है। इससे सामने वाले को लगता है कि आपने अपनी प्रेजेंटेशन के लिए अच्छी तैयारी नहीं की है।

### एक अच्छा पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन कैसे तैयार करें

आप अपनी प्रेजेंटेशन को अच्छा बनाने के लिए पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन की मदद ले सकते हैं। आप अपनी ppt में ग्राफ़िक्स, अलग फ़ॉन्ट्स,चार्ट्स आदि का प्रयोग कर सकते हैं। इससे सबको लगेगा कि आपने अपनी प्रेजेंटेशन के लिए अच्छी तैयारी की है और लोग आपकी प्रेजेंटेशन पर ज़्यादा ध्यान देंगे।

### शीशे के सामने करें प्रैक्टिस

अगर आप प्रेजेंटेशन के दौरान नर्वस होते हैं तो शीशे के सामने खड़े होकर प्रैक्टिस करें। आप शीशे के सामने खड़े होकर बिल्कुल वैसे ही प्रेजेंटेशन दें, जैसा आप सबके सामने देंगे। इससे आपको अपनी गलतियां पता चलेंगी और आप अच्छी तैयारी कर पाएंगे। आप चाहें तो शीशे के अलावा किसी दोस्त या घर के किसी सदस्य के सामने भी प्रेजेंटेशन देने की प्रैक्टिस कर सकते हैं।

# वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन अमेरिका में करेंगी जी20 की मेजबानी

## आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक के साथ भी करेंगी बैठक

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन जी20 मेजबानी के लिए बैठक के साथ-साथ विश्व बैंक समूह (डब्ल्यूबीजी) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की 2023 की मीटिंग में शामिल होने के लिए अमेरिका जाएंगी। अमेरिका में इनकी यात्रा एक सप्ताह की होगी। इस समय के दौरान वह भारत की जी20 प्रेसीडेंसी और जी20 से संबंधित साइड इवेंट्स के तहत दूसरी जी20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स (एफएमसीबीजी) की बैठक की मेजबानी करेंगी। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को अपने बयान में जानकारी देते हुए कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन की 10 अप्रैल से 16 अप्रैल की वाशिंगटन डीसी में द्विपक्षीय बैठक के साथ कुछ निवेशक सत्र और अन्य मीटिंग होगी। वहां निर्मला सीतारामन वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के साथ विश्व बैंक विकास समिति और आईएमएफ समिति के पूर्ण सत्र में भी भाग लेंगी। बैठक के दौरान वित्त मंत्री इकोनॉमिस्ट, वर्ल्ड ट्रेड लीडर्स, थिंक टैंक और निवेशकों के साथ राउंडटेबल्स में बातचीत करेंगी। भारतीय प्रवासियों के साथ ही बातचीत होगी।

**तीन सत्र में होगी दूसरी जी20 एफएमसीबीजी बैठक**

सीतारामन और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास 12-13 अप्रैल, 2023 को दूसरी जी20 एफएमसीबीजी बैठक की संयुक्त रूप से अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में जी20 सदस्यों, 13 अन्य देश, इंटरनेशनल और क्षेत्रीय संगठनों से लगभग 350 प्रतिनिधि भाग लेंगे। दूसरी जी20 एफएमसीबीजी बैठक में तीन सत्र शामिल होंगे।

**किन मुद्दों पर होगी चर्चा**

दूसरी जी20 एफएमसीबीजी बैठक में खाद्य और ऊर्जा असुरक्षा को दूर करने, वर्ल्ड लोन कमजोरियों को हटाने, विकास बैंकों को मजबूत करने, जलवायु कार्रवाई के लिए फंड जुटाने, वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने और इंटरनेशनल टैक्स और वित्तीय प्रगति में तेजी लाने जैसे कई मुद्दों पर विचार किया जाएगा। यह जी20 एफएमसीबीजी बैठक जुलाई 2023 में गांधीनगर, गुजरात, भारत में आयोजित होने वाली तीसरी जी20 एफएमसीबीजी बैठक के लिए जी20 इंडिया फाइनेंस ट्रैक डिलिवरेबल्स की तैयारी के प्रयासों को आगे बढ़ाएगी।

**12 अप्रैल को होगी वर्ल्ड बैंक और आईएमएफ के साथ बैठक**

वित्त मंत्री अपनी यात्रा के दौरान 10 अप्रैल, 2023 को पीटरसन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स (पीआईआईई) में एक फायरसाइड चैट में भी भाग लेंगी। 11 अप्रैल को एक उच्च स्तरीय बैठक में अमेरिकी ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन से मुलाकात करेंगी। 12 अप्रैल को बैठक आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक के साथ बैठक होगी। इसमें वर्तमान वैश्विक कर्ज और मौजूदा चुनौतियों का समाधान करने के उपाय पर चर्चा होगी।

# भारत में सोने का आयात 30 प्रतिशत गिरा, चांदी का आयात 66 प्रतिशत बढ़ा, ये रही वजह

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के गोल्ड आयात में अप्रैल-फरवरी 2023 के बीच 30 प्रतिशत की कमी आई है और यह घटकर 31.8 अरब डॉलर रह गया है। गोल्ड के आयात में कमी ऐसे में समय पर आई जब सरकार की ओर से पिछले साल पीली धातु पर कस्टम ड्यूटी में इजाफा किया गया था।पिछले साल इसी अवधि में गोल्ड का आयात 45.2 अरब डॉलर का था। गोल्ड के आयात में अगस्त 2022 के बाद से ही गिरावट देखी जा रही है।

**चांदी का आयात 66 प्रतिशत बढ़ा**

गोल्ड के आयात में बेशक गिरावट देखने को मिल रही हो, लेकिन अप्रैल-फरवरी 2023 के दौरान चांदी के आयात में 66 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिल रही है।

**व्यापार घाटे को नहीं मिला सहारा**

सराकार की ओर से गोल्ड पर कस्टम ड्यूटी में इजाफा करने का बड़ा कारण बढ़ता हुआ व्यापारिक घाटा था, लेकिन गोल्ड का आयात कम होने से इसे कुछ खास सहारा मिलता हुआ नजर नहीं आ रहा है। अप्रैल -फरवरी 2023 के बीच व्यापारिक घाटा 247.52 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है, जो कि एक साल पहले 172.53 अरब डॉलर था। बता दें, केंद्र सरकार के द्वारा पिछले साल चालू खाते घाटे को कम करने के लिए गोल्ड पर आयात शुल्क 10.75 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया था।

**भारत में गोल्ड का आयात**

भारत दुनिया का सबसे बड़ा गोल्ड का आयतक देश है।

देश में हर साल करीब 800 से 900 टन गोल्ड का आयात किया जाता है। इसमें से अधिक गोल्ड का इस्तेमाल ज्वेलरी बनाने के लिए किया जाता है। पिछले वित्त वर्ष में अप्रैल से लेकर फरवरी तक ज्वेलरी निर्यात में 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 35.2 अरब डॉलर रहा है।

# कर्नाटक में अमूल और नंदिनी के बीच दूध बिक्री की लड़ाई-राजनीतिक विवाद तक आई

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में दूध और दूध उत्पादों की बढ़ी हुई महंगाई दर इस समय चर्चा का विषय बनी हुई है। केंद्र सरकार ने उन खबरों को भी भ्रामक बताया है जिनमें कहा जा रहा है कि भारत में जल्द ही मिल्क और मिल्क प्रोडक्ट्स का आयात करने पर विचार हो रहा है। हालांकि इस समय दूध की बिक्री को लेकर एक राज्य में विवाद की स्थिति पैदा हो गई है और ये राज्य कर्नाटक है जहां अगले महीने 10 मई को विधानसभा चुनाव होने वाला है। ऐसे में राज्य में राजनीतिक पार्टियों के बीच इस मामले पर जमकर आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं। ये मामला देश की एक बड़ी डेयरी प्रोडक्ट्स कंपनी अमूल और कर्नाटक मिल्क फेडरेशन की मिल्क कंपनी नंदिनी के बीच चल रहा है और इसको लेकर जोरदार वाद-विवाद हो रहा है। देश की दिग्गज मिल्क कंपनी अमूल और कर्नाटक की मिल्क कंपनी नंदिनी के बीच कारोबार की लड़ाई की आंच राजनीतिक पार्टियों के बीच भी सुलग रही है। ताजा घटनाक्रमों के अंतर्गत कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि ""विपक्षी पार्टियों को अमूल की राज्य में एंट्री के मुद्दे को राजनीतिक रंग नहीं देना चाहिए। हमें अमूल को लेकर पूरी तरह स्पष्टता है और नंदिनी एक नेशनल ब्रांड है और ये केवल कर्नाटक तक सीमित नहीं है। हमने और राज्यों में भी नंदिनी को ब्रांड के रूप में प्रचारित किया है।

**सोशल मीडिया पर भी हैशटैग वॉर**

अमूल ने इस बुधवार को ही कर्नाटक में एंट्री का एलान किया है और कहा है कि वो इ-कॉमर्स चैनल्स के जरिए राज्य में दूध और दूध उत्पादों की बिक्री करेगा। इस घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर हलचल मच गई और हाल ही में सेव नंदिनी और गोबैक अमूलजैसे हैशटैग ट्विटर पर ट्रेंड कर रहे थे और जबसे ये मामला सामने आया है लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ी है।

**क्या है पूरा मामला**

दरअसल ये सारा मामला तब गर्म हुआ जब अमूल ने कुछ समय पहले एक ट्विटर पोस्ट किया जिसमें लिखा था कि दूध और दही के साथ एक ताजगी की नई लहर बंग्लुरू आ रही है। अधिक जानकारी आने वाली है।

## दैनिक पंचांग

**ग्रह गोचर**

| ग्रह स्थिति | | | लग्नारंभ समय | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य- | मीन | में | मीन... | 04-45 | बजे |
| चंद्र- | वृश्चिक | में | मेष-- | 06-21 | बजे |
| मंगल | मिथुन | में | वृष-- | 08-06 | बजे |
| बुध- | मेष | में | मिथुन.. | 10-06 | बजे |
| गुरु- | मीन | में | कर्क... | 12-19 | बजे |
| शुक्र- | वृष | में | सिंह.... | 14-31 | बजे |
| शनि- | कुंभ | में | कन्या.. | 16-38 | बजे |
| राहु- | मेष | में | तुला | 18-43 | बजे |
| केतु- | तुला | में | वृश्चिक. | 20-53 | बजे |
| | | | धनु..... | 23-07 | बजे |
| | | | मकर.. | 01-12 | बजे |
| | | | कुंभ.... | 03-04 | बजे |

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायण,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2548,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876 सूर्योदय- 06-07
कलियुग संवत् -5124 वर्ष, सूर्य अस्त- 18-27
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी - 08 -37 तक उपरान्त पंचमी
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष , सोमवार April 10
नक्षत्र - अनुराधा - 13 -39 - तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - व्यतिपात -20 - 10 - तक उप - वरियान
करण- बालव - 08 - 37 - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार -सर्वार्थ सिद्ध योग- 06 - 24

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

**राहुकाल** 07:38 से 09:11 तक

**श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec**

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अमृत. | 06:07 - 07:38 | शुभ | चंचल | 18:27 - 19:57 | शुभ |
| काल. | 07:38 - 09:11 | अशुभ | रोग | 19:57 - 21:24 | अशुभ |
| शुभ. | 09:11 - 10:45 | शुभ | काल | 21:24 - 22:50 | अशुभ |
| रोग. | 10:45 - 12:18 | अशुभ | लाभ | 22:50 - 00:17 | शुभ |
| उत्पात | 12:18 - 13:51 | अशुभ | उत्पात | 00:17 - 01:44 | अशुभ |
| चंचल | 13:51 - 15:24 | शुभ | शुभ | 01:44 - 03:11 | शुभ |
| लाभ | 15:24 - 16:57 | शुभ | अमृत | 03:11 - 04:38 | शुभ |
| अमृत | 16:57 - 18:27 | शुभ | चंचल | 04:38 - 06:07 | शुभ |

# जल्द हो सकता 16वें वित्त आयोग का गठन

## जानिए क्यों पड़ती है इसकी जरूरत

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार इस साल 16वें फाइनेंस कमीशन का गठन कर सकती है, जो कि केंद्र और राज्य सरकारों को बीच टैक्स का अनुपात तय करने के साथ कई अन्य चीजों पर कार्य करेगा। ये जानकारी एक अधिकारी की ओर से दी गई। अधिकारी द्वारा बताया गया कि कमीशन के मेंबर्स और उनके टर्म ऑफ रेफरेंस पर काम किया जा रहा है।

बता दें, फाइनेंस कमीशन एक संवैधानिक संस्था होती है जो केंद्र और राज्य वित्तीय संबंधों को लेकर रूपरेखा तैयार करती है और सुझाव देती है।

फाइनेंस कमीशन अपनी रिपोर्ट में केंद्र और राज्यों के बीच पांच वर्षों के वित्तीय संबंधों को लेकर सुझाव देता है। 16वें फाइनेंस कमीशन एक अप्रैल 2026 से शुरू होने वाले वित्त वर्ष से अगले पांच सालों के लिए सिफरिश देगा।एनके सिंह के नेतृत्व में सरकार ने 15वें फाइनेंस कमीशन का गठन किया था। इसने पांच वित्त वर्षों (2021-22 से लेकर 2025-26) के लिए अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें कर अंतरण अनुपात को 42 प्रतिशत रखा है। यह 14वें फाइनेंस कमीशन में भी 42 प्रतिशत था।

# सऊदी अरब व इराक को पछाड़ रूस बना सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता

## एक तिहाई से अधिक हुई आयात में हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात इराक की तुलना में लगभग दोगुना हो गया है। मार्च के महीने में भारत ने रूस से औसतन 1.64 मिलियन बैरल प्रति दिन कच्चे तेल का आयात किया है। भारत के लिए इराक 2017-18 से कच्चे तेल का शीर्ष अपूर्तिकर्ता बना हुआ था। एनर्जी कार्गो ट्रेकर वोर्टेक्सा के मुताबिक, रूस लगातार छठे महीने भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता देश बना हुआ है। इस कच्चे तेल को भारतीय रिफाइनरियों में पेट्रोल और डीजल में परिवर्तित किया जा रहा है। बता दें, रूस की ओर से भारतीय तेल कंपनियों को कच्चे तेल की खरीद पर डिस्काउंट दिया जा रहा है।यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू होने (फरवरी 2022) से पहले भारत अपनी जरूरत का एक प्रतिशत से भी कम कच्चा तेल रूस से आयात करता था, लेकिन इस साल मार्च में ये बढ़कर 34 प्रतिशत पर पहुंच गया है। समाचार एजेंसी की पीटीआई की एक रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि रूसी कच्चा तेल 60 डॉलर प्रति बैरल से कम की कीमत पर आयात किया जा रहा है और इसका भुगतान करने के लिए यूएई दिरहम का उपयोग किया जा रहा है।वोर्टेक्सा के मुताबिक, मार्च में रूस के बाद सऊदी अरब भारत का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता देश था। सऊदी अरब की ओर से भारत को 9,86,288 बैरल प्रति दिन का निर्यात किया गया था। इसके बाद 8,21,952 बैरल प्रति दिन के साथ इराक का नाम तीसरे नंबर पर था।

मार्च में अमेरिका को पछाड़कर यूएई 3,13,002 बैरल प्रति दिन के साथ भारत का चौथा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता देश था। अमेरिका ने मार्च में भारत को 1,36,464 बैरल प्रति दिन कच्चे तेल का निर्यात किया है, जो कि फरवरी में 2,48,430 बैरल प्रति दिन था।

## आपका राशिफल

**मेष** — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहने की संभावना है जिससे आपको सफलता मिलेगी। लेकिन आपको ऐसी किसी भी चीज़ से बचना चाहिए जो आपकी ताकत को नष्ट करे। प्राचीन वस्तुओं और गहनों में निवेश लाभ और समृद्धि लाएगा। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताना सुखद रहेगा।

**वृष** — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपका झगड़ालू स्वभाव आपके शत्रुओं की सूची में शामिल हो सकता है। किसी को भी आपको इतना गुस्सा न करने दें कि आप बाद में पछताएं। बिना उचित सलाह के निवेश करने से हानि होने की संभावना है। यदि आप सभी की मांगों का ध्यान रखने की कोशिश करेंगे तो आप कई अलग-अलग दिशाओं में बिखर जाएंगे।

**मिथुन** — का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
आप पार्टी में हीन भावना से ग्रसित हो सकते हैं। इसके बिना सकारात्मक सोच से खुद को इससे उबरने के लिए प्रोत्साहित करें- आप आत्मविश्वास नहीं रख पाएंगे। दिनभर के लिए जीने और मनोरंजन पर जरूरत से ज्यादा खर्च करने की अपनी प्रवृत्ति पर ध्यान दें। अगर आप उनके साथ समय नहीं बिताएंगे तो प्रियजन नाराज़ हो सकते हैं।

**कर्क** — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों के बीच ख़ुशियाँ तलाशने की ज़रूरत है। आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए लेन-देन या किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करते समय आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है। किसी धार्मिक स्थान या किसी रिश्तेदार की यात्रा आपके कार्ड पर होने की संभावना है।

**सिंह** — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपकी कम जीवन शक्ति सिस्टम में पुराने ज़हर की तरह काम करेगी। बेहतर होगा कि आप खुद को किसी रचनात्मक काम में लगाएं और बीमारी से लड़ने के लिए प्रेरित करते रहें। अपने अतिरिक्त पैसे को एक सुरक्षित स्थान पर रखें जो आने वाले समय में आपको रिटर्न देने का वादा करेगा।

**कन्या** — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
भागदौड़ भरे दिन के बावजूद सेहत उत्तम रहेगी। संपत्ति के सौदे फलीभूत होंगे और शानदार लाभ देंगे। कोई ऐसा व्यक्ति जिसके साथ आप रहते हैं, आपके आकस्मिक और अप्रत्याशित व्यवहार से निराश और परेशान हो सकता है। सिर्फ खुद को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने पार्टनर से झगड़ सकते हैं।

**तुला** — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
अपनी लंबी बीमारी को ठीक करने के लिए स्माइल थेरेपी का प्रयोग करें क्योंकि यह सभी समस्याओं के लिए सबसे अच्छा एंटीडोट है। निवेश करने और सट्टा लगाने के लिए दिन अच्छा नहीं है। आपके लुक्स में किए गए कुछ बदलाव परिवार के सदस्यों को नाराज़ कर सकते हैं।

**वृश्चिक** — लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
काम का दबाव और घर में अनबन कुछ तनाव दे सकती है। लंबित मुद्दे अस्पष्ट हो जाते हैं और ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाते हैं। दोस्त निजी जीवन को लेकर आपको अच्छी सलाह देंगे। अपने प्रिय की वफादारी पर शक न करें। ऐसा लगता है कि कार्यस्थल पर आपके वरिष्ठ आज फरिश्तों की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

**धनु** — ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
आप अपने परिवार की खातिर अपनी खुशियों का त्याग करेंगे। लेकिन यह किसी भी रुचि और अपेक्षाओं से रहित होना चाहिए। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था उन्हें आज आर्थिक नुकसान हो सकता है। आज आपके पास सीमित धैर्य होगा- लेकिन सावधान रहें क्योंकि कठोर या असंतुलित शब्द आपके आस-पास के लोगों को नाराज़ कर सकते हैं।

**मकर** — मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
आपका उदार रवैया भेष में एक आशीर्वाद होगा क्योंकि आप संदेह, बेवफाई, अवसाद, विश्वास की कमी, लालच, मोह, अहंकार और ईर्ष्या जैसे कई दोषों से मुक्त होने की संभावना रखते हैं। जमीन-जायदाद और आर्थिक लेन-देन के लिए दिन शुभ है। परिवार के सदस्यों का हँसमुख स्वभाव घर के वातावरण को हल्का करेगा।

**कुंभ** — गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
गर्भवती माताओं के लिए विशेष देखभाल का दिन। दिन के उत्तरार्ध में आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज कोई ऐसा व्यक्ति जिसके मन में आपके प्रति दुर्भावना थी, वह मामले को सुलझाने की कोशिश करेगा और इसे आप तक पहुचायेगा। आपके प्रेमी या प्रेमिका आज पारिवारिक परिस्थितियों के कारण नाराज़ रह सकते हैं।

**मीन** — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
मानसिक भय आपको परेशान कर सकता है। सकारात्मक सोच और उज्जवल पक्ष को देखने से यह दूर रहेगा। अचानक आए अप्रत्याशित ख़र्चों से आर्थिक दबाव बढ़ सकता है। दोस्त आपको एक सुखद शाम के लिए अपने घर आमंत्रित करेंगे।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

# मुकेश अंबानी को एक हफ्ते में 6,731 करोड़ का फायदा

## जानें अन्य कंपनियों का क्या रहा हाल

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। सेंसेक्स की टॉप 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते हफ्ते 82,169.3 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। सबसे ज्यादा फायदा एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी को हुआ है। बीते हफ्ते मंगलवार (4 अप्रैल) को महावीर जयंती और शुक्रवार (7 अप्रैल) को गुड फ्राइडे के मौके पर बाजार में छुट्टी थी। बीते हफ्ते बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 841.45 अंक या 1.42 फीसदी चढ़ गया है। समीक्षाधीन हफ्ते में एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 31,553.45 करोड़ रुपये बढ़कर 9,29,752.54 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वहीं, एचडीएफसी के बाजार मूल्यांकन में 18,877.55 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 5,00,878.67 करोड़ रुपये रहा है। उधर, भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 9,533.48 करोड़ रुपये बढ़कर 4,27,111.07 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज यानी आरआईएल का बाजार पूंजीकरण 6,731.76 करोड़ रुपये बढ़कर 15,83,824.42 करोड़ रुपये पर और टीसीएस का 5,817.89 करोड़ रुपये के उछाल से 11,78,836.58 करोड़ रुपये रहा है। सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज , टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज , एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी और आईटीसी सहित आठ के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई है।दूसरी तरफ, आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 4,722.65 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 4,81,274.99 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का 3,792.96 करोड़ रुपये के फायदे से 4,71,174.89 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 1,139.56 करोड़ रुपये बढ़कर 6,02,341.22 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। इस रुख के उलट इन्फोसिस की बाजार हैसियत 2,323.2 करोड़ रुपये घटकर 5,89,966.72 करोड़ रुपये रह गई है। आईसीआईसीआई बैंक का पूंजीकरण 1,780.62 करोड़ रुपये के नुकसान से 6,10,751.98 करोड़ रुपये पर आ गया है।

# इस साल ये दो देश बनेंगे दुनिया की तरक्की के इंजन

## आईएमएफ को भारत से भी उम्मीद

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। वैश्विक अर्थव्यवस्था कोरोना महामारी की शुरुआत होने के बाद लगातार चुनौतियों का सामना कर रही है। महामारी के असर से पूरी तरह से उबरा जाता, उसके पहले ही पूर्वी यूरोप में युद्ध की शुरुआत हो गई, जिससे पिछला साल भी वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं रहा। अब इस साल यानी 2023 में इस मोर्चे पर कुछ सुधार की उम्मीद की जा रही है।अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का मानना है कि साल 2023 के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि करने की रफ्तार 03 फीसदी से कम रह सकती है। अगर भारत और चीन तेज दर से आर्थिक वृद्धि नहीं करते तो ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ रेट इससे काफी कम रह जाती। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्तालिना जॉर्जिवा का तो कहना है कि 2023 के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि में लगभग आधे हिस्से का योगदान भारत और चीन मिलकर देंगे।आईएमएफ एमडी ने ये बातें न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए एक हालिया इंटरव्यू में कहीं। उन्होंने कहा, उभरती अर्थव्यवस्थाओं खासकर एशिया से कुछ गति मिल रही है। ऐसा अनुमान है कि 2023 के दौरान भारत और चीन दुनिया की आर्थिक वृद्धि में आधा योगदान देंगे। अन्य अर्थव्यवस्थाओं के सामने तीखी चढ़ाई है। हालांकि वैश्विक अर्थव्यवस्था की चुनौतियां अभी कम नहीं हुई हैं। आईएमएफ एमडी ने चेताया कि कोरोना महामारी के चलते आए व्यवधानों और रूस-यूक्रेन युद्ध का असर इस साल भी देखने को मिल सकता है।

धीमी आर्थिक वृद्धि का यह दौर लंबा चलने की भी आशंका है। जॉर्जिवा को लगता है कि अगले पांच साल तक दुनिया की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार 03 फीसदी से कम रह सकती है।

# काशी विश्वनाथ मंदिर की रिकॉर्ड कमाई, भक्तों ने 100 करोड़ नकद तो 60 किलो सोना चढ़ाया

काशी, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। देवों के देव महादेव की नगरी बनारस काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर के भव्य निर्माण के बाद मंदिरों की कमाई में भी इजाफा हुआ है। काशी विश्वनाथ के पुजारी श्रीकांत मिश्रा कहते हैं कि जबसे बाबा का धाम बना है तो यहां भक्तों की संख्या में दस गुना बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही मंदिर की भी आमदनी बढ़ी है। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के अधिकारी के अनुसार 13 दिसम्बर, 2021 से लेकर 2022 तक श्रद्धालुओं द्वारा 100 करोड़ रुपए से अधिक का अर्पण किया गया, जो मंदिर के इतिहास में सर्वाधिक है। साथ ही गत वर्ष की तुलना में ये राशि लगभग 500 प्रतिशत से अधिक है। सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि लोकार्पण के बाद से लेकर अबतक मंदिर में 7.35 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किया है। वर्मा ने बताया कि धाम के लोकार्पण से दिसंबर 2022 तक श्रद्धालुओं द्वारा लगभग 50 करोड़ से अधिक की नकदी दान की है। इसमें से 40 प्रतिशत धनराशि ऑनलाइन सुविधाओं के उपयोग से प्राप्त हुई है। वहीं श्रद्धालुओं द्वारा लगभग 50 करोड़ से अधिक की बहुमूल्य धातु 60 किलो सोना, 10 किलो चांदी और 1500 किलो तांबा भी दान किया गया है। आस्थावानों द्वारा दिये गये सोना व तांबे का प्रयोग कर गर्भगृह की बाहरी एवं आंतरिक दीवारों को स्वर्ण मंडित किया गया है। मंदिर में 200 लोगों का पुजारी का परिवार है। इसके अलावा 200 लोग पंडे के परिवारों के हैं। इसका पूरा खर्च यहीं से चलता है। पहले रविवार और भैरव अष्टमी में भीड़ होती थी। लेकिन अब अनुमान के हिसाब से 10 हजार की भीड़ रोज आती है। इसमें तकरीबन 80 हजार रुपए आते हैं। इसके अलावा रविवार को कमाई कुछ और बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि कॉरिडोर व्यापार के लिए एक आशीर्वाद है। गिरी कहते हैं कि उन्हें तीन बार प्रधानमंत्री का पूजन कराने का अवसर मिला है। उन्होंने इस बार दक्षिणा भी दी है। संकट मोचन के महंत विशम्भरनाथ मिश्रा कहते हैं कि बनारस में इस पूरे साल संख्या बढ़ी है। यहां पर टूरिज्म के प्रमोशन के कारण विजिटर की संख्या बढ़ गई है। यहां पारंपरिक चीजें पहले की तरह ही चल रही हैं। उन्होंने कहा कि संकट मोचन में शनिवार और मंगलवार को भीड़ रहती है। जाहिर सी बात है जो बनारस आएगा तो मंदिर की तरफ आकर्षण होगा, वही इसमें एड हो जाते हैं। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर ने बनारस के छोटे व्यापारियों को बूस्टर डोज दे दी है। इनके व्यापार में चार से पांच गुना का उछाल आया है। कोरोना संकट के समय दुश्वारियां झेल रहे ठेला खोमचा, फूल माला, कचौड़ी, पान लगाने वाले समेत कई वेंडरों को अब संजीवनी मिल गई है। काशी के जानकर बताते हैं कि धाम के लोकार्पण के बाद यहां आए बदलाव को देखा जा सकता है। दिसंबर 2021 में दक्षिण भारतीयों की कुछ टोली बांसफाटक, ज्ञानवापी और कालभैरव तक सीमित थी।

# पाकिस्तानियों पर 50 हजार ब्रिटिश लड़कियों के शोषण का आरोप

## क्या है ग्रूमिंग गैंग, जिसके लिए ऋषि सुनक को बनानी पड़ी टास्कफोर्स?

एक्सक्लूसिव डेस्क, 9 अप्रैल। 16 साल की लूसी लोव अपने ही घर में मां और बहन के साथ मृत पाई गई। घर में लगी आग में तीनों झुलस गए। लूसी इस दौरान दूसरी बार प्रेग्नेंट थी। इन्वेस्टिगेशन में पता चला कि इस नाबालिग को प्रेग्नेंट करने वाला अजहर अली महमूद है और उसी ने लूसी के घर पर आग लगाई थी।

लूसी केस के बाद वेस्ट मरसिया पुलिस ने जब ऑपरेशन चैलिस चलाया तो उन्हें पता चला कि वो एक सोची-समझी साजिश का शिकार हुई थी। ऐसी हजारों लड़कियों को साजिश के तहत प्रेम के जाल में फंसाकर शारीरिक और मानसिक शोषण किया गया है। ऐसा करने वाले लोगों के लिए ब्रिटेन में एक चर्चित फ्रेज इस्तेमाल किया जाता है- ग्रूमिंग गैंग।

अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इन पर कार्रवाई करने के लिए ग्रूमिंग गैंग टास्क फोर्स बनाने की घोषणा की है। इससे पहले गृहमंत्री सुएला ब्रेवरमैन भी ग्रूमिंग गैंग पर गंभीर इल्जाम लगा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की गैंग्स में शामिल सभी पुरुष ब्रिटिश पाकिस्तानी हैं। ये जानबूझकर छोटी लड़कियों को अपने प्रेम के जाल में फंसाते हैं और फिर डरा-धमका कर उनका शोषण करते हैं।

एक्सप्लेनर में इन्हीं ग्रूमिंग गैंग्स की कहानी जानेंगे। कैसे ब्रिटेन में 16-17 साल की करीब 50,000 लड़कियां इनका शिकार बनीं और इसमें पाकिस्तान का नाम क्यों आ रहा है...

### क्या हैं ग्रूमिंग गैंग?

ब्रिटेन में ग्रूमिंग गैंग्स का मतलब उन लोगों के ग्रुप से है जो बच्चों का शारीरिक, मानसिक और यौन शोषण करते हैं। इनमें ज्यादातर कम उम्र की लड़कियां होती हैं। ये अपनी बातों में फंसाते हैं, उन्हें विश्वास दिलाते हैं कि वे उनके दोस्त हैं। जब बच्चे उन पर विश्वास करने लगते हैं तो उन पर दबाव बनाकर, डरा-धमका कर काबू में रखते हैं और उनका फायदा उठाते हैं।

ब्रिटेन के एक एनजीओ चिल्ड्रंस सोसाइटी ने 'ओल्ड इनफ टु नो बेटर' नाम से एक रिपोर्ट जारी की। इसमें बताया गया कि 16-17 साल की करीब 50,000 लड़कियां ग्रूमिंग गैंग्स के शोषण का शिकार हुईं। इनमें से केवल 5,000 लड़कियों ने ही पुलिस में इसकी शिकायत की।

2017 में ब्रिटेन के थिंक टैंक क्विलियम फाउंडेशन ने भी इस मामले में एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें दावा किया गया था कि ग्रूमिंग गैंग के 84% अपराधी एशियाई मूल के होते हैं, इनमें से भी ज्यादातर पाकिस्तानी मूल के ब्रिटिश नागरिक।

### कैसे काम करते हैं ग्रूमिंग गैंग्स?

ब्रिटेन के एक राज्य वेस्ट यॉर्कशायर में इन गैंग्स पर केस हुआ और 20 आरोपियों को सजा हुई। इस केस में सामने आया कि ग्रूमिंग गैंग्स छोटी और कमजोर लड़कियों को अपना निशाना बनाते हैं। उन्हें गिफ्ट्स देकर बहलाते हैं और स्पेशल महसूस कराकर उनसे रिश्ता कायम करते हैं। वे विश्वास दिलाते हैं कि उनसे प्यार करते हैं, उनकी चिंता करते हैं। जब लड़कियां इन पर विश्वास करने लगतीं हैं तो ये

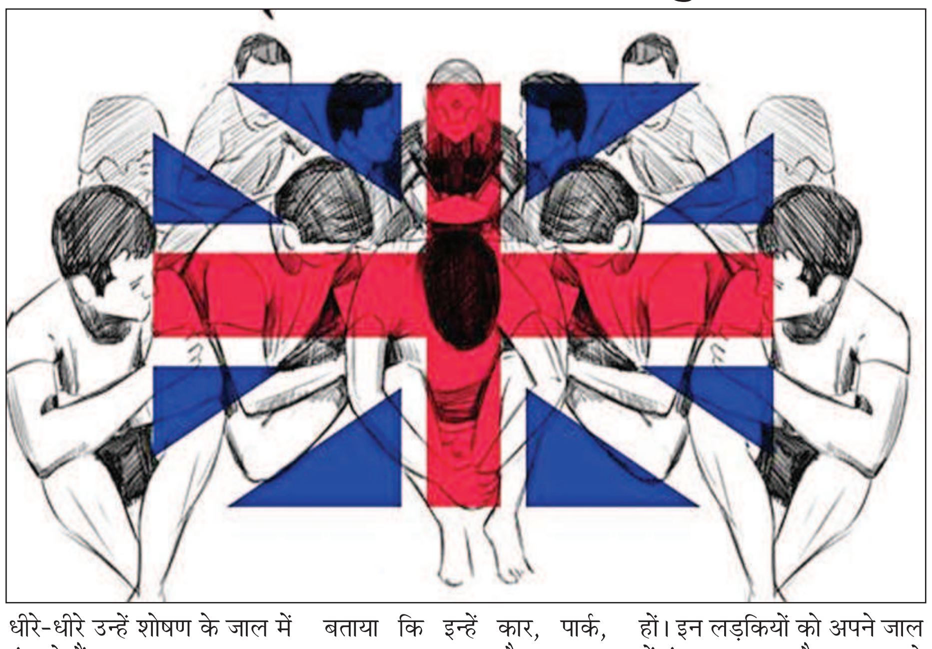

धीरे-धीरे उन्हें शोषण के जाल में फंसाते हैं।

इन लड़कियों को पार्टियों में ले जाया जाता है, शराब और ड्रग्स दिए जाते हैं। फिर इनसे उम्र में बड़े लड़कों और आदमियों के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर किया जाता। उन्हें शराब, गांजे और बाकी ड्रग्स की लत लगाई जाती है, ताकि वे नशे में रहें और गैंग मैंबर्स की हर बात मानती रहें। ये लड़कियां समझ ही नहीं पातीं कि उनका यौन शोषण हो रहा है। इनमें से कई लड़कियां मानव तस्करी का भी शिकार हुईं।

बीबीसी के मुताबिक, ग्रूमिंग गैंग्स के जाल में फंसी लड़कियां नाबालिग थीं, कई की उम्र तो महज 11 साल ही थी। गैंग मेंबर्स उन्हें काबू में रखने के लिए मार-पीट करते। उन्होंने एक लड़की के घर पर बम फेंकने तक की धमकी दी। लड़कियों ने कोर्ट में बताया कि इन्हें कार, पार्क, स्नूकर क्लब्स और कबाब हाउसेस ले जाया गया। यहां इन्हें जबरदस्ती किसी के साथ और कई बार एक से ज्यादा लोगों के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया।

इनमें से कई लड़कियां प्रेग्नेंट हुईं और उन्हें अबॉर्शन कराना पड़ा। कई लड़कियों ने अपने बच्चों को जन्म दिया, लेकिन वो इनके पिता का नाम तक नहीं जानती थीं। ये ग्रूमिंग गैंग्स पूरे ब्रिटेन में काम करते थे, लेकिन रोशडेल, रॉदरहैम और टेलफॉर्ड राज्यों में इन्होंने सबसे ज्यादा लड़कियों को फंसाया।

### ग्रूमिंग गैंग्स किन्हें अपना टारगेट बनाते हैं?

ग्रूमिंग गैंग्स ने ऐसी लड़कियों को टारगेट किया जो अकेली हों, जिन्हें स्कूल में बुली किया जाता हो, जो मानसिक रूप से कमजोर हों। इन लड़कियों को अपने जाल में फंसाना आसान है। जब तक वे समझ पातीं कि उनका शोषण हो रहा है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कई बार तो लड़कियां ये समझ ही नहीं पाईं कि उनका शोषण हुआ या हो रहा है।

ग्रूमिंग गैंग्स के चंगुल से क्यों नहीं निकल पातीं लड़कियां?

जब ये मुकदमा कोर्ट पहुंचा तो कई लड़कियों ने बताया कि वे यही समझती रहीं कि वे एक असली रिलेशनशिप में हैं। उनका दिमाग इस तरह से ब्रेनवाश किया गया कि वे अपने साथ हो रहे शोषण को समझ ही नहीं पाईं।

एक लड़की ने कहा कि, 'मुझे लगता है कि जब आप छोटे होते हैं और आपको स्कूल में बुली किया जाता है, कोई आपको थोड़ी भी अटेंशन दे तो वो आपको पसंद आता है। कोई आपकी मदद करे या आपको कोई तोहफा दे, आपको ये सब पसंद आता है। लेकिन जैसे ही आप उनके साथ रिश्ते में आते हैं आप उससे बाहर नहीं आ सकते।' एक और लड़की ने बताया कि उन लोगों ने मुझे डराया। उन्होंने कहा कि, 'मैं तुम्हें लेने आ रहा हूं और अगर तुम नहीं आईं तो मैं तुम्हारी मां को उठा लूंगा।'

### इतने सालों तक कैसे बचते रहे ग्रूमिंग गैंग्स?

लड़कियों और उनके घरवालों ने इन मामलों की शिकायत पुलिस में की, लेकिन पुलिस ने इन पर कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस और सरकारी अधिकारी नस्लभेद के आरोप लगने के डर से ग्रूमिंग गैंग्स के अपराधों को नजरअंदाज करते रहे। कोर्ट ने भी नवंबर 2017 में इन मामलों की सुनवाई की रिपोर्टिंग पर रोक लगा दी थी। इसे बाद में मीडिया की शिकायत के बाद हटा दिया गया।

ब्रिटेन की अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वेस्ट यॉर्कशायर के एक शहर हडर्सफील्ड में एक 13 साल की लड़की पुलिस को कटे-फटे कपड़े पहने मिली। पड़ोसी ने लड़की की चीख सुनकर पुलिस को कॉल किया था। सुबह का समय था, लड़कों का ग्रुप और वो अकेली लड़की। उसे वोडका पिलाई गई थी। पुलिस ने इन लड़कों से कोई पूछताछ नहीं की बल्कि लड़की को शराब पीने और माहौल खराब करने के जुर्म में गिरफ्तार कर लिया।

हडर्सफील्ड में ही एक और 12 साल की लड़की, 22 साल के एक पुरुष के साथ कार में शराब के नशे में मिली। लड़की की चीख सुनकर पुलिस उन तक पहुंची थीं। इस आदमी के मोबाइल फोन में लड़की की अश्लील तस्वीरें थीं, लेकिन उससे कोई पूछताछ नहीं हुई।

### ग्रूमिंग गैंग्स ऐसा करते क्यों हैं?

ग्रूमिंग गैंग्स का कोई साफ और इकलौता मोटो नहीं पता चलता। उनके काम के पैटर्न से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि कम उम्र की ब्रिटिश लड़कियों को फंसाकर वो पैसे की उगाही करते हैं। यौन शोषण करते हैं और प्रॉस्टिट्यूशन में धकेलते हैं। उनके अश्लील वीडियो बनाकर ब्लेकमैल करती हैं। कई मामलों में इन लड़कियों की तस्करी के मामले भी सामने आए हैं। पीड़िता डॉ. एला हिल ने 'त्रिकोणमिति' को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि ग्रूमिंग गैंग जातीय और धार्मिक आधार पर रेप करते हैं।

### केवल एक राज्य में 120 अपराध; 221 सालों की सजा

2004 से 2011 के बीच वेस्ट यॉर्कशायर के हडर्सफील्ड में ग्रूमिंग गैंग के अपराधों पर कोर्ट ने सुनवाई की। पहली बार ग्रूमिंग गैंग्स के मामले में 41 लोगों को सजा सुनाई गई। इसे ऑपरेशन टेंडरसी कहा गया।

एशियाई या पाकिस्तानी मूल के लोगों के शामिल होने पर सवाल

2020 में इंग्लैंड के गृह मंत्रालय ने चाइल्ड सेक्सुअल अब्यूज पर एक रिपोर्ट जारी कर कहा कि ग्रूमिंग गैंग के अपराधियों में ब्लैक और एशियन अपराधियों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता है।

हालांकि, ऐसा हो ही नहीं सकता कि ऐसे गैंग्स में सिर्फ किसी एक समुदाय के ही लोग हों। रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि भले ही रॉदरहैम, रोशडेल और टेलफॉर्ड में ऐसे कई हाई प्रोफाइल केस सामने आए हैं, जिनमें ग्रूमिंग गैंग के सदस्य ज्यादातर पाकिस्तान मूल के थे; फिर भी किसी खास नस्ल और इस तरह के अपराधों में कोई लिंक होना का पुख्ता सबूत नहीं मिलते हैं।

### पाकिस्तान ने अपने जवाब में क्या कहा?

पाकिस्तान ने इस मामले में आपत्ति जताई है। इंग्लैंड की गृहमंत्री के बयान के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा कि उन्होंने ब्रिटिश पाकिस्तानियों की बेहद भ्रामक तस्वीर पेश करने की कोशिश की है।

सुएला ब्रेवरमैन ने कुछ लोगों के आपराधिक बर्ताव को पूरे समुदाय का व्यवहार बता दिया है। मुमताज जहरा ने आगे कहा कि ब्रेवरमैन ब्रिटिश समाज के लिए ब्रिटिश पाकिस्तानियों की ओर से किए जा रहे सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक योगदान को पहचान नहीं पा रहीं हैं।

### इन गैंग्स के खिलाफ अब आगे क्या होगा?

प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने ट्वीट कर इन गैंग्स पर लगाम के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके लिए एक स्पेशल टास्क फोर्स बनाई जाएगी। इसमें बच्चों के शोषण को समझने के लिए विशेषज्ञ अधिकारी शामिल रहेंगे। उन्होंने ये भी बताया कि गैंग मेंबर्स को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। इसके साथ ही आरोपी किस नस्ल के हैं, इसका डेटा भी बनाया जाएगा।

# 'मुख्यमंत्री से बात रख सकता हूं, इससे ज्यादा मेरी हैसियत नहीं'

## स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने अनियमित कर्मचारियों से कहा- आपको न्याय सीएम से ही मिल पाएगा

रायपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव का कहना है कि, आप लोगों को न्याय मुख्यमंत्री से ही मिल पाएगा। हम लोग खुद ही किनारे हैं। हम आपकी बात मुख्यमंत्री तक रख सकते हैं। लेकिन इससे ज्यादा की मेरी हैसियत नहीं है। पुरानी गलती फिर नहीं करूंगा कि, जो कहूं और करा न पाउं।

अंबिकापुर में नियमितीकरण की मांग को लेकर उनका निवास घेरने जा रहे हैं कर्मचारियों से मोबाइल में हुई बातचीत के दौरान अपनी ही सरकार में उपेक्षा का दर्द सार्वजनिक रूप से जाहिर कर चुके, टीएस सिंहदेव ने दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों से हुई बातचीत में एक बार फिर अपना दर्द बयां किया है।

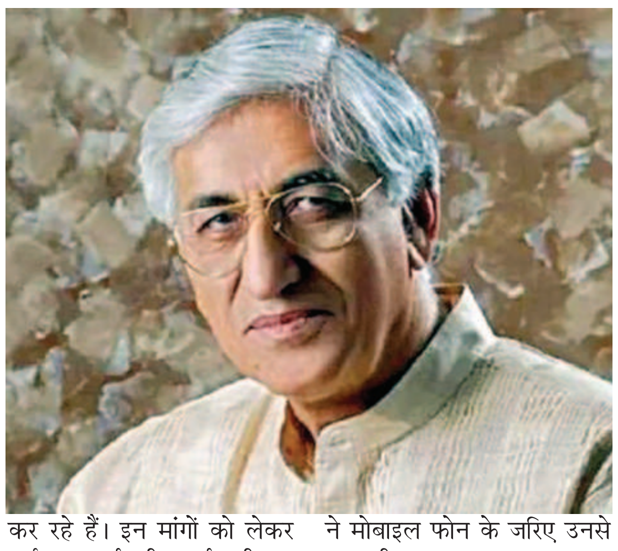

प्रदेश के दैनिक वेतनभोगी और अनियमित कर्मचारी पिछले कई सालों से नियमितीकरण की मांग कर रहे हैं। इन मांगों को लेकर कई बार कर्मचारी प्रदर्शन भी कर चुके हैं। अंबिकापुर में भी कर्मचारी रैली निकालकर स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के निवास का घेराव करने जा रहे थे। लेकिन इस दौरान पुलिस ने उन्हें बीच में रोक लिया। फिर यहां कर्मचारियों ने मोबाइल फोन के जरिए उनसे बात की।

कर्मचारियों ने मोबाइल के पास लाउड स्पीकर रखकर अन्य कर्मचारियों को भी सिंहदेव से हुई बातचीत को सुनाया। इस दौरान कर्मचारी मंत्री से न्याय की मांग करने लगे।

और यह भी पूछा कि आखिर दैनिक वेतन भोगी और अनियमित कर्मचारियों का नियमितीकरण सरकार कब करेगी। जिसके जवाब में उन्होंने कहा,आप लोग समझदार हैं। आपको भी सब कुछ पता है। आपके सवालों का जवाब केवल मुख्यमंत्री दे पाएंगे।

पहले भी जता चुके हैं नाराजगी

इससे पहले भी टीएस सिंहदेव अपने बस्तर प्रवास के दौरान राजकीय विमान नहीं मिलने और दंतेवाड़ा में आयोजित उनके कार्यक्रम में जिले के कलेक्टर और एसपी की गैर मौजूदगी की वजह से नाराज दिखाई दिए।दंतेवाड़ा में विधायक देवती कर्मा और उनके परिवार को छोड़कर कांग्रेस के अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी उनसे दूरी बना ली थी। इस उपेक्षा से टीएस सिंहदेव काफी निराश दिखाई दिए थे।

# विधायक बृहस्पत सिंह और बैंककर्मियों में हो गया समझौता

## एक-दूसरे को खिलाई मिठाई, विधायक ने थप्पड़ कांड पर जताया अफसोस; काम पर लौटेंगे बैंककर्मी

सरगुजा, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। रामानुजगंज विधायक बृहस्पत सिंह और सहकारी बैंक के कर्मचारियों के बीच थप्पड़ कांड के 4 दिन बाद समझौता हो गया। शनिवार को रामानुजगंज के सर्किट हाउस में विधायक और बैंक कर्मचारियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर सभी विवादों का अंत कर दिया।

विधायक बृहस्पत सिंह ने थप्पड़ कांड पर अफसोस जताते हुए कहा कि भूलवश और आवेश में आकर उन्होंने कर्मचारियों पर हाथ उठा दिया था। उन्होंने कहा कि बैंक कर्मचारियों ने भी इसे लेकर खेद जताया है कि बैंक के बाहर भीड़ होने के कारण उनसे संपर्क नहीं हो पाया और कन्फ्यूजन हो गया। इधर कर्मचारियों ने सोमवार से काम पर लौटने की

बात कही है।

बता दें कि भीड़ के बीच विधायक बृहस्पत सिंह ने 2 बैंक कर्मचारियों राजेश पाल और अरविंद सिंह को थप्पड़ भी मारे और उन पर घूंसे भी चलाए थे। दोनों बैंक कर्मचारी जिला सहकारी बैंक रामानुजगंज में पदस्थ हैं। बताया जा रहा है कि किसानों के भुगतान की बात पर विधायक भड़के थे। इसके विरोध में 5 और 6 अप्रैल को सरगुजा संभाग की 29 शाखाओं के कर्मचारी अवकाश पर रहे। इससे करीब 100 करोड़ का व्यवसाय प्रभावित हुआ।

इधर विधायक ने भी समर्थकों और किसानों के साथ सहकारी बैंक प्रबंधन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए एक दिवसीय आंदोलन किया था। मामले को बढ़ता देख शनिवार को दोनों पक्षों ने सुलह की पहल की। विधायक बृहस्पत सिंह ने बयान जारी कर कहा कि किसानों से शिकायत मिलने पर बैंक में पहुंचने के बाद आवेश वश मैंने कर्मचारियों के साथ ऐसा व्यवहार कर दिया, मुझे पहले दोनों पक्षों की बातें सुननी चाहिए थीं। मुझे घटना पर अफसोस है, मैं इस घटनाक्रम पर खेद व्यक्त करता हूं। कर्मचारियों से चर्चा हो गई है, अब इस मामले का पटाक्षेप हो गया है।

विधायक बृहस्पत सिंह द्वारा खेद व्यक्त किए जाने के बाद सहकारी केन्द्रीय बैंक कर्मचारी संघ ने इसे आंदोलन की जीत बताया है। उन्होंने सोमवार से बैंक का काम शुरू किए जाने की बात कही है।

# धार्मिक झंडे में बांधा मांस का टुकड़ा..दो पक्ष आमने-सामने

## घंटों रहा विवाद, प्रशासन ने शांत कराया सड़क पर लोगों ने पढ़ी हनुमानचालीसा

जमशेदपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। जमशेदपुर में शनिवार रात दो पक्ष के लोग आमने-सामने आ गए। कदमा चौक में धार्मिक झंडे में मांस का टुकड़ा बांधे जाने का लेकर पूरा विवाद हुआ। झंडे को अशुद्ध करने की जानकारी मिलते ही हिंदू संगठन के लोग और बीजेपी कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। लोगों ने हंगामा करते हुए कार्रवाई की मांग की।

हिंदू संगठनों ने प्रशासन की अनदेखी के खिलाफ चौक पर ही धरना दिया। घंटों ये विवाद चला। इधर हंगामे की बात सुनकर दूसरे पक्ष के लोग भी चौक की तरफ बढ़ने लगे। इसकी जानकारी मिलते ही डीएसपी (सीसीआर) अनिमेष गुप्ता और बिष्टुपुर थाना प्रभारी अंजनी कुमार मौके पर पहुंचे और मामले को शांत कराया।

शहर के कदमा शास्त्रीनगर ब्लॉक नंबर- 3 चौक के पास शनिवार की देर शाम वहां लगे

धार्मिक झंडे के बांस में किसी असामाजिक तत्व ने पॉलीथीन में मांस का टुकड़ा बांध दिया। इसकी जानकारी होते ही भाजपा और हिंदू संगठन के लोग मौके पर पहुंचे और हंगामा करने लगे।

प्रशासन की ओर से पहल नहीं होने पर सभी चौक पर बैठ नारेबाजी करने लगे। इस बीच दोनों समुदाय के लोगों में तनाव का माहौल बना रहा। जिसके बाद पुलिस-प्रशासन ने मामले को शांत कराया।

विवाद के बाद किसी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए घटना स्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। वहीं मांस की पॉलिथीन को वहां से हटा दिया गया। मौके पर पॉलीथिन हटाने को लेकर भी स्थानीय लोगों ने हंगामा किया। जिसके बाद पुलिस-प्रशासन की ओर से लोगों को काफी मशक्कत के बाद समझा कर शांत किया गया। पुलिस ने कार्रवाई करने की बात कही है।

मामला शांत होने के बाद तमाम हिंदू संगठन के लोगों ने झंडे को बदला और नया झंडा लगाया। इसके बाद मौके पर ही सड़क पर हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। आरती की गई और झंडे को शुद्ध किया गया। हिंदू संगठन के लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की। साथ ही संवेदनशील क्षेत्र में प्रशासन की ओर से सीसीटीवी कैमरा लगाने की मांग की गई। वहीं लोगों ने चौक का नाम बजरंग चौक करने की मांग की।

# बीजेपी की बैठकों पर कांग्रेस का तंज

## अब तक चेहरा तय नहीं कर पाए, जितनी भी बैठकें लेंगे फिजूल साबित होगी

रायपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में जैसे-जैसे चुनाव करीब आता जा रहा है वैसे-वैसे राजनीतिक पार्टियों की गतिविधियां भी तेज होती जा रही है। कांग्रेस और बीजेपी में बैठकों का दौर जारी है। हाल ही में बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर द्वारा ली गई बैठक पर कांग्रेस ने तंज कसा है।

बीजेपी की बैठक को लेकर कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला का कहना है कि बीजेपी में इस समय विश्वनीयता का संकट है। केन्द्रीय आलाकमाना और यहां के कार्यकर्ताओं का प्रदेश नेताओं पर भरोसा नहीं रहा। उन्होंने कहा कि बीजेपी अब तक चेहरा तय नहीं कर पाई है। आखिर किस आधार पर वे चुनाव लड़ेंगे। शुक्ला ने कहा कि उहापोह की स्थिति में कोई भी बैठक लेने की कवायद फिजूल साबित होगी।

छत्तीसगढ़ में बीजेपी स्थानीय मुद्दों के आधार पर चुनाव लड़ने की बात करती है। बीजेपी पीएम आवास योजना, पीएम ग्राम सड़क योजना को लेकर राज्य सरकार को कोसने का काम कर रही है लेकिन केंद्र सरकार उन्हीं

योजनाओ की तारीफ के लिए विज्ञापन जारी कर रही है।

उल्का के दौरे को लेकर कहा

छत्तीसगढ़ के बस्तर में प्रियंका गांधी का दौरा है और इसलिए दिल्ली से नेताओं के आने का सिलसिला जारी है। एआईसीसी सचिव सप्तगिरि शंकर उल्का के दौरे को लेकर उन्होंने बताया कि आज वे बस्तर दौरे पर रहेंगे।उल्का बस्तर के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होंगे। वहीं प्रियंका गांधी के बस्तर दौरे के संबंध में की जा रही तैयारियों का जायजा लेंगे।

आरक्षण मामले में युवाओं के प्रदर्शन को लेकर सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि, आरक्षण संशोधन विधेयक सर्वसम्मति से पारित करवाकर राजभवन भेजा गया था।

# मंत्री अन्नपूर्णा देवी और विधायक को दिया धन्यवाद

## गिरिडीह को मिली रांची इंटरसिटी की सौगात, चैंबर ने जताई खुशी

गिरिडीह, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। गिरिडीह से रांची तक इंटरसिटी एक्सप्रेस संचालन की स्वीकृति मिलने से गिरिडीहवासियों में भारी खुशी है। इसके लिए गिरिडीह जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से शनिवार को गिरिडीह शहर के श्याम भवन में समारोह आयोजित कर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सह कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी व गिरिडीह विधायक सुदीव्य कुमार सोनू का धन्यवाद दिया गया।

समारोह में चैंबर के अध्यक्ष निर्मल झुनझुनवाला ने मंत्री अन्नपूर्णा देवी को एक मांग पत्र सौंपकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैभव से अन्य सुविधाओं के लिए पहल करने की मांग की है। इस दौरान मोंगिया स्टील के डायरेक्टर डॉ गुणवंत सिंह ने मंत्री को बुके देकर सम्मानित किया। मांग पत्र में कहा गया है कि पारसनाथ से मधुबन होते हुए न्यू गिरिडीह स्टेशन तक के लिए स्वीकृत नयी रेललाइन का निर्माण केन्द्रीय रेल मंत्रालय के कोष से किया जाए।

जैन धर्मावलम्बियों के

विश्वप्रसिद्ध तीर्थस्थल मधुबन को रेल मार्ग से जोड़ने के लिए और नयी रेल लाइन के निर्माण के लिए रेल मंत्रालय से मंजूरी प्रदान की गयी है। इसके लिए 50 करोड़ रुपए भी आवंटित है। शेष राशि झारखंड सरकार के 50% अंशदान की स्वीकृति नहीं हो पाने के कारण रेललाइन के निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पिछले 5 वर्षो से लंबित है। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य आर्थिक रूप से भारत का सर्वाधिक पिछड़ा राज्य है।

लेकिन माल भाड़ा और खनिज परिवहन में यह रेल मंत्रालय को देश में सर्वाधिक राजस्व देने वाला राज्य भी है। इस परिस्थिति में चेंबर आग्रह करता है कि नयी रेल लाइन का निर्माण पूरी तरह केन्द्रीय रेल मंत्रालय वहन करे और यथाशीघ्र भूमि अधिग्रहण एवं नयी रेल लाइन का निर्माण कार्य प्रारंभ करे। मौके पर चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश सचिव प्रदीप अग्रवाल, गुणवंत सिंह सलूजा, अशोक जैन, श्रवण केडिया, नवीन सिन्हा, दिनेश खेतान, राकेश मोदी, महादेव दुबे, सांसद प्रतिनिधि दिनेश यादव, राजकुमार राज, दीपक यादव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

## पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आईईडी धमाका

# विस्फोट में दो सैनिकों की मौत

पेशावर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। खैबर कबायली जिले की बारा तहसील में एक विस्फोट में कम से कम दो सैनिकों की मौत हो गई। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के हवाले से यह जानकारी दी। आईएसपीआर के अनुसार, नायब सूबेदार हजरत गुल (37) और सिपाही नजीर उल्लाह महसूद (34) के रूप में पहचाने जाने वाले सैनिक एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से हुए विस्फोट में मारे गए। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, आईएसपीआर ने कहा कि घटना के तुरंत बाद, सुरक्षा बल और पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे और तलाशी अभियान शुरू किया, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस ने बताया कि दोषियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, इसी तरह की एक घटना शुक्रवार शाम को स्वाबी जिले में भी हुई, जहां आतंकवादियों ने एक हथगोले से उनके वाहन पर हमला किया, जिसमें एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। उसी दिन, उत्तरी वजीरिस्तान कबायली जिले में 'टारगेट किलिंग' की एक घटना में एक अन्य पुलिस कांस्टेबल भी मारा गया। इफ्तार से कुछ मिनट पहले प्रसिद्ध यार हुसैन मार्केट में स्वाबी हमले की सूचना मिली थी।

पुलिस के मुताबिक, जब पुलिस वैन यार हुसैन पुलिस स्टेशन की ओर जा रही थी, तो आतंकवादियों ने उस पर हथगोला फेंक दिया। डॉन के मुताबिक, इस घटना में एएसआई सेर खान की मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद कांस्टेबल गुल नसीब खान और एजाज खान गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार मृतक कालू खान गांव का रहने वाला था।

# एमपी के खाते में होंगे चार नए अभयारण्य

## कांग्रेस सरकार में 11 अभयारण्य का मसौदा हुआ था तैयार, पुराने प्रोजेक्ट पर नए सिरे से अमल

भोपाल, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में सरकार ने चार जिलों के जंगलों को अभयारण्य घोषित करने की तैयारी शुरू कर दी है। हरदा, बुरहानपुर, धार और नरसिंहपुर जिलों को यह सौगात मिलेगी। दरअसल, कांग्रेस शासनकाल में प्रदेश में 11 नए अभयारण्य बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया था। सत्ता परिवर्तन के बाद इन प्रोजेक्ट की फाइलों को बंद कर दिया गया था। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाघ, तेंदुआ समेत अन्य वन्य प्राणियों की बढ़ती संख्या के साथ संरक्षण के मद्देनजर पुराने प्रोजेक्ट के नए अभयारण्य का मसौदा नए सिरे से तैयार किया जा रहा है। इन अभयारण्य के लिए सर्वे रिपोर्ट तैयार की जाएगी। मैपिंग, जलाशयों की स्थिति, वनों की स्थिति और प्रकार, संबंधित वन क्षेत्रों में मौजूद वन्य प्राणियों का पूरा खाका तैयार होगा। हालांकि चार साल पहले भी प्रस्ताव में प्रस्तावित अभयारण्यों का खाका तैयार किया गया था। रिपोर्ट समेत अन्य प्रकृति में तैयार करने में कुल 2 करोड़ 23 लाख का खर्चा भी हुआ था। वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 26 (ए) के तहत कागजी कार्रवाई पूरी की गई थी।

**14.76 हजार वर्ग किलोमीटर का संरक्षित रकबा 18 हजार के होगा पार**

अधिकारियों ने बताया कि एमपी में फिलहाल 14.73 हजार वर्ग किलोमीटर का रकबा संरक्षित क्षेत्रों में हैं। इसमें नेशनल पार्क, टाइगर रिजर्व, अभयारण्य समेत घोषित संरक्षित वन शामिल हैं। पुराने प्रस्ताव के मुताबिक प्रारंभिक रिपोर्ट में नए चार अभयारण्य के बाद चार हजार वर्ग किलोमीटर का अतिरिक्त वन क्षेत्र संरक्षित होगा। प्रदेश में संरक्षित जंगलों का कुल क्षेत्रफल 18 हजार के पार होने का अनुमान है।

**वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर कनेक्टिविटी के तर्ज पर होंगे अभयारण्य**

मध्यप्रदेश में बाघों, तेदुओं समेत अन्य वन्य प्राणियों की संख्या में इजाफा हो रहा है। लिहाजा बाघ समेत अन्य वन्य प्राणी भी अन्य वन्य क्षेत्रों में जाने से नहीं चुकते। अफसरों के मुताबिक बीते 15 सालों में रातापानी के बाघों का भोपाल की ओर मूवमेंट होना भी इसका ही एक कारण है। लिहाजा, इन प्रोजेक्टों को वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर कनेक्टिविटी की तर्ज पर विकसित करने का प्लान है। दावा यह भी है कि ऐसे प्रोजेक्ट की भी प्लानिंग की जा रही है जो दो या दो से अधिक नजदीकी अभयारण्य को कॉरिडोर के रूप में वाइल्ड लाइफ कनेक्टिविटी को बढ़ा सकें।

**पुराने नाम से चल रही नए प्रस्ताव की फाइल**

कांग्रेस शासनकाल में प्रस्तावित हरदा, बुरहानपुर, धार और नरसिंहपुर जिलों के अभयारण्य का नामकरण हो चुका है। इसमें धार जिले में जमुना देवी अभयारण्य, बुरहानपुर जिले में महात्मा गांधी अभयारण्य, हरदा जिले में डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद अभयारण्य और नरसिंहपुर जिले में इंदिरा गांधी अभयारण्य का नाम दिया गया। फिलहाल इन्हीं नामों से प्रोजेक्ट जारी हैं। सूत्र बताते हैं कि नए नोटिफिकेशन के साथ ही पुराने नामों को बदल दिया जाएगा।

## अमेरिका में गोलीबारी, तीन घायल: फूड कोर्ट में तीन लोगों को मारी गई गोली, मॉल बंद किया गया

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के डेलावेयर स्थित एक मॉल में गोलीबारी हुई। इसमें तीन लोग घायल हो गए। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस सूचना पाकर क्रिस्टियाना मॉल पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। डेलावेयर पुलिस ने कहा, 'क्रिस्टियाना मॉल और आसपास के क्षेत्र में सार्वजनिक सुरक्षा की चिंता नहीं है। हालांकि, इस क्षेत्र में ज्यादा भीड़ करने से बचें। मामले की जांच जारी है। अभी मॉल में दुकानदारों को खाली कराया गया है। फिलहाल किसी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है।' पुलिस ने एक ट्वीट में कहा, 'हम इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि तीन पीड़ित हैं जो गोलियों से घायल हो गए हैं। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है।' पुलिस ने कहा कि मॉल शनिवार शाम को बंद रहेगा। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि फूड कोर्ट इलाके में तीन लोगों को गोली मारी गई। पुलिस ने कहा, 'हम सभी के धैर्य की सराहना करते हैं क्योंकि हम इस शूटिंग के बारे में अधिक जानकारी इकट्ठा करना जारी रखते हैं।'

# क्या छिड़ने वाली है चीन-ताइवान के बीच जंग

## एक-दो नहीं... 71 फाइटर जेट ने किया एयर स्पेस का उल्लंघन

ताइपे, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन और ताइवान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। यूक्रेन-रूस के बाद चीन-ताइवान के बीच तनातनी शुरू हो चुकी है। ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन के अमेरिका दौरे से बौखलाए चीन ने ताइवान के खिलाफ तीन दिन की मिलिट्री ड्रिल शुरू कर दी है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि एक दो नहीं, बल्कि चीन के 71 लड़ाकू विमानों ने ताइवान के एयर स्पेस का उल्लंघन किया। इसके अलावा ताइवान की चौतरफा घेराबंदी करने के लिए चीन ने अपने एयरक्राफ्ट कैरियर समेत कई जंगी जहाजों को ताइवान स्टेट में तैनात कर दिए हैं। चीन के 9 जंगी जहाजों ने ताइवान की सीमा का भी उल्लंघन किया है। ताइवान की राष्ट्रपति साइ इंग वेन ने 5 अप्रैल को अमेरिका के निचले सदन के सभापति केविन मैकार्थी से कैलिफोर्निया में मुलाकात की थी। जानकारी के मुताबिक चीन के इस भड़काऊ कदम के खिलाफ ताइवान की सेना भी जबरदस्त युद्धाभ्यास कर रही है. ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन ने अमेरिका में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के स्पीकर केविन मैकार्थी से मिलकर चीन को ये संदेश दे दिया है कि वो इन गीदड़ भभकियों से डरने वाले नहीं हैं।

**पहले भी कर चुका है कोशिश**

पिछले साल अगस्त में जब अमेरिकी संसद की स्पीकर नैंसी पेलोसी ताइवान के दौरे पर थी, तब भी चीन बौखला गया था। अमेरिकी संसद के ताइवान के दौरे के वक्त भी चीन ने ऐसी ही मिलिट्री ड्रिल से ताइवान को डराने की कोशिश की थी. उस समय भी चीन ने इस पर कड़ा एतराज जताया था और ताइवान को धमकी दी थी. चीन और ताइवान के बीच ये झड़प सात दशक पुरानी है. ताइवान खुद को आजाद मुल्क मानता है, जबकि चीन उसने अपना हिस्सा बताता है. बता दें कि ताइवान चीन से बहुत पहले अलग हो गया था.

# राष्ट्रपति अल्वी पर भड़के पाकिस्तान के पीएम

## शहबाज ने कहा- पीटीआई कार्यकर्ता की तरह कर रहे काम, ये आरोप भी लगाए

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट (प्रैक्टिस एंड प्रोसीजर) बिल, 2023 को बिना पास किए वापस लौटाने के डॉ. अल्वी के फैसले की शहबाज ने आलोचना की। गुस्से में शहबाज ने राष्ट्रपति अल्वी को इमरान खान की पार्टी पीटीआई का कार्यकर्ता तक कह डाला। बिल का उद्देश्य मुख्य न्यायाधीश की शक्तियों को कम करना है। जिसमें स्वप्रेरणा और पीठों का गठन शामिल है। उधर, पीटीआई ने कानून पारित करने के कदम की कड़ी निंदा की है और कहा है कि यह 'न्यायपालिका पर हमला' है।

**शहबाज ने क्या कहा?**

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सुप्रीम कोर्ट (प्रैक्टिस एंड प्रोसीजर) बिल, 2023 को अहस्ताक्षरित लौटाने के लिए राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी की आलोचना की और उन्हें पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का कार्यकर्ता बताया। शहबाज ने एक

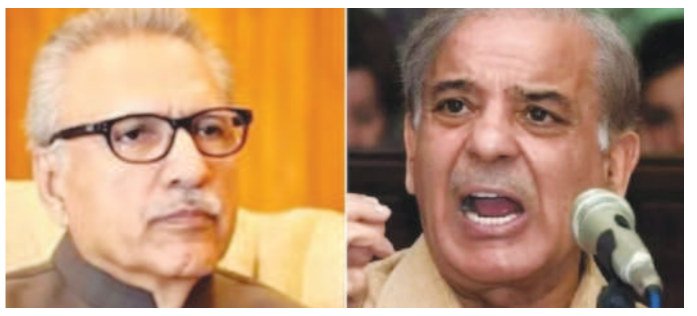

ट्वीट में कहा, 'राष्ट्रपति अल्वी ने संसद द्वारा विधिवत पारित सर्वोच्च न्यायालय के विधेयक को लौटाना सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति ने अपने कार्यों के माध्यम से अपने कार्यालय को छोटा कर दिया है क्योंकि वह 'संविधान और अपने कार्यालय की मांगों से अधिक इमरान नियाजी के प्रति समर्पित हैं।' शहबाज ने आगे कहा कि राष्ट्रपति ने अपने कार्यों से अपने कार्यालय का अपमान किया है क्योंकि वह अपने संवैधानिक कर्तव्यों को पूरा करने के बजाय पीटीआई प्रमुख के आदेशों का पालन करते हैं। उन्होंने कहा, 'अपने आचरण के माध्यम से, उन्होंने पीटीआई के एक कार्यकर्ता के रूप में कार्य करके प्रतिष्ठित कार्यालय का अपमान किया है, जो संविधान और अपने कार्यालय की मांगों से अधिक इमरान नियाजी के प्रति समर्पित है।'

**पहली भी कई प्रस्ताव वापस लौटा चुके हैं अल्वी**

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जब राष्ट्रपति अल्वी ने शहबाज शरीफ सरकार के किसी बिल को वापस लौटाया हो। इसके पहले भी वह कई बिल को वापस लौटा चुके हैं। पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में चुनावों को लेकर देश में गहराते राजनीतिक और संवैधानिक संकट के बीच इस बिल को पिछले महीने संसद के दोनों सदनों ने मंजूरी दे दी थी और सहमति के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा था। अल्वी के कानून को मंजूरी देने से इनकार करने के बाद, सरकार के संसद के संयुक्त सत्र से इस विधेयक के पारित होने की संभावना है। राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 75 के प्रावधानों के अनुसार संसद को पुनर्विचार के लिए विधेयक वापस कर दिया, जिसमें कहा गया कि विधेयक प्रथम दृष्टया संसद की क्षमता से परे है और इसे रंगीन कानून के रूप में स्वीकार किया जा सकता है। पीएम शहबाज शरीफ को लिखे अपने पत्र में, राष्ट्रपति अल्वी ने कहा कि उन्होंने संविधान के अनुसार, इसकी वैधता के बारे में जांच को पूरा करने के लिए पुनर्विचार के अनुरोध के साथ, विधेयक को वापस करना उचित और उचित समझा (यदि न्यायालय में चुनौती दी गई है)। राष्ट्रपति ने पिछले साल अप्रैल में पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट की सरकार के गठन के बाद से बिल लौटाए हैं और पीएम शहबाज सहित संघीय कैबिनेट के कई सदस्यों को शपथ दिलाने से भी इनकार कर दिया है।

## रोजगार के मामले में हिमाचल की स्थिति पड़ोसी राज्यों से ज्यादा बेहतर, विभाग की रिपोर्ट में खुलासा

शिमला, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। रोजगार के मामले में हिमाचल प्रदेश की स्थिति पड़ोसी राज्यों पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड से कहीं ज्यादा बेहतर है। यही नहीं, प्रदेश की बेरोजगारी दर भारत के औसत से भी नीचे है। राज्य में 100 में से 85 फीसदी लोग स्वरोजगार से रोजगार पा रहे हैं। 12 प्रतिशत नियमित या अन्य वेतनभोगी हैं, जबकि मात्र तीन प्रतिशत आकस्मिक श्रमिक हैं। यह खुलासा राज्य सरकार के अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग के अध्ययन में हुआ है। अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग ने अध्ययन के लिए पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वेक्षण यानी पीएफएलएस 2021-22 को आधार बनाया है। इस अध्ययन के अनुसार हिमाचल प्रदेश में बेरोजगारी दर 4.0 प्रतिशत है। पड़ोसी राज्यों में उत्तराखंड में 7.8, पंजाब में 6.4 और हरियाणा में 9.0 प्रतिशत है। भारत की औसत दर 4.1 प्रतिशत है। हालांकि हिमाचल प्रदेश में बेरोजगारी दर 2020-21 में 3.3 प्रतिशत से बढ़कर 2021-22 में 4.0 प्रतिशत हो गई है। हरियाणा और उत्तराखंड में बेरोजगारी बहुत तेजी से बढ़ी है। पंजाब में यह 6.2 से बढ़कर 6.4, हरियाणा में 6.3 से 9.0 और उत्तराखंड में 6.9 से 7.8 प्रतिशत हो गई है। भारत में यह 4.2 प्रतिशत से घटकर 4.1 प्रतिशत हो गई है।

# पूर्वी कांगो में बड़ा आतंकी हमला

## 20 लोगों की मौत, इस्लामिक स्टेट ने ली जिम्मेदारी

कांगो, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। कांगो के पूर्वी लोकतांत्रिक गणराज्य के गाव में बड़ा हमला हुआ है. इस हमले में करीब 20 लोगों की मौत हो गई है.इस्लामिक स्टेट ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है. इस्लामिक स्टेट ने टेलिग्राम पर बयान जारी करते हुए हमले की जिम्मेदारी ली. जानकारी के मुताबिक हमला को बेनी के बाहरी इलाके में स्थित एक गांव मुसंडाबा में हुआ है. वहीं सेना और स्थानीय अधिकारियों ने इस हमले के लिए एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेस (एडीएफ) पर आरोप लगाया है. एडीएफ पूर्वी कांगो में स्थित एक युगांडा समूह है जिसने इस्लामिक स्टेट के प्रति निष्ठा रखता है. बेनी क्षेत्र के मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेटर कर्नल चार्ल्स ओमेगा ने इस हमले में 20 लोगों की मौत की जानकारी दी और एडीएफ को हमले के लिए जिम्मेदार बताया गया. वहीं स्थानीय कार्यकर्ता जेनवीर कासेरेका कसायिरियो ने जानकारी दी है कि 22 शव पास के एक अस्पताल में लाए गए हैं. उत्तरी किवु क्षेत्र में सेना के एक प्रवक्ता एंथोनी म्वालुशाय ने बताया कि सेना से बचने के लिए, हमलावरों चाकू का इस्तेमाल किया था."

**बुर्किना फासो में भी हमले में 44 लोगों की मौत**

इसके अलावा पश्चिमी अफ्रीकी देश बुर्किना फासो में भी बड़ा हमला हुआ

है जिसमें 44 लोगों की मौत हो गई है. जानकारी के मुताबिक जिहादियों ने बुर्किना फासो के उत्तरी इलाके में ये हमला किया है. इस दौरान जिहादियों ने दो गांवों कूराकू और तोंदोबी को निशाना बनाया था.

**नीइजीरिया में 30 लोगों की मौत**

इसके अलावा नाइजीरिया में भी बड़ा हमला हुआ है जहां बंदूकधारियों के हमले में 30 लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया. ये हमला उत्तरी नाइजीरिया में एक शिविर किया गया. जानकारी के मुताबिक इस दौरान बंदूकधारियों ने शुक्रवार को आम नागरिकों पर अचानक गोलीबारी कर दी थी जिसमें 30 लोगों की मौत हो गई. घटना बेन्यू राज्य के मगबान गांव की है. हालांकि हमले के लिए कौन जिम्मेदार है, इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है, लेकिन शक जताया जा रहा है कि इसके पीछे चरवाहों का हाथ हो सकता है.

## नाइट क्लब के बाहर हिंसक लड़ाई, जमकर चले लात घूंसे, सुरक्षा गार्ड ने महिला को जमीन पर पटका

वाशिंगटन, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो अमेरिका के टेक्सास का है, जहां एक नाइटक्लब के बाहर महिलाओं के बीच हिंसक लड़ाई हो है। इस दौरान नाइट क्लब का एक पुरुष सुरक्षा गार्ड महिलाओं की इस जंग को रोकने के चक्कर में एक महिला को जमीन पर पटक देता है। महिलाओं के बीच झड़प की ये घटना शनिवार को सैन एंटोनियो में प्रिवेट सोशल क्लब के बाहर हुई थी। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में साफ दिख रहा है कि दो महिला आपस में लड़ाई कर रही होती हैं। इस दौरान एक अन्य महिला दूसरे के पास जाती है और उसका बाल पकड़कर उसे पटक देती है और फिर लात घूंसों की शुरुआत होती है। वहीं, इसी बीच एक पुरुष सुरक्षा गार्ड उधर से आता है वह एक महिला को जमीन पर पटक देता है। इस तरह नाइट क्लब के बाहर कई महिलाएं आपस में झगड़ रही होती हैं।

# हिजाब को लेकर ईरान सरकार सख्त

## चप्पे-चप्पे पर लगेंगे कैमरे, महिलाओं पर रखी जाएगी नजर

तेहरान, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान में हिजाब को लेकर बवाल थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। पिछले साल महसा अमीनी की मौत के बाद शुरू हुआ यह विवाद कब खत्म होगा, यह कोई नहीं जानता। ईरान की सरकार हिजाब पर सख्ती को लेकर हर वो तरकीब अपना रही है, जिससे यह पता लग सके कि कौन ड्रेस कोड का पालन करता और कौन नहीं। इसके लिए, सरकार ने सार्वजनिक जगहों पर कैमरे लगाना शुरू कर दिया है। इसके जरिए पहचान में आसानी होगी कि कौन हिजाब पहनती है और कौन नहीं। इसी के आधार पर हिजाब न पहनने वाली महिलाओं के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि ईरान में हिजाब पहनना अनिवार्य है। यहां कानून है कि महिलाओं के बाल ढके रहने चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उसके खिलाफ कार्रवाई होगी और कानून के मुताबिक उसे सजा दी जाएगी.महसा अमीनी की मौत के बाद ईरान में हिजाब पर बवाल पुलिस ने कहा कि जो महिलाएं अपने बालों को नहीं ढकती हैं, उन्हें चेतावनी दी जाएगी। इससे हिजाब कानून के खिलाफ प्रतिरोध को रोकने में मदद मिलेगी। दरअसल, महसा अमीनी की मौत के बाद ईरान में हिजाब को लेकर काफी विरोध प्रदर्शन हुआ था। पुलिस कस्टडी में अमीनी की मौत हो गई थी। कई रिपोर्टों में कहा गया कि हिजाब न पहनने को लेकर उसकी हत्या कर दी गई।

**हिजाब के विरोध में सड़कों पर उतरी थीं हजारों महिलाएं**

इसके बाद यहां की महिलाओं और लड़कियों ने इसके विरोध में हिजाब पहनना छोड़ दिया था। इसको लेकर कई महीनों तक ईरान में प्रदर्शन चलता रहा। यह प्रदर्शन एक समय में इतना उग्र हो गया था कि यह केवल ईरान तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि यह दुनिया के कई देशों तक फैल गया था। हजारों प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया। कइयों की मौत हो गई थी।

**ईरानी महिलाओं को हिजाब पहनना अनिवार्य-राष्ट्रपति इब्राहिम**

बता दें कि पिछले हफ्ते ईरान का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में दो महिलाएं बिना हिजाब पहने एक दुकान से सामान ले रही थीं। इस दौरान एक शख्स ने दोनों महिलाओं पर दही फेंक दिया था। यह वीडियो काफी वायरल हुआ था। इसके बाद उन दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने अपनी बात को दोहराते हुए कहा था कि ईरानी महिलाओं को हिजाब पहनना अनिवार्य है। ऐसा नहीं करने उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

# गर्भ में पल रहे बच्चों को शिकार बना रहा कोरोना

## दो के ब्रेन डैमेज- डॉक्टरों ने दी ये सलाह

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। कोरोना वायरस संक्रमण के प्रभावों पर शोधकर्ता शुरू से ही दावे करते रहे हैं। धीरे-धीरे उनकी बात सच साबित होती दिखाई पड़ रही है। अब पता चला है कि अमेरिका में कोविड पॉजिटिव गर्भवति महिलाओं के बच्चों का ब्रेन डैमेज पाया गया है। वे गर्भ के दौरान कोविड से संक्रमित हुई थीं और संक्रमण प्लेसेंटा में प्रवेश कर गया था। पीडियाट्रिक्स जर्नल में एक रिपोर्ट छपी है, जिसमें मियामी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने बताया कि बच्चों की माएं दूसरी तिमाही में संक्रमण का शिकार हुई थीं। 2020 में वे वैक्सीन आने से पहले डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित हुई थीं, जब संक्रमण अपने चरम पर था. शोधकर्ताओं ने दावा किया कि बच्चों को जन्म लेते ही दौरा पड़ा और बाद में भी उनमें कुछ शिकायतें देखी गईं. ब्रेन डैमेज के साथ जन्म लेने वाले दो बच्चों में एक की 13 महीने में मौत हो गई, जबकि दूसरे को होसपाइस केयर में रखा गया। मियामी विश्वविद्यालय में बाल रोग विशेषज्ञ और सहायक प्रोफेसर डॉ मर्लिन बेनी ने बताया कि कोई भी बच्चे कोरोना से संक्रमित नहीं थे. उनके शरीर में कोविड एंटीबॉडी पाया गया था. शोधकर्ताओं ने कहा कि इससे पता चलता है कि गर्भवति महिलाओं के प्लेसेंटा और फिर बच्चों में संक्रमण प्रवेश कर सकता है. इससे बच्चों का ब्रेन भी डैमेज हो सकता है. शोधकर्ताओं ने बताया कि बच्चों को जन्म देने वाली महिलाओं के प्लेसेंटा में संक्रमण के प्रमाण मिले हैं. बच्चों के ब्रेन में भी वायरस के निशान मिले, जिससे पता चलता है कि संक्रमण की वजह से ही ब्रेन डैमेज हुआ. गर्भवति रहते महिलाओं ने कोरोना टेस्ट कराया था, जिसमें वे पॉजिटिव पाई गई थीं. उनमें हल्के लक्षण पाए गए थे. शोधकर्ताओं ने फैमिली प्लानिंग करने वाली महिलाओं को भी कुछ सलाह दी है. एक्सपर्ट मानते हैं कि इस तरह के केस दुर्लभ हैं. मियामी विश्वविद्यालय में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शहनाज दुआरा ने कोरोना के दौरान गर्भवति होने वाली महिलाओं को सलाह दी है कि उन्हें अपने बच्चों को बाल रोग विशेषज्ञ को दिखाना चाहिए. बच्चे में अगर किसी तरह की शिकायत भी पाई जाती है तो 7-8 साल में वे ठीक भी हो सकते हैं.

# हार्वेस्टर से कुचलकर हाथ के हुए दो टुकड़े डॉक्टर्स ने 6 घंटे की सर्जरी कर किया रीइम्प्लांट

भोपाल, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भोपाल के फ्रेक्चर हॉस्पिटल में डॉ. शशांक अग्रवाल ने एक अनोखी रीइम्प्लांट सर्जरी की है। जिसमें 21 वर्षीय युवक आनंद रघुवंशी का हाथ जो कि पूरी तरह से क्रश होकर दो टुकड़े में बट गया था। मांसपेशियां पूरी तरह से कुचल चुकीं थीं। इसके बाद आनंद को उनका परिवार सुबह करीब चार बजे भोपाल फ्रेक्चर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर्स ने उनका परीक्षण कर तुरंत ऑपरेशन की तैयारी की और ऑपरेशन के बाद उनकी हाथ को जोड़ा जा सका। इस ऑपरेशन को अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ शशांक अग्रवाल, डॉ संदीप शर्मा, डॉ कमलेश कुमार वर्मा ने किया। बता दें कि जब मरीज हॉस्पिटल पंहुचा, 6 घंटे हो चुके थे। उनका हाथ पूरी तरह कुचला हुआ था। डॉक्टर्स के अनुसार ऐसी स्थिति में अधिकतर डॉक्टर कटे हाथ (अंग) को जोड़ने का प्रयास कम ही करते हैं। आनंद रघुवंशी 23 मार्च को रात में करीब 10 बजे गंजबासौदा में अपने खेत में गेंहू काटने के बाद हार्वेस्टर से साफ कर रहे थे। अचानक उसका बांया हाथ मशीन की चपेट में आ गया एवं कोहनी के नीचे से न केवल कट कर अलग हो गया। इसमें उनकी की मांसपेशिया कुचल गई थीं, खून की वेसल एवं नर्व उखड़ गई एवं हड्डियों के कई टुकड़े हो गए । आनंद के परिजन 4 घंटे बाद भोपाल फ्रेक्चर हॉस्पिटल पहुंचे। यहां हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने मरीज और कटे हाथ का परीक्षण कर, कटे हाथ को तुरंत ऑपरेशन करके जोड़ने का निर्णय लिया।

# अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन करेंगे पायलट

## मीडिया को गहलोत के बयान दिखाए, बोले-वसुंधरा पर एक्शन नहीं लिया, लोग सोचेंगे मिलीभगत तो नहीं

जयपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। सचिन पायलट ने जयपुर स्थित घर पर रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई थी। इसमें उन्होंने भ्रष्टाचार की जांच से जुड़े सीएम गहलोत के कुछ बयान भी दिखाए।

राजस्थान में सचिन पायलट ने एक बार फिर अपनी ही पार्टी की सरकार पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पायलट ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। उन्होंने कहा, ₹मैंने मुख्यमंत्री गहलोत से पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन गहलोत ने कोई एक्शन नहीं लिया।₹ पायलट इसके विरोध में 11 अप्रैल को जयपुर में शहीद स्मारक पर एक दिन का अनशन करेंगे।

पायलट ने कहा, ₹वसुंधरा सरकार में हुए भ्रष्टाचार पर कार्रवाई नहीं की गई। जबकि विपक्ष में रहते हुए हमने यह वादा किया था कि जांच कराई जाएगी। चुनाव को 6-7 महीने बचे हैं, विरोधी भ्रम फैला सकते हैं कि कहीं कोई मिलीभगत तो नहीं है, यह साबित करने के लिए जल्दी कार्रवाई करनी होगी। ताकि

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लगे कि हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है।

***प्रेस कॉन्फ्रेंस में पायलट ने ये बड़ी बातें कहीं***

**45 हजार करोड़ के घोटालों का मुद्दा उठाया था**

पायलट ने जयपुर में अपने घर पर प्रेस कांफ्रेंस बुलाई थी। उन्होंने कहा, ₹वसुंधरा सरकार के वक्त विपक्ष में रहते हुए हमने 45 हजार करोड़ के घोटालों को लेकर आवाज उठाई थी और यह वादा किया था कि सरकार आएगी इन घोटालों पर निष्पक्ष तरीके से जांच करवाएंगे और दोषियों को सजा देंगे।

**गहलोत से आग्रह किया, चिट्ठी भी लिखी थी**

वे बोले, मैंने कभी द्वेषपूर्ण कार्रवाई के लिए नहीं कहा, लेकिन विपक्ष के रूप में बनी हमारी विश्वसनीयता को बरकरार रखना होगा। मैंने सीएम गहलोत से आग्रह किया था। 28 मार्च 2022 को पहली चिट्ठी लिखी थी। उस पर कोई जवाब नहीं मिला। फिर दूसरी चिट्ठी लिखी। उसका भी जवाब नहीं आया। केंद्र सरकार पिछले कुछ समय से विपक्ष के लोगों को टारगेट कर रही है। ईडी ने जिन नेताओं नोटिस दिया या छापे डाले उनमें से 95 फीसदी नेता विपक्ष के हैं।

**चुनाव में लोग हम पर यकीन करें, इसलिए एक्शन जरूरी**

सचिन पायलट ने कहा, 'क्या कारण है कि बार-बार सत्ता में आने के बावजूद हम विपक्ष में रहते जो आरोप लगाते हैं, उन पर कोई कार्रवाई नहीं करते। हम दोबारा जब चुनाव में जाएंगे तो हमारी बात पर कोई यकीन करे इसलिए जरूरी है कि हम कोई एक्शन लें।

**जांच नहीं होगी तो कैसे पता चलेगा दोषी कौन है**

वे बोले, अशोक गहलोत और मैंने मिलकर आरोप लगाए थे, जब तक निष्पक्ष जांच नहीं हो तब तक कैसे पता लगेगा। जांच में अगर निकल कर आता है कि कोई दोषी नहीं था तो मान लेंगे कि गहलोतजी और मैं झूठे थे। जब तक कोई केस रजिस्टर्ड नहीं होगा, तब तक लोग कैसे मान लेंगे कि हमने जो आरोप लगाए थे, वह सही हैं या गलत।

**हाईकमान को भी दिया था सुझाव**

पायलट ने कहा, मैंने राजस्थान को लेकर हाईकमान को जो सुझाव दिए थे, उनमें से एक सुझाव यह भी था कि हमने विपक्ष में रहते हुए जो भ्रष्टाचार और घोटालों के आरोप लगाए थे, उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसा नहीं लगना चाहिए कि हमने केवल चुनाव की रोटियां सेकने के लिए आरोप लगाए थे। सवा चार साल बीत जाने के बावजूद आज तक कार्रवाई नहीं हुई।

**एक दिन का अनशन करेंगे पायलट**

पायलट ने कहा- 'मैंने 28 मार्च 2022 और 2 नवम्बर 20220 को सीएम अशोक गहलोत को चिट्ठी लिखी थी। अब तक कोई एक्शन नहीं हुआ। 11 अप्रैल को प्रसिद्ध समाज सुधारक ज्योतिबा राव फुले की जयंती है , उसी दिन मैं शहीद स्मारक पर एक दिन का अनशन करूंगा। मैंने जिला प्रशासन को इस बारे में सूचना दे दी है। जनता जनार्दन है।'

# जयपुर ब्लास्ट के पीड़ितों से मिले विधायक कालीचरण सराफ

## बोले- सरकार की लापरवाही से हुई दोषियों की रिहाई, सड़क से सदन तक करेंगे आंदोलन

जयपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने आनंदपुरी में जयपुर बम ब्लास्ट 13 मई 2008 को शहीद हुए स्वर्गीय रामबाबू अग्रवाल के घर जाकर उनके परिवार वालों से मिले।

राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री और बीजेपी विधायक कालीचरण सराफ ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रविवार को सराफ जयपुर ब्लास्ट के मृतक रामबाबू अग्रवाल के घर पहुंचे। जहां उन्होंने पीड़ित परिवार को सांत्वना देने के साथ ही दोषियों को सजा दिलाने का वादा किया।

कालीचरण सराफ ने कहा कि कोर्ट के फैसले को आए 13 दिन का वक्त बीत गया है। लेकिन अब तक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर नहीं की है। ऐसे में 12 अप्रैल को बीजेपी

जयपुर ब्लास्ट के मृतकों के परिजन और घायलों के साथ कैंडल मार्च निकालेगी। ताकि राजस्थान की सोई हुई सरकार को जगह सके।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। यही कारण है कि 70 से ज्यादा मृतकों के मौत के मामले में भी कोर्ट में पैरवी तक नहीं की गई। जिसको लेकर सिर्फ जयपुर ही नहीं बल्कि, राजस्थान की जनता में भारी आक्रोश है। ऐसे में जब तक सरकार दोषियों को सजा दिलाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाएगी। बीजेपी सड़क से लेकर सदन तक इस मामले पर आंदोलन करेगी।

इस दौरान सराफ के साथ महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, नगर निगम ग्रेटर उपमहापौर पुनीत कर्नावट, चेयरमैन रमेश सैनी, पार्षद नरेश शर्मा,महेश सैनी, कविता कटियार, जयपुर शहर उपाध्यक्ष ब्रह्म कुमार सैनी, मंडल अध्यक्ष राजेश शर्मा, जितेंद्र अजमेरा समेत भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

# सत्तापक्ष के विधायकों को मिल रही धमकियां

## राठौड़ बोले - इसका मतलब राजस्थान में आज भी गैंगस्टर आम आदमी से वसूल रहे प्रोटेक्शन मनी

सीकर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद आज भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ पहली बार सीकर आए। यहां उनका भाजपा कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान मीडिया से रूबरू होते हुए राठौड़ ने जमकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार पर तंज कसे हैं। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में विधायकों को गैंगस्टर धमकी दे रहे हैं। इससे साफ है कि राजस्थान में आज भी आम आदमी से प्रोटेक्शन मनी वसूली जा रही है।

राठौड़ ने कहा कि जैसे-जैसे सरकार का कार्यकाल खत्म होता जा रहा है वैसे-वैसे उनका पुलिस पर नियंत्रण कम होता जा रहा। बाड़मेर की नहीं बल्कि राजस्थान में 2 महीने पहले ऐसी ही घटना दौसा में हुई। जहां एक महिला लिफ्ट मांगने के लिए खड़ी थी। उसका अपहरण कर उसको जलाया गया। उस मामले में भी 7 दिन बाद सरकार चेती। जयपुर में हुए सीरियल बम ब्लास्ट की घटना में 71 लोगों की जान गई।

और सरकार की लचर पैरवी के कारण जिन लोगों को सेशन कोर्ट से फांसी की सजा हुई। वह हाईकोर्ट से बरी हो गई। सरकार ने एएजी को बर्खास्त कर सरकार ने मान लिया कि हम से गलती हुई। लेकिन इस गलती में दोष मुख्यमंत्री,गृहमंत्री का भी है। राजस्थान में यह सबसे बड़ा नरसंहार था जिसमें सरकार सावधान नही रही। अब जब सरकार का जनाधार खत्म हो रहा है तो महंगाई के विरुद्ध कैंप लगाने की बात सरकार करती है।

राठौड़ ने कहा कि लैंड रेवेन्यू एक्ट के सेक्शन 15 में सरकार को नए जिलों की घोषणा करने का सरकार को अधिकार है। सेक्शन 16 में बाउंड्री तय करने का अधिकार भी सरकार को है। लेकिन कब सरकार उस पर आपत्ति लेगी। कब सरकार वहां जिला कलेक्ट्रेट बनाएगी। राठौड़ ने कहा कि सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि कुचामन और डीडवाना दोनों में 35 किलोमीटर का फर्क है। पहली बार ऐसा हुआ है जब सरकार ने 2 बड़े शहरों के नाम से जिला मुख्यालय की घोषणा की गई हो। राठौड़ ने कहा कि सरकार के खुद के विधायकों को धमकियां मिल रही है। इसका मतलब है कि आज भी राजस्थान में गैंगस्टर आम आदमी से प्रोटेक्शन मनी वसूल कर रहा है।

विधानसभा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि मैं खुद को पार्टी का एक जमीनी कार्यकर्ता मानता हूं। एक जमीनी कार्यकर्ता को इतना बड़ा दायित्व दिया यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। राठौड़ ने कहा कि सीकर शेखावाटी का हार्ट माना जाता है। शेखावाटी के तीनो जिलों सीकर चूरू और झुंझुनूं को सीकर प्रभावित करता है। पिछले चुनावों में कांग्रेस की घोषणाओं के मायाजाल में शेखावाटी के लोग आ गए। जिसके कारण हम कुछ प्रतिशत से सरकार बनाने में रह गए। राठौड़ ने कहा कि अक्टूबर के नजदीक आचार संहिता लागू हो जाएगी। इसके बाद बूथ की लड़ाई शुरू हो जाएगी।

राठौड़ ने कहा कि रोज न्यूज़ के माध्यम से पता चलता है कि राजस्थान में कोई ना कोई थोथी घोषणा के साथ महिला अत्याचारों की घटनाएं सामने आती है। हाल ही में बाड़मेर में जो घटना हुई। वह दिल को दहला देने वाली घटना थी। दुष्कर्म करने के बाद महिला की बॉडी को जला दिया गया। लेकिन 24 घंटे तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई। राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कहते हैं कि बलात्कार की घटनाएं झूठी घटनाएं होती है। और सरकार के मंत्री कहते हैं कि राजस्थान में बलात्कार की घटनाएं इसलिए होती है क्योंकि यह मर्दों का प्रदेश है। जब वीरांगना अपनी बात कहती है तो उन पर चारित्रिक हमला करने वाली यह सरकार है।

राठौड़ ने कहा कि अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार महंगाई के विरोध में कैंप लगाने जा रही। जिसमें मुख्यमंत्री के कार्ड बांटे जाएंगे। राठौड़ ने कहा कि जब एक बजट पास होता है तो 1 अप्रैल से बजटीय घोषणा लागू होना संसदीय नियमों के मानदंड में शामिल है। लेकिन गहलोत सरकार ने 1 साल पहले महिलाओं को मोबाइल फोन देने की घोषणा की। इस बार उसकी पुनरावृत्ति की गई। लेकिन अब सरकार वह मोबाइल अगस्त में देगी। सरकार अन्नपूर्णा किट बांटेगी लेकिन वह भी मई में। वह भी तभी मिलेंगे जब लोग सरकार से मांगने जाएंगे। राठौड़ ने कहा कि इन कैंपों के जरिए लोगों को ठगने की कायाकल्प सरकार कर रही है। जहां गहलोत के बड़े-बड़े पोस्टर लगे रहेंगे। ऐसे में अब हमें समय के विपरीत दौड़ना पड़ेगा।

राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत जब भी सरकार से जाते हैं तो कांग्रेस का सूपड़ा साफ करके जाते हैं। पिछली बार 22 लोगों को छोड़कर गए थे। जो एक मिनी बस की सवारी के बराबर थी। लेकिन इस बार तो सरकार के खुद के मंत्री ही कह रहे हैं कि फॉर्च्यूनर में जितने आ जाए वही बड़ी बात है।

राठौड़ ने कहा कि ऐसे में जरूरी है कि हम डबल इंजन वाली सरकार बनाएं। मोदी के सपनों का हिंदुस्तान बनाने के लिए जरूरी है कि उनके सपनों का राजस्थान भी बने।

# विधायक मुकेश भाकर को रोहित गोदारा से मिली धमकी

## 3अप्रैल को रात 11 बजे किया बदमाश ने फोन, विधायक की सुरक्षा में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ

जयपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के नजदीकी लाडनूं विधायक मुकेश भाकर को लॉरेंस बिश्वोई गैंग की ओर से जान से मारने की धमकी मिली हैं। यह धमकी भाकर को 3 अप्रैल को रात 11 बजे मिली थी। भाकर के नम्बर पर दो नम्बरों से फोन आया जिस में धमकी देने वाले ने खुद को रोहित गोदारा बताया और कहा कि वह उसे जान से मार देगा। जिसके बाद भाकर ने एसपी नागौर को इस धमकी की जानकारी दी। भाकर किसी निजी काम से बाहर थे। 7को लाडनूं आने पर भाकर की ओर से रोहित गोदारा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया।

लाडनूं थाना पुलिस ने बताया कि विधायक को धमकी मिलने की जानकारी मिलने पर रोहित गोदारा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया हैं। वहीं जिन नम्बरों से फोन आया था उस की जांच की जा रही हैं। दोनों ही नम्बर बंद जा रहे हैं। सम्भवतय बदमाश ने

इंटरनेशनल कॉल का इस्तेमाल किया हो। हालांकि विधायक की सुरक्षा में अभी कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया हैं। नागौर पुलिस की स्पेशल सेल और साइबर सेल को नम्बर की जांच पर लगाया गया हैं।

नारायण बैनीवाल को भी मिल चुकी हैं 007 गैंग से धमकी

खिंवसर विधायक नारायण बैनिवाल को भी 007 गैंग की ओर से धमकी मिल चुकी हैं। उनके आवास पर बदमाशों ने टैलर चस्पा कर के धमकी दी थी। इस सम्बंध में विधायक की ओर से मामला दर्ज कराया गया था लेकिन धमकी देने वाले आज तक पुलिस के हाथ नहीं लगे।

# 2 पिस्टल और 11 कारतूस के साथ 3 बदमाश गिरफ्तार

## तीनों आरोपी गैंग के सदस्य हैं, तीनों की कोर्ट में होगी पेशी

जयपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। उदयपुर में डीएसटी और सुखेर टीम ने अमरख जी मंदिर के पास 2 पिस्टल और 11 कारतूस के साथ 3 बदमाशों को किया गिरफ्तार किया।

उदयपुर में डीएसटी और सुखेर टीम ने अमरख जी मंदिर के पास 2 पिस्टल और 11 कारतूस के साथ 3 बदमाशों को किया गिरफ्तार किया। पुलिस टीम को मुखबीर से सूचना मिली थी कि कुछ ब द मा श अमरख जी महादेव के पास खड़े है जिनके पास हथियार हो सकते है। सूचना पर टीम अमरख जी महादेव की तरफ जाने वाले रास्ते पर पहुंची और तीन संदिग्धों को रोककर तलाशी ली गई तो उनके कब्ज़े से 2 पिस्टल और 11 कारतूस बरामद हुए। जिस पर पुलिस ने आरोपियों को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। आरोपी प्रतापनगर निवासी नारायण सिंह, केलवा निवासी जगदीश रेबारी, सुखेर निवासी शंभु सिंह को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि तीनों गिरफ्तार अभियुक्त 003 गैंग के सदस्य है। मामले में आगे जांच की जा रही है। आरोपियों को पकड़ने में सुखेर थाना से एएसआई लालसिंह और टीम, डीएसटी टीम से हैड कान्टेबल विक्रम सिंह, कांस्टेबल उपेन्द्र सिंह, हरेन्द्र सिंह और साइबर सेल से एएसआई गजराज सिंह की अहम भूमिका रही। आरोपियों को अब कोर्ट में पेश किया जाएगा।

# राजस्थान में 1 जून से 100 यूनिट बिजली फ्री

## सरकारी स्कीम्स की डेडलाइन तय; जानिए- कब से मिलेगा 500 में सिलेंडर, महिलाओं को मुफ्त स्मार्टफोन

जयपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। गहलोत सरकार ने चुनावी साल में की गईं घोषणाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए टाइम टेबल बनाकर विभागों को भेज दिया है। बड़ी योजनाओं का फायदा इसी महीने से शुरू हो रहा है, जबकि कई योजनाओं का फायदा मई-जून से मिलना शुरू होगा। फ्री मोबाइल स्कीम अगस्त से शुरू होगी। 30 अगस्त से महिलाओं को फ्री स्मार्टफोन मिलने शुरू हो जाएंगे। पहले फेज में 25 लाख महिलाओं को फ्री स्मार्टफोन दिए जाएंगे।

सरकार ने बजट में की गई बड़ी घोषणाओं को लागू करने का नए सिरे से टाइम टेबल तय किया है। आम तौर पर 1 अप्रैल से बजट की घोषणाएं लागू मानी जाती हैं, लेकिन चुनावी साल होने के कारण सरकार ने रणनीति में बदलाव किया है। इसके चलते लोकलुभावन स्कीम्स को लागू करने के लिए अलग-अलग समय तय किया है। पब्लिक तक सरकारी योजनाओं का फायदा पहुंचाने के लिए राज्यभर में कैंप लगाए जाएंगे। आइये, जानते हैं राजस्थान के लोगों को किस स्कीम का कब से मिलेगा फायदा

उज्ज्वला परिवारों को 500 रुपए में सिलेंडर देने की योजना 1 अप्रैल से लागू हो गई है, लेकिन इसका फायदा 24 अप्रैल से मिलना शुरू होगा। सिलेंडर सब्सिडी उज्ज्वला और बीपीएल के लिए अलग-अलग है। इसका मैकेनिज्म तय किया जा रहा है। प्रदेश के 75 लाख से ज्यादा परिवारों को 25 मई से महंगाई राशन किट मिलना शुरू होगा। यह राशन किट हर महीने मिलेगा। इस राशन किट में रसोई में यूज होने वाली चीजें मुफ्त दी जाएंगी। राशन किट में चीनी, तेल, नमक, मिर्च, धनिया, हल्दी, जीरा सहित खाना पकाने में काम आने वाली सामग्री होगी।

चिरंजीवी योजना में 10 लाख से बढ़ाकर 25 लाख का फ्री इलाज 24 अप्रैल से मिलना शुरू होगा। चिरंजीवी परिवारों का दुर्घटना बीमा 5 से बढ़ाकर 10 लाख किया है, बढ़ा हुआ बीमा भी 24 अप्रैल से मिलेगा।

लम्पी से मरने वाली गायों पर 40-40 हजार रुपए का मुआवजा मिलेगा। यह मुआवजा 10 अप्रैल से पशुपालकों के खातों में डालने का काम शुरू होगा। हर पशुपालक को दो गायों तक का मुआवजा दिया जाएगा।

कम से कम 1000 रुपए की सामाजिक पेंशन अब 1 जून से खातों में आना शुरू होगी। सीएम ने बजट में सामाजिक सुरक्षा पेंशन कम से कम 1000 रुपए करने की घोषणा की थी। 1 मई से पेंशन बढ़ेगी और इसका भुगतान 1 जून से शुरू होगा।

किसानों को 2000 यूनिट फ्री बिजली का फायदा 1 जून से मिलना शुरू हो जाएगा। सरकार ने फ्री बिजली योजना की शुरुआत 1 मई से करने का फैसला किया है। किसानों को इसका फायदा 1 जून से मिलेगा। इसी तरह घरेलू उपभोक्ताओं को 100 यूनिट फ्री बिजली का लाभ भी 1 जून से मिलना शुरू होगा।

सरकार ने लोकलुभावन घोषणाओं को लाभार्थियों तक सीधा पहुंचाने के लिए महंगाई राहत कैंप लगाने का फैसला किया है। 24 से 30 जून तक गांव और शहरों में ये कैंप लगाए जाएंगे। प्रशासन गांवों के संग अभियान और प्रशासन शहरों के संग अभियान में लगने वाले कैंपों का फोकस योजनाओं का फायदा देने पर रहेगा। इसके अलावा 2000 स्थायी कैंप भी लगेंगे। हंगाई राहत कैंपों में गैस सिलेंडर योजना के लिए रजिस्ट्रेशन और मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड दिए जाएंगे। मुफ्त बिजली योजना के भी रजिस्ट्रेशन और गारंटी कार्ड दिए जाएंगे।

# तेंदुए ने बुजुर्ग पर हमला कर मार डाला

## घसीटते हुए झाड़ियों में ले गया; गर्दन टूटी, पेट की आंतें बाहर निकलीं

उदयपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। खेत पर रखवाली कर 70 साल के बुजुर्ग पर तेंदुए ने हमला कर दिया। लेपर्ड 100 मीटर तक घसीटते हुए झाड़ियों में ले गया। हमले में किसान की गर्दन टूट गई और पेट की आंतें बाहर निकल गईं। मौके पर ही मौत हो गई। घटना उदयपुर के अंबामाता इलाके के पालड़ी गांव में रात 8 बजे हुई। जानकारी के अनुसार मृतक किसान फतह सिंह के घर के पीछे ही खेत था। शनिवार रात को पूरा परिवार खेत पर गेहूं की फसल निकालने में जुटा था। परिवार लोग गेहूं घर पहुंचा रहे थे। फतह सिंह अकेले खेत पर रखवाली कर रहे थे। इसी बीच तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। परिवार के सदस्य घर पर गेहूं रखकर लौटे तो बुजुर्ग नहीं थे। उनकी पगड़ी खेत में पड़ी मिली।

अनहोनी की आशंका पर घरवाले वाले घबरा गए। चिल्लाते हुए आवाज देने लगे। कोई जवाब नहीं मिला। फिर सभी ने टॉर्च से तलाश शुरू की। खेत से करीब 100 मीटर दूर झाड़ियों में बुजुर्ग का शव पड़ा मिला। क्षत-विक्षत शव देख कोहराम मच गया। आवाज सुन आस-पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने पंचायत समिति सदस्य भुवनेश व्यास और पुलिस को सूचना दी। व्यास एंबुलेंस के साथ पहुंचे। बुजुर्ग के शव को एमबी अस्पताल ले गए। रविवार सुबह पोस्टमॉर्टम किया गया।

# ट्रेलर ने बाइक को मारी टक्कर,चचेरे भाईयों की मौत

## मजदूरी कर लौट रहे थे गांव; ड्राइवर गिरफ्तार, ट्रेलर जब्त

मकराना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। नागौर जिले के मकराना कस्बे के पास परबसर थाना इलाके के पीपलाद रोड पर शनिवार देर रात 11 बजे एक ट्रेलर बाइक सवार दो चचेरे भाइयों की बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ट्रेलर का ड्राइवर मौके से फरार हो गए। जिसे बाद में रूपनगढ़ रोड पर एफसीआई गोदाम के पास पकड़ लिया गया।

परबतसर थानाधिकारी विनोद कुमार ने रविवार सुबह मृतकों का पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों के सौंप दिया। उन्होंने बताया कि झालरा निवासी सलीम (25) पुत्र हरजी औप शौकत (30) पुत्र पप्पू रात में बाइक पर पीपलाद रोड से होकर झालरा गांव जा रहे थे। रास्ते में शालीमार होटल के पास उन्हें ओवरटेक करने के चक्कर में ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे वे नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मकराना पुलिस ने ट्रेलर को जप्त कर लिया और दोनों के शवों को परबतसर के सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया।

# सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री के रूप में शेक गैबुवली मनोनीत

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद की संचालन समिति की बैठक हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के विधान अनुसार सभा के सभागृह में सभा के अध्यक्ष प्रो. चंद्रदेव कवडे की अध्यक्षता में हुई। सर्वप्रथम सभा के कार्यवाहक प्रधानमंत्री पी. फयाजुद्दीन ने संचालन समिति के सभी सदस्यों का स्वागत किया। संचालन समिति सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से शेक गैबुवली को सभा के प्रधानमंत्री के रूप में चयन किया। संचालन समिति की बैठक में आंध्र प्रदेश हिंदी प्रचार सभा के अध्यक्ष चोंगा लक्ष्मुनायुडु, कर्नाटक हिंदी प्रचार सभा गुलबर्गा के अध्यक्ष नारायण गंजलखेड, मंत्री अशोक गुरुजी, महाराष्ट्र हिंदी प्रचार सभा औरंगाबाद के अध्यक्ष डॉ. संध्या मोहिते, मंत्री डॉ. नारायण वाकळे एवं संचालन समिति के सदस्य पी. रामाराव, बी. चक्रपाणि, डॉ. गोविंद बुरसे, प्रो. लक्ष्मण रणेर, शेख हैदर शेख अहमद, श्रीमती विजया वाडमोडे, कार्यकर्ता संघ के अध्यक्ष नामदेव वाघमोडे आदि उपस्थित थे। सभा के परीक्षा मंत्री प्रो. सुरेश पुरी, सभा के निर्वाचन समिति के संयोजक श्रुतिकांत भारती, सभा के कानूनी सलाहाकार वेंकटराम नरसिंहा रेड्डी आदि उपस्थित थे। सभा के संचालन समिति के सदस्यों ने उनके हिंदी के प्रति समर्पित भाव को देखते हुए तथा हिंदी के प्रति उनके कार्यों को देखते हुए उन्हें इस पद के लिए चुना गया। इस संदर्भ में सभी सदस्यों ने उनका स्वागत किया। अंत में सभा के कार्यवाहक प्रधानमंत्री पी. फयाजुद्दीन ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

# पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल ने वृद्धाश्रम को आवश्यक सामग्री भेंट की

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा वृद्धाश्रमों में जीवनयापन कर रहे बन्धुओं की सुविधा हेतु चलाई जा रही अपनी सेवा योजना के अंतर्गत साईनगर, ऑलविन कॉलोनी कुक्कटपल्ली स्थित राजेश्वरी ओल्ड ऐज होम में रहने वाले वृद्धों को आवश्यक सामान भेंट किए। सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पित्ती ट्रस्ट तथा सेवा दल द्वारा चलाई जा रही सेवा योजनाओं के अंतर्गत कुल सवा लाख रुपये की लागत से, राजेश्वरी ओल्ड ऐज होम को उसकी आवश्यकता अनुसार डीप फ्रिज, वाशिंग मशीन, मिक्सर ग्राइन्डर, पाँच पंखें, पाँच अलमारी आदि प्रदान किये गए। इस अवसर पर सेवा दल के संयोजक श्री रतन गुप्ता, विनय सी अग्रवाल, कैलाश केडिया तथा राजेश्वरी ओल्ड ऐज होम की प्रबंधक राजेश्वरी उपस्थित थीं। पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन तथा सेवा दल के परामर्शदाता शर पित्ती ने बताया कि पित्ती ट्रस्ट तथा सेवा दल द्वारा नियमित रूप से अनाथालयों तथा वृद्धाश्रमों का दौरा कर उनकी जरूरतों का पता लगाने के बाद उन्हें उनकी आवश्यकता अनुसार पंखे, कूलर, फ्रिज, अलमारी, पलंग, टीवी, कंप्यूटर, वाशिंग मशीन आदि प्रदान किये जाते हैं। आवश्यकता पड़ने पर जरूरत अनुसार सोलार पैनल भी लगा कर दिये जाते हैं। उन्होंने बताया कि अनाथालय तथा वृद्धाश्रम इस सेवा योजना का लाभ उठा सकते हैं।

# टीएसएमडीसी अध्यक्ष ने ली जनसमस्याओं की जानकारी

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य खनिज विकास निगम (टीएसएमडीसी) के अध्यक्ष मन्ने कृष्णक द्वारा छावनी के चतुर्थ वार्ड, गांधी कॉलोनी में तीसरी बस्ती निद्रा कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। बस्ती निद्रा कार्यक्रम में लगभग 400 स्थानीय लोगों ने भाग लिया। अध्यक्ष ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को जाना।

स्थानीय लोगों द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण मुद्दों में श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर के पास त्योहार मनाने की अनुमति दी जा रही है। जेएनएनयूआरएम आवास के लगभग 160 निवासियों ने कहा कि बिजली विभाग द्वारा अभी तक निवासियों के नाम पर बिजली मीटर जारी नहीं किया गया है। इसके अलावा, छावनी बोर्ड द्वारा पांच दिनों में एक बार पीने के पानी की आपूर्ति की जा रही है और स्थानीय लोगों ने कहा कि इलाके में श्रीश्री कट्टा मैसम्मा मंदिर मेहराब का निर्माण किया जा रहा है। अध्यक्ष कृष्णक ने निर्माण के लिए अपने स्वयं के खर्च से 1 लाख रुपये का दान देने की घोषणा की।

अध्यक्ष कृष्णक ने संबंधित अधिकारियों के साथ समस्याओं के संबंध में बातचीत कर जल्द से जल्द इन्हें सुलझाने का वादा किया।

# अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमिटी की साप्ताहिक बैठक रविवार को आयोजित की गयी। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में लगभग 14 अभिभावकों द्वारा उनके लड़के तथा लड़कियों के बायोडेटा उपलब्ध करवाए गए। हमें अग्रबंधुओं के बायोडेटा प्राप्त हो रहे हैं, अभी हमारे पास बालकों के 23 to 45 वर्ष तक उम्र के, डिग्री से लेकर प्रोफेशनल कोर्स तक पढ़ाई के तथा व्यवसाय के अतिरिक्त नौकरी करने वाले ज़ीरो बजट से लेकर अधिकतम बजट वालों के बायोडेटा उपलब्ध है। सभी अग्रबंधुओं के विवाह योग्य बालक एवं बालिकाओं के अभिभावकों से आग्रह है कि वे उनके बायोडेटा लाकर उनके उपयुक्त जोड़े हेतु बालकों के बायोडेटा देख कर पसंद करें।

किसरा मण्डल, बलेगुडा चिरीयाल स्थित श्री आईजी सेवा संघ भवन में श्री आईजी सेवा संघ के चुनाव सम्पन्न हुए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष भगाराम मुलेवा, उपाध्यक्ष हापुराम गहलोत, नारायणलाल गहलोत, सचिव चेलाराम भायल, सहसचिव लक्ष्मण बर्फा, कोषाध्यक्ष बाबुलाल मुलेवा को चुना गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्य को पद एवं गोपनीयता की शपथ सचिव मंगलाराम पंवार ने दिलाई।

बिहार सहयोग समिति के महासचिव राजनारायन सिंह ने आज दमाईगुड़ा के पार्षद रमेश गौड के निवास पर जाकर शिष्टाचार मुलाकात की और बिहार-यूपी के लोगों के लिए मदद करने के लिए निवेदन दिया। इस मौके पर समिति के राजेश कुमार, नरसिम्हा गौड आदि भी उपस्थित रहे।

# अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा के चुनाव 14 मई को, बैठक में निर्णय

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना श्याम मंदिर शाखा की कार्यकारिणी सभा हैदरगुड़ा में संपन्न हुई। अध्यक्ष पवन चौधरी ने सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा सभी सदस्यों को 2021-23 के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। आज जारी प्रेस विज्ञप्ति पवन चौधरी के द्वारा बताया गया कि शाखा के चुनाव 2023-25 के लिए व साधारण सभा का आयोजन रविवार 14 मई को किया जाएगा। चुनाव अधिकारी का दायित्व शिव शंकर बगड़िया को सौंपा गया। आज सभा में उपस्थित रमेश अग्रवाल, शिव शंकर बगड़िया, आनंद चौधरी, पवन कुमार चौधरी, भगवती प्रसाद अग्रवाल, सुनील मोदी, सुनील गर्ग, जयप्रकाश अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, सज्जन अडूकिया, पीयूष अग्रवाल, पराग कसेरवाल, कौशिक अग्रवाल, श्रीमती कविता गोयल, सीमा मोदी, संध्या मोदी, वंदना चौधरी, मंजू चौधरी, अलका अग्रवाल आदि ने भाग लिया।

# सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा की वार्षिक साधारण सभा 3 मई को, हुई बैठक

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा की वार्षिक साधारण सभा व चुनाव का आयोजन बुधवार 3 मई को किया जाएगा। शाखा अध्यक्ष श्रीमती नीति अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उक्ताशय का निर्णय शाखा कार्यकारणी सदस्य श्रीमती अलका अग्रवाल के निवास स्थान में आयोजित शाखा की कार्यकारिणी सभा में लिया गया। महाराजा अग्रसेन जी की पूजा अर्चना के साथ आरंभ सभा में उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता तुलसियान ने कार्यकारणी सदस्यों का स्वागत किया। मानद मंत्री श्रीमती रानी मित्तल द्वारा शाखा की आगामी गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। खेमचंद अग्रवाल एवं शिवकुमार अग्रवाल जी को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। वार्षिक साधारण सभा में शाखा की पाँच कार्यकारणी सदस्यों को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाएगा। सत्य शक्ति टीवी टावर शाखा 16 अप्रैल को डिजायर सोसायटी (बोलाराम) जिसमें 100 एड्स के रोग से ग्रस्त बच्चों को जीवन उपयोगी वस्तुएं, अल्पाहार एवं बच्चों को स्वस्थ जीवन जीने हेतु मेडिटेशन कैंप का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सभा को सफल बनाने में संयुक्त मंत्री श्रीमती मीना अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा मित्तल, परामर्शदात्री श्रीमती निर्मला सिंगल एवं श्रीमती संतोष अग्रवाल, श्रीमती कमला गोयल, श्रीमती लक्ष्मी बंसल, कविता बंसल, अलका अग्रवाल एवं श्रीमती सुजाता अग्रवाल उपस्थित थे।

# हैदराबाद में आकर्षण के केंद्र में आईपीएल मैच

उप्पल स्टेडियम में खेले जा रहे हैदराबाद बनाम पंजाब आईपीएल मैच के दौरान अपने टीम का समर्थन करते हुए खेल प्रेमी व नृत्य करते हुए चीयर्स गर्ल्स ।

# अग्रवाल समाज एसआर नगर शाखा के चुनाव 30 को, हुई बैठक

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना एस.आर.नगर शाखा की कार्यकारिणी सभा की बैठक शाखा के अध्यक्ष हेमचंद गुप्ता की अध्यक्षता में उनके कार्यालय पर संपन्न हुई। सभा में आगामी 2023-25 के लिए चुनाव एवं साधारण सभा 30 अप्रैल 2023 को मूसापेट स्थित मां संतोष ढाबा में दोहपर 11 बजे से करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया, जिसमें चुनाव अधिकारी संजय अग्रवाल एवं योगेश अग्रवाल को नियुक्त किया। सभा में अध्यक्ष हेमचंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष सुशील अग्रवाल, जनरल सेक्रेटरी सोनू अग्रवाल, संयुक्त सचिव वेदप्रकाश बंसल, कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य ईश्वर बंसल, खेतान, योगेश एवं अन्य उपस्थित रहे।

## अग्रणी विवाह बंधन ने की बैठक

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी विवाह बंधन की अध्यक्ष सुनैना नरसरिया ने उक्ताशय की जानकारी देते हुए बताया अग्रणी विवाह बंधन की बैठक हिमायतनगर स्थित कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में कई रिश्ते तय भी किए गए। इस बैठक में सभी ने अपने आवश्कता अनुसार बायोडेटा देखा और आपने रिश्ते तय किए। आज भी रिश्ते तय किए गए। अगली माह की बैठक जल्द बताई जाएगी। बैठक में पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, प्रीति गोयल एवं अन्य उपस्थित थे।

# पार्षद ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया, बांटी खेल सामग्री

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल पार्षद लालसिंह ने गोशामहल मंडल में खेलकूद व कुश्ती सामग्री का वितरण किया। पार्षद ने लाला पहलवान तालीम लोअर धूलपेट के पहलवानों को कुश्ती मैट और मुक्केबाजी किट वितरित किए और समिति के सदस्यों और पहलवानों के साथ बातचीत की। उन्होंने शतरंज, कैरम बोर्ड, क्रिकेट किट, शटल भी वितरित किए। इस अवसर पर कमल सिंह, नटराज नामधारी, पवन सिंह, अमरदीप सिंह, दिनेश सिंह, राजा जौहरी, सुदाकर, प्रदीप सिंह, विपिन, अश्विन, अक्षय साहू, रोहित, धनराज सहित गोशामहल मंडल के युवा खिलाड़ी उपस्थित रहे।

# अखंड हरिकीर्तन समिति द्वारा अष्टयाम का आयोजन

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अखंड हरिकीर्तन समिति, पटनचेरु द्वारा अष्टयाम हरि कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने लगातार 24 घंटे हरि नाम कीर्तन का जाप कर अपने आराध्य देव को याद किया। कमेटी के आयोजक सदस्य किशन, चंद्रशेखर चौधरी, कमला सिंह, बीके सिंह, मिथिलेश सिंह एवं कन्हैया सिंह ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी भक्तजनों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेराम सिंह के नेतृत्व में महासचिव प्रभास कुमार, उपाध्यक्ष उत्तम यादव, आनंद ओझा एवं अखिलेश सिंह इत्यादि गणमान्य सदस्यों में भाग लेकर पुण्य का भागी बने।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### महाराष्ट्र सीएम का ...

एकनाथ शिंदे ने पूछा कि पालघर में जब संत की हत्या हुई और नेवी के अधिकारी की पिटाई हुई तो वहां पर किसकी सरकार थी। कई लोग हम पर आरोप लगाते हैं। 2019 में लोगों के दिमाग में जो बात थी, लोगों की अपेक्षा थी कि महाराष्ट्र में शिवसेना-भाजपा की सरकार बने। लेकिन स्वार्थ और कुर्सी की लालच में यहां गलत कदम उठाया गया।

हमने उसे 8-9 महीने पहले सुधार दिया। लोगों की अपेक्षा के अनुसार हमने सरकार बनाई। उत्तर भारतीय और महाराष्ट्र के लोग अलग नहीं है। महाराष्ट्र भवन के लिए योगी आदित्यनाथ से विनती की है। वह हिन्दू हृदय सम्राट बाला साहेब के नाम पर होगा।

शिंदे ने कहा, राम मंदिर हमारी आस्था, श्रद्धा और अस्मिता से जुड़ी है। अयोध्या हमारे लिए आत्मीयता का विषय है। आज का दिन मेरे लिए सौभाग्य का विषय है। हमारी यात्रा पूरी तरह धर्मिक है। कई लोगों को इससे एलर्जी और दर्द भी हुआ। हिंदुत्व एक जीवन प्रणाली है। हमारा धर्म किसी का अनादर करने वाला नहीं है। 2024 में एक बार फिर से शिवसेना जीत का परचम लहराएगी।

शिंदे ने कहा, रैली में आज केसरिया, राममय माहौल था। 500 साल का संघर्ष और बाला साहेब का सपना था कि राम मंदिर बन जाए। हमने मंदिर निर्माण का काम देखा। अब छत बनने जा रहा है। पीएम मोदी की अगुवाई में यह काम हो रहा है।

राम मंदिर के गर्भगृह में एक कम्पन ऊर्जा महसूस किया। इस यात्रा में अलग खुशी रही। बाला साहेब ने कहा था कि गर्व से कहो हिंदू हैं। बीजेपी और शिवसेना की विचारधारा एक है, जिसको लेकर यह यात्रा की है। उन्होंने कहा कि यूपी में गुंडागर्दी खत्म हुई है। कानून व्यवस्था बेहतर हुई है। सड़कें पहले से चौड़ी हुई हैं।

राम कथा पार्क से शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने रोड शो निकाला। दोनों सीधे श्रीराम जन्मभूमि पहुंचे। वहां रामलला के दर्शन किए। उनकी आरती उतारी। सभी का रामनाम और मंदिर का मॉडल देकर रामलला के मुख्य अर्चक सत्येंद्रदास और ट्रस्ट के सदस्यों ने स्वागत किया। मंदिर के दरवाजों के लिए सागौन की लकड़ी सौंपी।

सीएम बनने के बाद शिंदे की यह पहली अयोध्या यात्रा है। इससे पहले वह जून 2022 में आए थे, तब वह महाराष्ट्र में उद्धव सरकार में मंत्री थे। सुबह लखनऊ से रवाना होने से पहले शिंदे ने मीडिया से बात की। कहा, मैं अयोध्या जा रहा हूं, वहां रामलला का दर्शन करेंगे। उनकी आरती करेंगे। प्रभु राम का आशीर्वाद हमारे साथ है, इसलिए धनुष बाण हमें मिला है। दरअसल, उनका संकेत शिवसेना के सिंबल धनुष-बाण की तरफ था।

# आखिरी ओवर में 31 रन बनाकर जीता कोलकाता

## रिंकू सिंह ने लगातार 5 छक्के जमाकर केकेआर को जीत दिलाई

अहमदाबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। मैच की आखिरी 5 गेंदों पर रिंकू सिंह के लगातार 5 छक्कों के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल-2023 में दूसरी जीत हासिल की। टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस को बेहद रोमांचक मुकाबले में 7 विकेट से हराया। कोलकाता को आखिरी ओवर में 29 रन बनाने थे। 20वें ओवर की पहली गेंद पर उमेश यादव ने सिंगल लिया। इसके बाद रिंकू सिंह ने लगातार 5 छक्के जमाकर टीम को जिता दिया। गेंदबाज यश दयाल थे।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 204 रन बनाए। 205 रनों का टारगेट चेज करते हुए कोलकाता की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 207 रन ही बना सकी।

**ऐसे गिरे कोलकाता के विकेट...**

पहलाः मोहम्मद शमी ने तीसरे ओवर की तीसरी बॉल पर गुरबाज को यश दयाल के हाथों कैच कराया। दूसराः चौथे ओवर की आखिरी बॉल पर जोशुआ लिटिल ने नारायण जगदीशन को अभिनव मनोहर के हाथों डीप स्क्वैयर लेग पर कैच कराया। तीसराः 14वें ओवर की पहली बॉल पर अल्जारी जोसेफ ने नीतीश राणा को मोहम्मद शमी के हाथों कैच कराया। चौथाः 16वें ओवर की पांचवीं बॉल पर अल्जारी जोसेफ ने वेंकटेश अय्यर को शुभमन गिल के हाथों कैच कराया।

**वेंकटेश अय्यर ने 26 बॉल पर जमाया अर्धशतक**

पावरप्ले में शुरुआती विकेट गंवाने के बाद वेंकटेश अय्यर ने तेजी से रन बनाने शुरू किए। उन्होंने 26 बॉल में अर्धशतक पूरा किया। यह अय्यर का छठा अर्धशतक है। अय्यर ने सीजन का पहला अर्धशतक जमाया। उन्होंने नितिश राणा के साथ अर्धशतकीय साझेदारी की। 205 रन का टारगेट चेज करने उतरी कोलकाता की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने शुरुआत के 6 ओवर में 48 रन बनाने में दो विकेट गंवा दिए हैं। रहमनउल्ला गुरबाज 15 और एन जगदीशन 6 रन बनाकर आउट हुए। मोहम्मद शमी और जोशुआ लिटिल को एक-एक विकेट मिले।

इससे पहले, अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 204 रन बनाए। टीम की ओर से विजय शंकर ने 63 और साई सुदर्शन ने 53 रनों की अर्धशतकीय पारियां खेलीं। ओपनर शुभमन गिल ने 39 रनों का योगदान दिया।

कोलकाता की ओर से सुनील नरेन ने तीन विकेट चटकाए, जबकि सुयश शर्मा को एक विकेट मिला।

**ऐसे गिरे गुजरात के विकेट...**

पहलाः 5वें ओवर की दूसरी बॉल पर सुनील नरेन ने रिद्धिमान साहा को एन जगदीशन के हाथों मिडविकेट पर कैच कराया। दूसराः 12वें ओवर की चौथी बॉल पर सुनील नरेन ने शुभमन गिल को उमेश यादव के हाथों कैच कराया। तीसराः 14वें ओवर की तीसरी बॉल पर सुयश शर्मा ने अभिनव मनोहर को बोल्ड कर दिया। चौथाः 18वें ओवर की तीसरी बॉल पर सुनील नरेन ने साई सुदर्शन को अनुकूल रॉय के हाथों कैच कराया।

विजय शंकर ने आईपीएल करियर का चौथा अर्धशतक जमाया। यह इस सीजन में शंकर का पहला अर्धशतक है। साई ने 21 बॉल पर अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने इस दौरान पांच सिक्स और चार चौका लगाया। नंबर-3 पर ,खेलने उतरे साई सुदर्शन ने करियर का तीसरा अर्धशतक जमाया। यह इस सीजन में सुदर्शन का दूसरा अर्धशतक है। साई ने 34 बॉल पर अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने शुभमन गिल के साथ 44 बॉल पर 67 रनों की साझेदारी की। साहा का विकेट गंवाने के बाद ओपनर शुभमन गिल ने साई सुदर्शन के साथ 44 बॉल पर 67 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को सुनील नरेन ने तोड़ा। यहां गिल 39 रन बनाकर आउट हुए।

# फाइनल में पहुंचे प्रियांशु राजावत

## सेमीफाइनल में आयरलैंड के नहात को सीधे गेमों में हराया

खेल डेस्क, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। ओरलिआंस मास्टर्स बैडमिंटन के सेमीफाइनल मैच में भारतीय खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने आयरलैंड के नहात एनगुएन को 21-12, 21-9 के अंतर से हराया।

भारतीय खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने शनिवार को यहां आयरलैंड के नहात एनगुएन को सीधे गेमों में शिकस्त देकर ओरलिआंस मास्टर्स बैडमिंटन के फाइनल में जगह बनाई। 21 वर्षीय प्रियांशु ने पुरुष एकल के सेमीफाइनल मुकाबले में आक्रामक रणनीति अपनाते हुए विश्व के 35वें नंबर के खिलाड़ी नहात को 21-12, 21-9 से शिकस्त दी।

विश्व के 58वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु ने किसी सुपर-300 विश्व टूर स्पर्धा के फाइनल में पहली बार जगह पक्की की है। अब उनका खिताबी मुकाबले में सामना डेनमार्क के मैग्नस जोहानेसेन और चीन के लेई लैंक्सी के बीच होने वाले अन्य सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

राजावत मैच के दौरान काफी तेजी से खेल रहे थे और आयरलैंड के खिलाड़ी को वापसी करने के ज्यादा मौके नहीं दिए। नहात ने मैच में कई गलतियां की। पहले गेम में राजावत ने 11-9 की बढ़त हासिल की और इसे 17-11 तक ले गए। इसके बाद भी आयरलैंड के खिलाड़ी के लिए राजावत को रोकना मुश्किल था और भारतीय खिलाड़ी ने 21-12 से यह गेम जीत लिया।

दूसरे हाफ में राजावत ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा और कई तेजतर्रार स्मैश लगाकर अंक जुटाए। वह एक समय 11-3 की अच्छी बढ़त से आगे थे। उन्होंने इसके बाद भी काफी जल्दी से अंक जुटाए। भारतीय खिलाड़ी ने अपने मजबूत बैकहैंड से अंक अर्जित किए। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी के पास 18-3 की बढ़त थी। इस दौरान नहात ने तीन मैच प्वाइंट भी बचाए, लेकिन वह भारतीय खिलाड़ी को जीतने से नहीं रोक सके।

# कोरिया के ह्युंग-मिन सोन ने बनाया फुटबॉल में रिकॉर्ड

## इंग्लिश प्रीमियर लीग में 100 गोल करने वाले पहले एशियाई खिलाडी बने

लंदन, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। इंग्लैंड के टॉप टियर लीग यानी इंग्लिश प्रीमियर लीग में टॉटेनहम टीम के साउथ कोरियाई खिलाड़ी ह्युंग-मिन सोन ने नया रिकॉर्ड बनाया है। शनिवार देर रात हुए मैच के बाद सोन प्रीमियर लीग में 100 गोल करने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी बन गए है।

शनिवार देर रात इंग्लिश प्रीमियर लीग में सोन की टॉटेनहम का मुकाबला ब्राइटन से हुआ। टॉटेनहम ने 2-1 से जीत दर्ज की। इसी मैच में 10वें मिनट में सोन ने गोल दागा। सोन ने लीग का 100वां गोल अपने दिवंगत दादा को समर्पित किया। दूसरा गोल हैरी केन ने 79वें मिनट में स्कोर किया।

सोन

**प्रीमियर लीग में 100 गोल करने वाले 34वें खिलाड़ी बने**

अपना 260वां प्रीमियर लीग मैच खेल रहे सोन के नाम अब 100 गोल हो गए हैं, जो मैथ्यू ले टिसियर के गोल के बराबर है। कुल मिलाकर, वह प्रीमियर लीग में 100 या अधिक गोल करने वाले 34वें खिलाड़ी हैं। सोन ने इस सीजन में अपना सातवां प्रीमियर लीग गोल किया है। कुल मिलाकर, उन्होंने टॉटेनहम के लिए 364 खेलों में 142 गोल किए हैं। मौजूदा सीजन में उन्होंने 39 मैचों में 11 गोल किए हैं।

इसके साथ ही सोन टॉटेनहम के इतिहास में प्रीमियर लीग में टीम के लिए सबदे ज्यादा गोल करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए है। उनके नाम 206 गोल है।

**पिछले हफ्ते दादा को खोया - सोन**

मैच के बाद सोन ने कहा कि प्रीमियर लीग में 100 गोल करना बहुत बड़ी बात है। मैं वास्तव में भावुक था क्योंकि पिछले कुछ हफ्तों में मेरे लिए मुश्किल दिन आए है।

हाल ही में मेरे दादाजी गुजर गए और मेरे लिए उनका जाना आसान नहीं था। मैं आज का अपना गोल उन्हें समर्पित करता हूं।

**एशियाई खिलाडी प्रीमियर लीग में कुछ बड़ा कर सकते है**

सोन ने आगे कहा - यह एशिया के लिए अच्छी बात है और मैं युवाओं की मदद करने के लिए एक अच्छा उदाहरण बनने की बड़ी जिम्मेदारी लेता हूं। मैं चाहता हूं कि वे विश्वास करें कि एक एशियाई खिलाड़ी प्रीमियर लीग में आश्चर्यजनक चीजें कैसे कर सकता है।

# आईपीएल में गुजरात बोर्ड की कमाई सबसे ज्यादा

## *शुरुआती 70 मैचों के लिए राज्य संघों को मिलेंगे 45 करोड़ 36 लाख रुपए*

खेल डेस्क, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल के जरिए स्टेट एसोसिएशन बड़ी कमाई करते हैं। उन्हें बीसीसीआई की ओर से कमाई का हिस्सा मिलता है। बीसीसीआई हर एक मैच के लिए स्टेट बोर्ड को 64 लाख 80 हजार रुपए देता है। बीसीसीआई की ओर से 70 मैचों (प्लेऑफ छोड़कर) के लिए स्टेट बोर्ड को कुल 45 करोड़ 36 लाख रुपए दिए जाएंगे।

इस 16वें सीजन से गुजरात स्टेट एसोसिएशन सबसे ज्यादा मालामाल होने वाला है। अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम 8 मैच की मेजबानी करेगा, जिससे उसे सबसे ज्यादा 5.18 करोड़ रुपए मिलेंगे। मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरू, लखनऊ जैसे सात स्टेडियम 7-7 मैच की मेजबानी करेंगे। इन सभी के एसोसिएशन को 4.53-4.53 करोड़ रुपए मिलेंगे। गुवाहाटी और धर्मशाला स्टेडियम को सबसे कम राशि मिलेगी। इन दोनों को 1.29-1.29 करोड़ रुपए मिलेंगे।

**इकाना स्टेडियम ने आईपीएल में डेब्यू किया**

उप्र एसोसिएशन का लखनऊ में इकाना स्टेडियम है। यह पहली बार आईपीएल के मैचों की मेजबानी कर रहा है। इस स्टेडियम में 7 मैच खेले जाएंगे, जिससे इस स्टेडियम को 4 करोड़ 53 लाख 60 हजार रुपए मिलेंगे। बीसीसीआई ने असम एसोसिएशन के गुवाहाटी और हिमाचल एसोसिएशन के धर्मशाला को पहली बार आईपीएल मैच की मेजबानी का मौका दिया।

गुवाहाटी का बरसपारा स्टेडियम इस सीजन में राजस्थान रॉयल्स का दूसरा होम ग्राउंड है जबकि धर्मशाला पंजाब किंग्स का दूसरा होम ग्राउंड है। इन दोनों पर दो-दो मैच होंगे। इन दोनों स्टेडियम को 1 करोड़ 29 लाख 60 हजार रुपए मिलने वाले हैं।

**मोहाली-जयपुर में 2019 के बाद पहली बार मैच**

बीसीसीआई ने पंजाब एसोसिएशन के मोहाली और राजस्थान एसोसिएशन के सवाई मानसिंह स्टेडियम (जयपुर) को 2019 के बाद पहली बार मौका दिया है। सीजन के 5-5 मैच इन दोनों स्टेडियम में होने हैं। भारत-ऑस्ट्रेलिया के तीसरे टेस्ट से चर्चा में आए इंदौर में 2018 से आईपीएल मैच नहीं हुए हैं। पुणे में भी 2018 के बाद से आईपीएल मैच नहीं खेले गए हैं।

# वानखेड़े में सचिन-धोनी फिर एक साथः प्रीटोरियस-गायकवाड का बाउंड्री पर बेहतरीन कैच

## 19 बॉल में रहाणे की फिफ्टी; देखें मोमेंट्स

मुंबई, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग में 16वें सीजन का पहला एल-क्लासिको चेन्नई सुपर किंग्स ने जीत लिया। टीम ने मुंबई इंडियंस को उन्हीं के घरेलू ग्राउंड पर 7 विकेट से हराया। सीएसके के अजिंक्य रहाणे ने टूर्नामेंट की फास्टेस्ट फिफ्टी लगाई। वहीं रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट लेकर मुंबई के बैटर्स को रन बनाने से रोका।

जडेजा ने अपनी ही बॉलिंग पर शानदार कैच लिया। वानखेड़े स्टेडियम में महेंद्र सिंह धोनी और सचिन तेंदुलकर फिर साथ आए। सूर्यकुमार यादव धोनी के बेहतरीन रिव्यू के बाद आउट हुए। मैच के ऐसे ही मोमेंट्स इस खबर में हम जानेंगे। साथ ही यह भी जानेंगे कि इस मुकाबले को एल क्लासिको क्यों कहा जाता है।

मैच रिपोर्ट पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें...

**1. वानखेड़े में फिर साथ आए सचिन-धोनी**

मुंबई और चेन्नई के बीच शनिवार रात का मैच वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। इसी मैदान पर भारत ने धोनी की कप्तानी में 2011 वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल जीता था। उस मैच में सचिन तेंदुलकर भी थे। शनिवार को मैच से पहले सचिन और धोनी एक बार फिर वानखेड़े मैदान पर एक साथ आए।

धोनी सीएसके की कप्तानी कर रहे थे। वहीं सचिन मुंबई इंडियंस टीम के मेंटर हैं, इसीलिए वह टीम के साथ मौजूद थे।

**2. धोनी के रिव्यू से आउट हुए सूर्यकुमार**

पहली पारी में मुंबई के सूर्यकुमार यादव धोनी की सूझबूझ के बाद आउट हुए। 8वें ओवर की दूसरी बॉल मिचेल सैंटनर ने लेग साइड पर फुलर लेंथ फेंकी। सूर्यकुमार ने स्वीप शॉट खेला, लेकिन बॉल विकेटकीपर धोनी के पास चली गई। धोनी ने कैच आउट की अपील की, लेकिन अंपायर ने वाइड का इशारा कर दिया।

धोनी ने रिव्यू लिया। रिप्ले में नजर आया कि बॉल सूर्या के बैट से लगकर धोनी के ग्लव्स में गई थी। अंपायर ने अपना फैसला पलटा और सूर्यकुमार 2 बॉल में एक रन बनाकर आउट हुए।

**3. रवींद्र जडेजा ने पकड़ा बेहतरीन कैच**

रवींद्र जडेजा ने पहली पारी के 9वें ओवर में अपनी ही बॉलिंग पर बेहतरीन कैच पकड़ा। उन्होंने ओवर की दूसरी बॉल ऑफ स्टंप पर गुड लेंथ फेंकी। कैमरून ग्रीन ने आगे निकलकर बड़ा शॉट खेला, लेकिन बॉल सामने की ओर चली गई। जडेजा ने बेहतरीन रिफ्लेक्स दिखाए और शानदार कैच कर लिया।

ग्रीन 11 बॉल में 12 रन बनाकर आउट हुए। जडेजा ने इस विकेट के बाद तिलक वर्मा को भी एलबीडब्ल्यू किया और 3 विकेट के साथ अपना स्पेल खत्म किया। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला।

**4. गायकवाड-प्रीटोरियस का बाउंड्री पर शानदार कैच**

पूरे मैच में चेन्नई की फील्डिंग शानदार रही। 16वें ओवर में ड्वेन प्रीटोरियस और ऋतुराज गायकवाड ने शानदार कैच पकड़ा। ओवर की आखिरी बॉल सिसांडा मगाला ने गुड लेंथ पर फेंकी, ट्रिस्टन स्टब्स ने आगे निकलकर बड़ा शॉट खेला। बॉल सामने की ओर गई।

ड्वेन प्रीटोरियस लॉन्ग ऑफ से भागते हुए साइट स्क्रीन की ओर गए। उन्होंने कैच लिया, लेकिन मोमेंटम के चलते वह बाउंड्री में जा रहे थे। उन्होंने बाउंड्री पार जाने से पहले ही बॉल हवा में उछाल दी, लॉन्ग ऑन से भाग कर ऋतुराज गायकवाड ने बॉल को पकड़ लिया। इस तरह स्टब्स को 5 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा।

ड्वेन प्रीटोरियस कैच लेने की कोशिश में बाउंड्री से बाहर चले गए। लेकिन उन्होंने बॉल ऋतुराज गायकवाड की ओर फेंक दी, जिन्होंने कैच पूरा किया। इस तरह ट्रिस्टन स्टब्स को पवेलियन लौटना पड़ा।

ड्वेन प्रीटोरियस कैच लेने की कोशिश में बाउंड्री से बाहर चले गए। लेकिन उन्होंने बॉल ऋतुराज गायकवाड की ओर फेंक दी, जिन्होंने कैच पूरा किया। इस तरह ट्रिस्टन स्टब्स को पवेलियन लौटना पड़ा।

**5. रहाणे ने लगाई फास्टेस्ट फिफ्टी**

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए डेब्यू कर रहे अजिंक्य रहाणे मुंबई के खिलाफ नंबर-3 पर बैटिंग करने उतरे। उन्होंने इस मौके को भुनाया और महज 19 बॉल में फिफ्टी लगा दी। यह इस आईपीएल सीजन की फास्टेस्ट फिफ्टी है। उन्होंने कोलकाता के शार्दूल ठाकुर और राजस्थान के जोस बटलर का रिकॉर्ड तोड़ा। दोनों ने 20 बॉल में अर्धशतक जड़ा था।

रहाणे 27 बॉल में 61 रन बनाकर आउट हुए। इस पारी में उन्होंने 3 छक्के और 7 चौके लगाए। अरशद खान के एक ओवर में तो उन्होंने 4 चौके और एक छक्का लगाकर कुल 23 रन बटोरे।

चेन्नई से पहले रहाणे मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स, राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स और राजस्थान रॉयल्स से भी आईपीएल खेल चुके हैं।

**क्यों कहते हैं एल-क्लासिको?**

आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच मैच को एल क्लासिको कहते हैं। एल क्लासिको स्पेनिश शब्द है, जिसका मतलब उत्कृष्ट होता है। स्पेनिश फुटबॉल में बार्सिलोना-रियल मैड्रिड के मैच को एल-क्लासिको कहा जाता है, क्योंकि दोनों ला लीगा के सबसे सफल क्लब हैं।

बिलकुल उसी तरह आईपीएल में सीएसके और एमआई के मैच को एल-क्लासिको कहते हैं, क्योंकि मुंबई ने सबसे ज्यादा 5 और चेन्नई ने 4 बार आईपीएल का खिताब जीता है। इस मैच का खिलाड़ियों के साथ फैंस को भी बेसब्री से इंतजार रहता है।

# पेरिस ओलंपिक से बाहर हुई पाकिस्तान की महिला फुटबॉल टीम

## क्वालिफायर में हांगकांग ने दी शिकस्त

खेल डेस्क, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान की हॉकी फुटबॉल टीम पेरिस ओलंपिक 2024 से बाहर हो गई है। टीम को ताजिकिस्तान में शनिवार को ग्रुप ई मैच में हांगकांग ने 2 गोल से शिकस्त दी। पेरिस 2024 संस्करण के लिए महिला ओलंपिक फुटबॉल क्वालिफायर के दौरान अच्छी रणनीति के बावजूद दोनों टीमें पहले हाफ में गोल करने में सफल नहीं रहीं।

**बॉल समेत गोलपोस्ट के अंदर गिर गई गोलकीपर**

हालांकि दूसरे हाफ में भी 73वें मिनट तक कोई गोल नहीं हुआ, लेकिन इसके बाद गोलकीपर निशा अशरफ ने गेंद को रोकने का प्रयास करते हुए अपने ही पाले में ले लिया। उन्होंने गेंद को पकड़ने के लिए ऊंची छलांग लगाई, लेकिन वह बॉल समेत गोलपोस्ट के अंदर गिर गईं। इसके बाद रेफरी को हांगकांग के पक्ष में फैसला देना पड़ा। जल्द ही एक और गोल करके हांगकांग ने स्कोरबोर्ड को 2-0 कर दिया।

**फिलीपींस से भी मिली हार**

एक के बाद एक चोट के कारण नियमित स्ट्राइकर नादिया खान और कप्तान मारिया खान के बिना खेलने वाली पाकिस्तान की टीम पेरिस ओलंपिक 2024 की दौड़ से बाहर हो गई है। वे 11 अप्रैल को आखिरी मैच में मेजबान ताजिकिस्तान से भिड़ेंगे। इससे पहले पाकिस्तान को अपने पहले मैच में फिलीपींस से हार का सामना करना पड़ा था। विरोधियों ने पाकिस्तान को 4-0 से हराया। विजेता टीम पूरी तरह से नियंत्रण में दिख रही थी, जबकि पाकिस्तान की टीम पैर जमाने के लिए संघर्ष करती दिखी।

पाकिस्तान ने पहले हाफ के दौरान हाली लॉन्ग, सरीना बोल्डेन और ईवा मदारंग के एक-एक गोल के साथ तीन गोल खाए। 29 मिनट में 3-0 से पीछे होने के बावजूद पाकिस्तान एक और गोल किए बिना हाफ टाइम तक पहुंचने में सफल रहा। चैंडलर मैकडैनियल ने 85वें मिनट में गोल करके फिलीपींस को पूरी तरह हावी कर दिया, इसके बाद पाकिस्तान की टीम 4-0 से मुकाबला हार गई।

# एसआरएच के पूर्व कोच ने बताई टीम की कमजोरी

## बोले-ये चीज हैदराबाद को ले डूबेगी

खेल डेस्क, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। सनराइज़र्स हैदराबाद की टीम इस आईपीएल में खराब दौर से गुजर रही है। लखनऊ सुपर जायंट्स के हाथों मिली पांच विकेट की हार के बाद सनराइज़र्स हैदराबाद की बल्लेबाजी की काफी आलोचना हो रही है। टीम के पूर्व मुख्य कोच टॉम मूडी ने सवाल खड़े किए हैं। मूडी मानते हैं कि बल्लेबाज़ी क्रम में दाएं हाथ के बल्लेबाज़ों की भरमार हैदराबाद लिए चिंता का सबब है।

ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो टाइम आउट पर मूडी ने बात करते हुए कहा, "मुझे सबसे अधिक यह बात खटक रही है कि नीलामी के बाद भी उनकी टीम दाएं हाथ के बल्लेबाज़ों से भरी हुई थी। उन्होंने निकोलस पूरन को रिलीज़ कर दिया जिन्होंने विनिंग रन बनाए और उनके बदले वह 30 फ़ीसदी अधिक महंगे खिलाड़ी (हैरी ब्रूक) को लेकर आए जोकि ख़ुद एक दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं।

टॉम मूडी ने कहा-अभिषेक शर्मा को एकादश से बाहर रखा जोकि एक और बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। लखनऊ जैसी धीमी पिच पर हैदराबाद को अपनी वन डाइमेंशनल बल्लेबाज़ी लाइन अप का ख़ामियाज़ा भुगतना पड़ सकता है। लखनऊ के विरुद्ध हैदराबाद की टीम में वॉशिंगटन सुंदर के तौर पर सिर्फ एक बाएं हाथ का बल्लेबाज खेल रहा था। उन्होंने अभिषेक शर्मा की जगह पर अनमोलप्रीत सिंह के साथ जाना अधिक पसंद किया। पिछले सीज़न में हैदराबाद के पास पूरन, अभिषेक और वॉशिंगटन जैसे बाएं हाथ के बल्लेबाज़ थे।

लखनऊ के गेंदबाजी के समाने हैदराबाद के बल्लेबाज़ संघर्ष करते नज़र आए। बाएं हाथ के स्पिनर क्रुणाल पंड्या, लेग स्पिनर अमित मिश्रा और रवि बिश्नोई, तीनों ने ही दाएं हाथ के बल्लेबाज़ों को अपनी बाहर जाती गेंदों पर परेशान किया। लखनऊ के लिए इन्हीं तीनों गेंदबाज़ों ने अपने कोटे के ओवर पूरे किए और संयुक्त रूप से इन्होंने 12 ओवर डाले जिसमें कुल 64 रन देकर 6 विकेट झटके।

# सामने आया सीएम केसीआर का असली चेहरा : एनवीएसएस

## पीएम के कार्यक्रम में शामिल न होने से लोगों को सच्चाई मालूम हुई

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा के उपाध्यक्ष एनवीएसएस प्राहाकर ने आज आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव का असली और असली चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी वाले विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल नहीं होने से बेनकाब हो गया है।

राज्य के विकास के बड़े-बड़े वादे करने के आदी सीएम केसीआर उस समारोह में शामिल नहीं हुए, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के लिए 11,000 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। प्रभाकर ने आज यहां राज्य पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए सवाल किया कि क्या यह तेलंगाना राज्य के विकास के लिए नहीं है?

तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर कार्यक्रम में शामिल न होने पर प्रधानमंत्री मोदी की छवि कम नहीं हुई। वह तो दुनिया में एक शांति प्रेमी के रूप में जाने जाते हैं। वास्तव में मुख्यमंत्री केसीआर की छवि और असली चेहरा राज्य के उन चार करोड़ लोगों की आंखों से बेनकाब हो गया, जो राजनीतिक कारणों से पीएम समारोह में शामिल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोग अब समझ गए हैं कि राज्य के विकास में असली समर्थक और बाधक कौन है?

पार्टी सीएम केसीआर से मांग करती है कि वह अपनी गलती का एहसास करने के लिए राज्य के लोगों से बिना शर्त माफी मांगें, जिन्होंने पीएम की उपस्थिति में विकास संबंधी समारोह को नजरअंदाज किया। उन्होंने अफसोस जताया कि सीएम केसीआर को परंपरा और प्रोटोकॉल का पालन करने की न्यूनतम जिम्मेदारी महसूस करनी चाहिए थी। प्रभाकर ने कहा कि मुद्दों पर मतभेद के बावजूद तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और आंध्र प्रदेश जैसे अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने प्रोटोकॉल का पालन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा किया। समारोह में बीआरएस के कुछ मंत्रियों के आरोपों का जिक्र करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि सीएम केसीआर, उनके मंत्री बेटे केटीआर, बेटी एमएलसी कविता ने चुप्पी साध रखी है, लेकिन कुछ मंत्री जो अपने मंत्रालय की समीक्षा बैठक भी आयोजित करने में असमर्थ हैं, वे पीएम मोदी पर कीचड़ उछाल रहे हैं। पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि जब पीएम मोदी ने इस तथ्य का खुलासा किया कि बीआरएस सरकार अब आरोप लगाकर चेहरा बचाने में लगी हुई है। पीएम मोदी के कल के विकास समारोह को तेलंगाना राज्य के विकास के लिए एक ऐतिहासिक दिन बताते हुए, प्रभाकर ने कहा कि एम्स, बीबीनगर स्वास्थ्य सुविधा में लोगों के लिए एक वरदान होगा, सड़क के बुनियादी ढांचे को उपलब्ध कराने के लिए आधारशिला रखना, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का नवीनीकरण और वंदे भारत को हरी झंडी दिखाना एक्सप्रेस राज्य के लिए मील का पत्थर साबित होगी। प्रभाकर ने कहा कि बीआरएस सरकार की उलटी गणना शुरू हो गई है और लोग परिवारवाद और भ्रष्ट सरकार को सबक सिखाएंगे।

## महिला को दोस्त ने मौत के घाट उतारा

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ओडिशा की रहने वाली एक महिला को उसके साथी ने मौत के घाट उतार दिया। पुलिस के अनुसार, ओडिशा के रहने वाली पीड़ित धारित्री सिंह (22) मेडचल में एक निजी कंपनी में काम करते थी। कंपनी में अपने कार्यकाल के दौरान वह मैनेजर चैन के साथ दोस्ती कर ली। हालांकि चैन शादीशुदा था, फिर भी उसने कथित तौर पर पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाना जारी रखा। इस बीच, पीड़िता को पता चला कि वह गर्भवती है और उसने चैन से शादी करने का आग्रह किया। मेडचल इंस्पेक्टर एस राजशेखर रेड्डी ने कहा, "शादी करने से बचने के लिए, हो सकता है कि चैन ने अपने घर पर एक तौलिया का इस्तेमाल कर महिला का गला घोंट दिया हो और रविवार को फरार हो गया हो।" इसकी जानकारी होने पर मेडचल पुलिस ने जांच शुरू की और सुराग टीम ने अपराध स्थल से उंगलियों के निशान और अन्य सबूत एकत्र किए। जांच कर्ताओं की सहायता के लिए एक खोजी कुत्ता लाया गया। कुत्ते हत्यारे द्वारा लिए गए मार्ग पर नज़र रखने के लिए लगभग एक किलोमीटर तक चले और बाद में गंध खो बैठे। उसे पकड़ने के लिए तीन विशेष टीमों का गठन किया गया था।

# बिजली के जाल किसानों के लिए बना मौत का जाल, 3 की मौत

करीमनगर,9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शिकारियों द्वारा जंगली जानवरों का शिकार करने के लिए बिछाए गए बिजली के जाल लोगों के लिए मौत के जाल में बदल रहे हैं, हाल ही में पूर्ववर्ती करीमनगर जिले में इस तरह के बिजली के जाल से तीन लोगों की मौत हो गई। करीमनगर, राजन्ना-सिरसिला और जगतियाल जिलों में जंगली जानवरों के शिकार के लिए बिछाए गए बिजली के जाल से अनुबंध में आने से एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई।

बिजली और वन विभाग के अधिकारियों द्वारा कड़ी चेतावनी के बावजूद, शिकारी अक्सर कृषि क्षेत्रों और पहाड़ियों की तलहटी में बिजली के जाल बिछा रहे हैं। जंगली सूअर अक्सर रात के समय पास के जंगलों और पहाड़ियों से निकलकर खड़ी फसलों पर हमला करते हैं, शिकारी उन्हें मारने के लिए खेतों में ये जाल बिछा रहे हैं। हालांकि, बिना शक के लोग, खासकरकिसान, जब बिजली के तारों को देखे बिना अपने खेत में जाते हैं तो ऐसे जाल का शिकार हो रहे हैं।

राजन्ना सिरसिल्ला जिले के कोनराओपेट मंडल के येलकाचेरल के पास गुरुवार की तड़के लगे बिजली के जाल के संपर्क में आने से 27 वर्षीय युवक भूक्य किशोर की मौत हो गई। जायसेवाला भूक्यारेड्डी थंडा निवासी किशोर लोकुर्ती मल्लेशाम नामक किसान की जमीन पर खेती करने गया था। जब वह बाइक से खेत की ओर जा रहा था तो बिजली के तार की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

एक अन्य घटना में, गुडूरी स्वामी रेड्डी (54) की 12 मार्च को चिगुरुमामिडी मंडल के पिचुपल्ली में मृत्यु हो गई। जब वह धान की फसल को पानी देने के लिए अपने खेत में गए तो जंगली सूअरों के लिए कपास के खेत में रखे बिजली के जाल के संपर्क में आ गए। हाल ही में जगतियाल जिले में भी ऐसी ही एक घटना हुई थी।

हालांकि बिजली विभाग के अधिकारियों ने आईपीसी की धारा 304 (ए) के तहत मामला दर्ज करने की चेतावनी दी है (किसी भी व्यक्ति की जल्दबाजी या लापरवाही से हुई मौत गैर इरादतन हत्या के दायरे में नहीं आती), लेकिन शिकारी इस तरह के जाल बिछा रहे हैं। एनपीडीसीएल (करीमनगर) के अधीक्षक अभियंता वी. गंगाधर ने कहा कि जंगली जानवरों का शिकार करने के लिए कृषि क्षेत्रों में बिजली के जाल की व्यवस्था करना एक अपराध था और जाल की व्यवस्था करने वाले लोगों को धारा 304 (ए) के तहत दंडित किया जाएगा। यह इंगित करते हुए कि इन जालों के संपर्क में आने के बाद निर्दोष किसान अपनी जान गंवा रहे हैं, उन्होंने शिकारियों से कृषि क्षेत्रों में जाल की व्यवस्था नहीं करने को कहा। पिचुपल्ली घटना के बारे में पूछे जाने पर, एसई ने कहा कि उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिन्होंने मृतक किसान की पत्नी की शिकायत के आधार पर कुछ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

# महिला पत्रकारों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नगर स्थित सूचना विभाग मुख्यालय में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में कुल 571 महिला पत्रकारों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। गत 29 मार्च से प्रारंभ हुआ स्वास्थ्य शिविर 10 दिनों तक सफलतापूर्वक आज तक चला। स्वास्थ्य, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा रविवार तक चला स्वास्थ्य शिविर संयुक्त रूप से लगाया गया। सरकार ने महिला पत्रकारों को संपूर्ण स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने की मंशा से स्वास्थ्य शिविर शुरू किया है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी एवं नगर विभाग के मंत्री के टी रामाराव द्वारा दिये गये निर्देशानुसार महिला पत्रकारों के लिये यह मास्टर हेल्थ चेकअप कार्यक्रम विशेष रूप से सूचना नागरिक संबंध विभाग के आयुक्त, सरकार के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार द्वारा आयोजित किया गया। ये स्वास्थ्य शिविर भी सभी जिलों में शुरू किए गए हैं। हैदराबाद और रंगारेड्डी जिलों की मान्यता प्राप्त महिला पत्रकारों और विभिन्न प्रेस और समाचार चैनलों में काम करने वाली अन्य 306 महिला पत्रकारों ने भी इस अवसर का उपयोग मास्टर हेल्थ चेकअप कार्यक्रम में किया। परीक्षा रिपोर्ट उसी दिन जमा कर दी गई थी। चिकित्सा अधिकारियों एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों की देखरेख में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। परीक्षण कराने वाली महिला पत्रकारों ने इस कार्यक्रम को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की।

## ग्राम एवं वार्ड स्वयंसेवी पुरस्कार 14 अप्रैल को

आंध्र प्रदेश, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार ने लोगों और सरकार के बीच अपनी सर्वश्रेष्ठ सेवाएं देने और लगातार तीसरे वर्ष कल्याणकारी योजनाओं को सफल बनाने के लिए 14 अप्रैल को गांव और वार्ड के स्वयंसेवकों को सम्मानित करने का निर्णय लिया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी 14 अप्रैल को गोदावरी जिले के कोव्वुर में औपचारिक रूप से स्वयंसेवक सम्मान कार्यक्रम शुरू करेंगे। करीब 2,33,719 लाख स्वयंसेवकों को सम्मानित किया जाएगा। फिर स्थानीय विधायकों के निर्देशन में करीब एक महीने तक सचिवालय से जुड़े कई कार्यक्रम चलते रहेंगे। सरकार से बदले में कुछ भी उम्मीद किए बिना अपना समय और प्रयास देने वाले स्वयंसेवकों को पहचानने के लिए इस घटना को "स्वयंसेवकों को सलाम" नाम दिया गया है।

राज्य भर में प्रति निर्वाचन क्षेत्र में पांच स्वयंसेवकों, कुल 875 स्वयंसेवकों को 30,000 नकद पुरस्कार, एक पदक और प्रमाण पत्र सेवा वज्र पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

# तेलंगाना में सब्जी की खेती को बढावा देने की बड़ी योजना

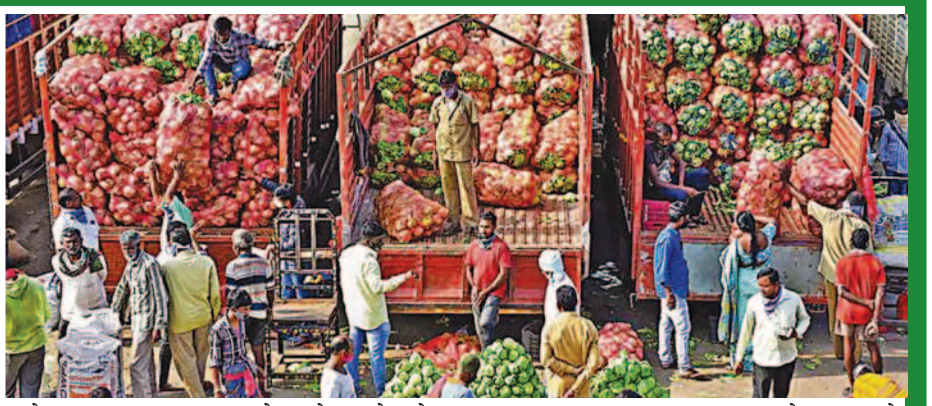

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हर दिन, हम पास की सब्जी की दुकान पर जाकर या ठेले वाले से सब्जियां खरीदते हैं, लेकिन कभी सोचा है कि ये सब्जियां आती कहां से हैं? आपकी थाली में जो सब्जियां पहुंचती हैं, वे ज्यादातर आसपास के क्षेत्रों जैसे रंगारेड्डी, विकाराबाद और यहां तक कि संगारेड्डी से शहर में आती हैं।

निकटवर्ती रंगारेड्डी में, सब्जियों की फसलें 28,000 एकड़ के क्षेत्र में 34,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष के उत्पादन के साथ उगाई जाती हैं, जबकि विकाराबाद में, वे 25,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष के उत्पादन के साथ 20,000 एकड़ के क्षेत्र में उगाई जाती हैं। संगारेड्डी में, 13,000 मीट्रिक टन के उत्पादन के साथ 12,000 एकड़ के क्षेत्र में इसकी खेती की जा रही है। बागवानी विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में रंगारेड्डी, विकाराबाद और संगारेड्डी में सब्जी की खेती के तहत कुल क्षेत्रफल 74,000 एकड़ है, जबकि हैदराबाद की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले 1.51 लाख एकड़ के अनुमानित क्षेत्र की तुलना में और मांग और आपूर्ति के बीच लगभग 50 प्रतिशत का अंतर है और इस अंतर को पूरा करने के लिए कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और अन्य जैसे पड़ोसी राज्यों से सब्जियां आयात की जा रही हैं।

सब्जी फसलों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए बागवानी विभाग जीडिमेटला और मुलुगु क्षेत्रों में स्थित अपने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस सुविधाओं के माध्यम से किसानों के लिए जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाकर कई उपाय कर रहा है। किसानों से अनुरोध के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के अलावा, विभाग गुणवत्ता वाले बीज प्राप्त करने में किसानों की मदद करने के लिए किसानों को 5,000 से 10,000 उच्च-गुणवत्ता और रोग-मुक्त पौध की आपूर्ति भी कर रहा है।

रंगारेड्डी में, अधिकांश सब्जी उत्पाद याचरम, इब्राहिमपट्टनम, महेश्वरम और शादनगर क्षेत्रों में उगाए जाते हैं। इसके अलावा, वर्तमान में रंगारेड्डी सहित राज्य भर में 80,000 एकड़ के क्षेत्र में तेल ताड़ की खेती की जा रही है। इसी तरह, आवश्यक 30,000 एकड़ के मुकाबले 10,000 एकड़ के क्षेत्र में फूल उगाए जाते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, बागवानी विभाग ने राज्य के कुल सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) में 38 प्रतिशत (28,160 करोड़ रुपये) का योगदान दिया, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान हुआ।

यहाँ उगाई जाने वाली सब्जियों की फ़सलों में खुली खेती वाली सब्जियाँ, लौकी, बीन्स, पत्तेदार सब्जियाँ, जड़ वाली सब्जियाँ, विदेशी सब्जियाँ और अन्य शामिल हैं।

# बीआरएस सांसदों ने पीएम मोदी की आलोचना की

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हैदराबाद यात्रा के दौरान तेलंगाना के विकास पर झूठ बोलने के लिए आलोचना की। रविवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, बीआरएस सांसद डॉ के केशव राव, के आर सुरेश रेड्डी और वेंकटेश नेथा ने कहा कि यह पूरी तरह से गलत बयान था कि प्रधानमंत्री ने अपनी यात्रा के दौरान कहा था कि तेलंगाना राज्य का विकास नहीं हो रहा है और कहा कि तेलंगाना राज्य सभी क्षेत्रों में प्रगति कर रहा था और कोई अन्य राज्य विकास में तेलंगाना को हरा नहीं सकता था। सांसद केशव राव ने कहा कि प्रधानमंत्री एपी पुनर्गठन अधिनियम के वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं और वह पिछले नौ वर्षों के दौरान तेलंगाना को एक भी मेडिकल कॉलेज की मंजूरी नहीं दे सके। "भले ही केंद्र ने कालेश्वरम परियोजना के लिए धन स्वीकृत करने से इनकार कर दिया है, बीआरएस सरकार ने स्वयं अपने पैसे से परियोजना को पूरा किया है और राज्य के सभी हिस्सों में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध करा रही है।

# बंडी संजय ने दर्ज कराई शिकायत, मोबाइल गायब होने का दावा

अपने सलाहकारों व वकिलों से बातचीत करते हुए संजय बड़ी।

करीमनगर, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय के वारंगल पुलिस संस्करण का विरोध करते हुए संजय ने अपना मोबाइल फोन जांच के लिए देने से इंकार कर दिया, संजय ने रविवार को करीमनगर टू टाउन पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उनका फोन गायब हो गया है और पुलिस से इसका पता लगाने को कहा है।

शिकायत में, संजय ने कहा कि उसे 4 और 5 अप्रैल की दरमियान रात को करीमनगर पुलिस ने पीएस-II, करीमनगर के सीआर नंबर 147/2023 के संबंध में हिरासत में लिया और राचकोंडा आयुक्तालय के बोम्माला रामाराम में स्थानांतरित कर दिया गया।

यात्रा के दौरान, उन्हें एहसास हुआ कि उन्होंने 7680006600 नंबर वाला अपना मोबाइल फोन खो दिया है। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस अधिकारियों को दी थी, जिन्होंने उन्हें कमलापुर पुलिस ने एक वाहन में बोम्माला रामाराम में स्थानांतरित कर दिया था और उनके अधिवक्ताओं को भी जब उन्हें गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि जब पुलिस ने करीमनगर में उन्हें हिरासत में लिया तो मोबाइल फोन उनके पास था लेकिन, बाद में गायब हो गया। उसने पुलिस से फोन का पता लगाने के लिए कहा क्योंकि उसके सभी कंटेक्ट नंबर और महत्वपूर्ण जानकारी उसमें संग्रहीत है। उसने कहा कि सिम उसकी बहन डॉ. सौम्या के नाम पर है और 'सुरक्षा कारणों' से उसका उपयोग किया जा रहा है।

## डीजीई ने 10 अप्रैल को विज्ञान की परीक्षा कराने के निर्देश जारी किए

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी परीक्षा निदेशालय (डीजीई) ने सोमवार को विज्ञान विषय एसएससी सार्वजनिक परीक्षा आयोजित करने के निर्देश जारी किए हैं। केन्द्रों में मुख्य अधीक्षक एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे उच्च एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत भौतिक एवं जैविक विज्ञान के विद्यालय सहायकों की सेवाओं का उपयोग परीक्षा कार्य में न करें। परीक्षा 3 घंटे 20 मिनट यानी सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.50 बजे तक आयोजित की जाएगी जिसमें भौतिक विज्ञान (भाग- I) सुबह 9.30 बजे से 11 बजे तक और जीव विज्ञान (भाग- II) सुबह 11.20 बजे से दोपहर 12.50 बजे तक होगा। अधिकारियों को छात्रों से भौतिक विज्ञान की उत्तर पुस्तिकाएं एकत्र करने और सुबह 11 बजे से 11.20 बजे के बीच जैविक विज्ञान के प्रश्न पत्र जारी करने के लिए कहा गया था। उन्हें सख्ती से कहा गया कि परीक्षार्थियों को सुबह 11 बजे से 11.20 बजे के बीच परीक्षा हॉल से बाहर नहीं जाने दिया जाए। प्रत्येक परीक्षा के समापन से 15 मिनट पहले उम्मीदवारों को दोनों विषयों में पेपर (भाग-बी) जारी किया जाएगा। परीक्षा के बाद अधिकारियों को शारीरिक और जैविक विज्ञान के पेपर अलग-अलग पैक कर मौके पर मूल्यांकन शिविर में भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

# मंत्री हरीश राव ने ड्राइवर की वर्दी में ऑटो चलाया

सिद्दीपेट, हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट में ऑटो-रिक्शा चालकों के कल्याण के लिए एकजुटता व्यक्त करते हुए, वित्त मंत्री टी. हरीश राव सिद्दीपेट ऑटो क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी की बैठक में ड्राइवर की वर्दी में ऑटो चलाकर आए। ड्राइवरों को उनकी सेवा के लिए बधाई देते हुए, राव ने सिद्दीपेट के ब्रांड एंबेसडर के रूप में उनकी प्रशंसा की क्योंकि वे हर पर्यटक को सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक ले जा रहे थे। सिद्दीपेट में विकास की एक झलक देते हुए, यात्री के उतरने से पहले ड्राइवर शहर के बारे में जानकारी देते हैं। कभी-कभी, यह चालक ही होते हैं जो एंबुलेंस के आने से पहले घायल यात्रियों को अस्पताल ले जाते हैं।

सोसायटी की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर ऑटो चालकों और उनके परिवार के सदस्यों को संबोधित करते हुए, हरीश राव ने कहा कि सोसायटी क्रेडिट सीमा को मौजूदा 10,000 से बढ़ाकर 15,000 रुपये कर रही है, इसके अलावा विवाह प्रोत्साहन को मौजूदा रुपये से बढ़ाकर 3,500 से 5,000 रुपये कर रही है। ऑटो चालक समुदाय के लाभ के लिए कई घोषणाएं करते हुए, राव ने कहा कि वह ऑटो चालक समाज के लिए एक विशेष पेट्रोल बंक स्थापित करने का समर्थन करेंगे ताकि उन्हें थोड़ी सस्ती दरों पर पेट्रोल मिल सके। उन्होंने सहकारी समितियों के लिए एक ऑटो नगर की स्थापना के अलावा एक स्थायी भवन का आश्वासन भी दिया।

यह कहते हुए कि ऑटो चालक चार साल पहले तक भारी ब्याज दर का भुगतान करके निजी धन उधारदाताओं से ऋण प्राप्त करते थे, राव ने कहा कि सोसायटी ने पिछले चार वर्षों के दौरान ड्राइवरों को वित्तीय रूप से मजबूत करने में मदद की थी। मंत्री ने 10 वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में 10 में से 10 जीपीए स्कोर करने पर ऑटो चालकों के बच्चों के लिए 25,000 रुपये की पुरस्कार राशि देने का भी वादा किया। एमएलसी फारूक हुसैन, पुलिस आयुक्त एन स्वेता और अन्य उपस्थित थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# बीआरएस पार्टी स्थापना समारोह भव्य पैमाने पर मनाएगी

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति ने इस महीने पूरे तेलंगाना राज्य में अपने स्थापना दिवस समारोह को बड़े पैमाने पर आयोजित करने का फैसला किया है। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने पार्टी विधायकों, जिलाध्यक्षों और प्रभारियों से 25 अप्रैल को अपने-अपने क्षेत्रों में निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर पार्टी प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित करने को कहा है। उन्होंने कहा कि लगभग 2500-3000 पार्टी नेताओं के साथ निर्वाचन क्षेत्र स्तर की बैठकें आयोजित की जाएंगी और वार्ड सदस्यों, ग्राम अध्यक्षों, एमपीटीसी, जेडपीटीसी, पार्टी ग्राम अध्यक्षों, एकल खिड़की अध्यक्ष और बाजार समिति निदेशकों सहित सभी प्रतिनिधि बैठकों में भाग लेंगे। बीआरएस के स्थापना दिवस को चिह्नित करने के लिए, पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में 27 अप्रैल को यहां तेलंगाना भवन में पार्टी की आम सभा की बैठक होगी। केसीआर पार्टी का झंडा फहराएंगे और उस दिन समारोह में हिस्सा लेंगे। आम सभा की बैठक के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी और बाद में केसीआर की अध्यक्षता में प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। आम सभा की बैठक में करीब 300 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इसी तरह, जैसा कि गर्मियां पहले से ही निर्धारित हैं और किसान धान की कटाई के मौसम में व्यस्त हैं, बीआरएस पार्टी ने अपने राज्य सम्मेलन कार्यक्रम और जनसभा को कुछ समय के लिए स्थगित करने और 10 अक्टूबर को वारंगल में आयोजित करने का फैसला किया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने रविवार को यहां एक विज्ञप्ति में कहा कि पार्टी के आत्मीय सम्मेलन कार्यक्रमों को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और पार्टी अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने भी उन नेताओं को बधाई दी जो कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन कर रहे हैं।

# सीएम केसीआर ने धान खरीदी केंद्रों को युद्ध स्तर पर जारी किया

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यह सुनिश्चित करने के लिए कि राज्य के किसानों को अपनी फसल की खरीद के लिए किसी भी मुद्दे का सामना नहीं करना पड़े, मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने रविवार को राज्य में युद्ध स्तर पर 7,000 यासंगी धान खरीद केंद्र स्थापित करने का फैसला किया। इस आशय के लिए, उन्होंने मुख्य सचिव ए शांति कुमारी और नागरिक आपूर्ति आयुक्त अनिल कुमार को तुरंत उपाय शुरू करने का निर्देश दिया। मध्यवर्ती उपायों के हिस्से के रूप में, मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को सोमवार को सभी जिला कलेक्टरों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस बुलाने और कार्य योजना को अंतिम रूप देने और धान खरीद प्रक्रिया के लिए उठाए जाने वाले सभी कदमों को फुलप्रूफ तरीके से करने के लिए कहा। उन्होंने मुख्य सचिव से कहा कि पूर्व की भांति राज्य भर में 7000 खरीद केंद्र स्थापित किए जाएं और खरीद की कवायद शुरू की जाए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.